दैनिक
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — छग के किसानों की आय बढ़ाने अब...
4 अभिव्यक्ति — मजदूर हमारे राष्ट्र निर्माता हैं...
9 मनोरंजन/खेल — जब 8 साल की आलिया भट्ट ने बताया था...
11 व्यापार — कोरोना संकट में इस प्राइवेट बैंक की...
www.navpradesh.com | बिलासपुर, सोमवार 11 मई 2020, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-चतुर्थी , विक्रम संवत-2077 वर्ष-06 अंक-31 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए | छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

भारत के पीओके प्लान से पिद्दी पाकिस्तान की पहले से ही पतली हालत ये हो गई है कि इमरान खान की पतलून गीली और पीली हो गई है। भारतीय मौसम विभाग ने पीओके का मौसम दिखाना शुरू कर पाकिस्तान के हुकमरानों को अभी ट्रेलर ही दिखाया है। अभी तो पूरी पिक्चर बाकी है। पिछले सात दशकों से पाकिस्तान ने कश्मीर के एक बड़े भू-भाग पर अवैध कब्जा कर रखा है, जो बहुत जल्द भारत उससे वापस लेकर रहेगा। अखण्ड कश्मीर का सपना अब होगा साकार। पीओके में तिरंगा लहरा कर भारतीय सेना करेगी चमत्कार, जिसे सारी दुनिया करेगी नमस्कार।

सूबे के कोल ब्लॉकों से वसूली गई एक्सट्रा लेवी राशि 4140.21 करोड़ रु. देने की मांग, सीएम भूपेश बघेल ने केन्द्रीय कोयला खान मंत्री को लिखा पत्र

संकट में भी मांगे नहीं मिल रहा छत्तीसगढ़ के हक का पैसा!

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केन्द्रीय कोयला खान मंत्री प्रहलाद जोशी को पुनः पत्र प्रेषित कर राज्य के कोल ब्लाकों से वसूल की गई छत्तीसगढ़ के हक की अतिरिक्त लेवी की राशि राज्य हित में उपलब्ध कराई जाने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन की वजह से निर्मित परिस्थिति एवं राज्य सरकार द्वारा कोरोना की रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के 8 पूर्व कोल ब्लाक आबंटितियों से कोयला खानों से निकाले गए कोयले के एवज में वसूल की गई 4140.21 करोड़ रूपए से अधिक की अतिरिक्त लेवी की राशि को राज्य हित में तत्काल उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय कोयला खान मंत्री प्रहलाद जोशी को प्रेषित अपने पत्र में बीते 23 जनवरी को भेजे गए अपने पत्र का भी उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सीएम बघेल ने कोरोना रोकथाम के लिए जिलों को जारी किए 1.20 करोड़

■ मुख्यमंत्री सहायता कोष से जिलों को अब तक कुल 10.40 करोड़ रुपए हुए जारी

__रायपुर/नवप्रदेश।__ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए राज्य के 9 जिलों को एक करोड़ 20 लाख रूपये की राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष से स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री सहायता कोष से रायपुर जिले को कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए 20 लाख रुपए राशि स्वीकृत की गई है। इसी तरह राजनांदगांव, दुर्ग, कबीरधाम एवं बिलासपुर जिले को 15-15 लाख रूपये तथा बलरामपुर-रामानुजगंज, सूरजपुर, गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही तथा मुंगेली जिले को 10-10 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिये इससे पहले सभी 28 जिलों को 25-25 लाख रुपये और 11 जिलों को 20-20 लाख जारी किए थे। इस तरह जिलों को अब तक 10 करोड़ 40 लाख रुपये जारी किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री नेरेंद्र मोदी सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फिर होंगे मुखातिब

लॉकडाउन अनलॉक होगा या नहीं, तय होगा आज

17 मई को खत्म होना है लॉकडाउन का तीसरा चरण

रायपुर/नवप्रदेश/ए.। लॉकडाउन 3 के बाद की स्थिति कैसी होगी, इसको लेकर कल यानी सोमवार 11 मई को कुछ तय होने के आसार हैं। दरअसल सोमवार को दोपहर तीन बजे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। कोरोना संकट कॉल में प्रधानमंत्री की मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पांचवीं बैठक होगी। सोमवार की बैठक में देश में कोरोना वायरस से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी। देश में लॉकडाउन का तीसरा चरण 17 मई तक है। माना जा रहा है कि इस बैठक में लॉकडाउन पर आगे की रणनीति तय की जाएगी और इसके बाद ही इसे बढ़ाने या न बढ़ाने के बारे में फैसला लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि कुछ राज्य इसे बढ़ाने के पक्ष में हैं। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण की वजह से देश भर में लॉकडाउन दो बार आगे बढ़ाया जा चुका है। भारत में अब भी कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस स्थिति में देश के आम लोगों के सामने चिंता यह है कि क्या लॉकडाउन 17 मई के बाद भी जारी रह सकता है।

इन चार राज्यों पर होगी सबकी निगाह

महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और तमिलनाडु में वैश्विक महामारी कोरोना का प्रकोप काफी तेजी से बढ़ रहा है। इन चारों राज्यों में इस संक्रमण के कुल 41101 मामले दर्ज किये गये हैं तथा 1368 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। लिहाजा सोमवार को होने वाली बैठक में इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों पर सबकी निगाह होगी। ज्यादा संभावना यही है कि ये राज्य अपने यहां लॉकडाउन बढ़ाने की मांग करें।

ये संस्थाएं कर चुकीं आगाह

स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ-साथ दो सरकारी संस्थाओं एम्स और आईसीएमआर ने संकेत दिए हैं कि अगर 17 मई के बाद लॉकडाउन खत्म किया गया तो, देश में कोरोना संक्रमण की स्थिति भयावह हो सकती है। इन संस्थाओं का कहना है कि अभी लॉकडाउन में छूट देना आत्महत्या के समान होगा। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ये हो सकता है सीएम बघेल का रुख

इस बैठक में छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल प्रधानमंत्री को कोरोना के मामले में अन्य राज्यों की तुलना में प्रदेश की बेहतर स्थिति के बारे में बता सकते हैं। इस स्थिति का हवाला देकर वे राज्य में शेष बंद उद्योग धंधों को सशर्त खोले जाने के लिए ढील देने की मांग कर सकते हैं। साथ ही जोन निर्धारण को लेकर भी अपनी चिंताओं से भी अवगत करा सकते हैं। मुख्यमंत्री बघेल प्रधानमंत्री मोदी से 30 हजार करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की मांग को दोहरा सकते हैं।

कई चीजें देखने के बाद होगा निर्णय

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन आगे बढ़ेगा भी या नहीं, यह कई चीजों को देखने के बाद तय किया जाएगा। उन्होंने कहना है कि लॉकडाउन और कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के मसले पर प्रधानमंत्री सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात कर रहे हैं। उनके साथ लगातार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर रहे हैं। मुख्यमंत्रियों द्वारा राज्यों का विश्लेषण जब पीएम के पास पहुंचेगा तो इस बारे में वह विशेषज्ञों से राय लेने के बाद फैसला करेंगे।

पाठ्य पुस्तक निगम में जालसाजी पर एसीबी का एक्शन

अशोक चतुर्वेदी और अन्य के खिलाफ आर्थिक अपराध

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। आखिरकार एसीबी ने पाठ्य पुस्तक निगम में जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले में तत्कालीन महाप्रबंधक अशोक चतुर्वेदी के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है। छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के एक टेंडर में किए गए संगठित और योजनाबद्ध भ्रष्टाचार को लेकर आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने निगम के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ-साथ एक सप्लायर फर्म होप इंटरप्राइजेस के खिलाफ भी भ्रष्टाचार और साजिश का मामला दर्ज किया है। चार दिन पहले एसीबी ने यह एफआईआर कायम की है जिसमें पाठ्य पुस्तक निगम के तत्कालीन महाप्रबंधक अशोक चतुर्वेदी सहित टेंडर के लिए बनी कमेटी के अन्य सदस्यों को आरोपी बनाया गया है। इस मामले की जानकारी देते हुए एसीबी के एडीजी जीपी सिंह ने बताया कि होप इंटरप्राइजेस को अकेले को काम देने के लिए और लाभ पहुंचाने के लिए अशोक चतुर्वेदी और कमेटी के सभी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सिक्किम सेक्टर में तनाव, जल्द सुलझा लिया गया

भारत-चीन के सैनिकों में टकराव, कुछ चोटील भी

गंगटोक/नवप्रदेश। सिक्किम से सटी सीमा पर भारत और चीन के सैनिकों के बीच टकराव देखने को मिला। नॉर्थ सिक्किम स्थित नाकू ला सेक्टर में भारत और चीन के सैनिकों में यह टकराव हुआ है। दोनों ओर से भारी तनाव और बहसबाजी हुई। इस घटना में दोनों तरफके सैनिकों को मामूली चोटें भी आई हैं। हालांकि इस झगड़े को स्थानीय स्तर के हस्तक्षेप के बाद सुलझा लिया गया।

सूत्रों ने बताया, कुछ देर चली बातचीत के बाद दोनों तरफके सैनिक अपनी-अपनी पोस्ट पर वापस लौट गए। सेना के सूत्रों ने बताया कि सीमा विवाद के चलते सैनिकों के बीच ऐसे छोटे-मोटे विवाद अक्सर होते रहते हैं। सूत्रों की मानें तो लंबे समय बाद नॉर्थ सिक्किम इलाके में भारत और चीन के सैनिकों के बीच ऐसे तनाव देखने को मिला। जब कभी ऐसा कोई विवाद होता है तो तय प्रोटोकॉल के मुताबिक दोनों सेनाएं इसे सुलझा लेती हैं। इससे पहले साल 2017 में दोनों देशों के बीच सिक्किम क्षेत्र में भीषण तनाव देखने को मिला था।

अच्छी खबर

छत्तीसगढ़ में फंसे दूसरे राज्य के लोगों के लिए आज लॉन्च होगा पोर्टल

बलौदाबाजार। राज्य सरकार लॉक-डॉउन की अवधि के दौरान छत्तीसगढ़ में दूसरे राज्यों के फंसे मजदूरों एवं अन्य लोगों के मदद के लिए एक पोर्टल लांच करने के तैयारी कर रही है। इस पोर्टल की लाचिंग श्रम विभाग के द्वारा 11 मई को की जाएगी। इस पोर्टल के माध्यम से छत्तीसगढ़ में फंसे कोई भी मजदूर एवं व्यक्ति अपनी विस्तृत जानकारी http:-glabobour.nic.in/covid_19 login page aspx. इस लिंक के माध्यम से पंजीकृत कराए जा सकते है। इस लिंक में केवल वही लोग पंजीयन कराए जो इस राज्य से बाहर अपने अन्य गृह राज्य जाने के इच्छुक हैं।

कोरोना अपडेट

देश	कंफर्म केस	मौत
भारत	64,996	2,153
अमेरिका	1,349,538	80,098
ब्रिटेन	215,260	31,587
इटली	218,268	30,395
स्पेन	264,663	26,621
फ्रांस	176,658	26,310
ब्राजील	156,061	10,656
बेल्जियम	53,081	8,656
जर्मनी	171,324	7,549
ईरान	107,603	6,640
नीदरलैंड	42,627	5,440
कनाडा	67,702	4,693
टर्की	137,115	3,739
मैक्सिको	33,460	3,353
स्वीडन	26,322	3,225
स्वीट्जरलैंड	30,305	1,830

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 31642.70
निफ्टी- 9251.50
गोल्ड- 45848 (10 ग्रा.)
सिल्वर- 43317 (1 कि ग्रा.)

दु:खद

सैप्टिक टैंक में गिरे बेटे को बचाने गया पिता, दोनों मृत

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर शहर में सैप्टिक टैंक की सफाई के दौरान बेटा टैंक में गिर गया। उसे बचाने के लिए पिता टैंक के अंदर कूद गया। दोनों की टैंक में दम घुटने से मौत हो गई। घटना सकरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सम्बलपुरी की है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को टंकी से निकलवाकर पंचनामा किया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक रविवार की सुबह रोहित कौशिक पिता राजाराम कौशिक अपनी पत्नी के साथ सैप्टिक टैंक की सफाई कर रहा था। अचानक रोहित टैंक के अंदर गिर गया। इसके बाद उसकी पत्नी ने बचाने के लिए जोर से आवाज लगाई। इसे सुनकर रोहित के पिता राजाराम कौशिक भी उसे ■ शेष पृष्ठ 8 पर

चिंता

पूर्व सीएम जोगी कोमा में, हालत बेहद गंभीर

रायपुर/नवप्रदेश। दिल का दौरा पड़ने के बाद से पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। राजधानी के श्री नारायणा अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉक्टर सुनील खेमका ने नवप्रदेश को बताया कि पूर्व सीएम जोगी की हालत बेहद गंभीर बनी हुई हैं। वे कोमा में चले गए हैं और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। डॉ. खेमका ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के लिए अगले 48 घंटे का समय काफी अहम है। बता दें कि शनिवार की सुबह ही जोगी की नाश्ते के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

राहत

छग में फिर घटे कोरोना मरीज और 6 डिस्चार्ज

रायपुर/नवप्रदेश। कोरोना के मामले में छत्तीसगढ़ के लिए रविवार को भी अच्छी खबर आई। एम्स रायपुर से रविवार को और 6 मरीजों के स्वस्थ होने पर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। ये सभी मरीज दुर्ग के थे। इस के साथ ही राज्य में अब एक्टिव कोरोना पॉजिटिव पेशेंट की संख्या 16 से घटकर 10 रह गई है। दुर्ग के स्वस्थ होने वाले ये सभी 6 मरीज पुरुष हैं। बता दें कि शनिवार को ही एम्स रायपुर ने स्वस्थ होने पर 5 मरीजों की छुट्टी कर दी थी। इन मरीजों में कबीरधाम के 3, दुर्ग व सूरजपुर के एक-एक थे। शनिवार को इन मरीजों को छुट्टी दिए जाने के साथ ही कोरोना एक्टिव केस की संख्या 16 हो गई थी। लेकिन अब एक्टिव केस 10 बचे हैं। इनमें सूरपुर के 4, दुर्ग-2, रायपुर-1 तथा कबीरधाम के 3 शामिल हैं।

श्रमिकों को ले जा रहा ट्रक पलटा, पांच की गई जान

■ मप्र के नरसिंहपुर में हुआ हादसा

नरसिंहपुर/ (वार्ता)। मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले के मुगवानी थाना क्षेत्र में श्रमिकों को लेकर जा रहे एक ट्रक के अनियंत्रित होकर पलटने से उसमें सवार पांच मजदूरों की मौत हो गयी और 13 अन्य घायल हो गए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये श्रमिक उत्तरप्रदेश के निवासी हैं और हैदराबाद से उत्तरप्रदेश जा रहे थे। श्रमिकों की पहचान निहाल सिंह, इंद्रेश पांडे, रणवीर प्रसाद, संदीप और छोटू के रूप में हुयी है। ये सीतापुर, बाराबंकी और हिनोना निवासी बताए गए हैं। दो श्रमिकों की हालत गंभीर बनी हुयी है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश तिवारी ने बताया कि हैदराबाद से उत्तरप्रदेश जा रहा एक ट्रक शनिवार रात नरसिंहपुर-नागपुर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गरमा-गरम

मदद का हाथ

खाड़ी देश में 17 हजार के पार हुई संक्रमितों की संख्या, शनिवार को एक ही दिन में सामने आए 624 केस

भारत ने पेश की दोस्ती की मिसाल, यूएई भेजीं 88 नर्सें

नई दिल्ली/ए। कोरोना वायरस संकट के बीच भारत ने मदद के वास्ते अपने 88 स्वास्थ्यकर्मियों को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भेजा है। संयुक्त अरब अमीरात में कोविड-19 संक्रमण के मामलों में वृद्धि होने के बीच देश के स्वास्थ्यकर्मियों की मदद के वास्ते भारत से 88 नर्सों का पहला समूह दुबई पहुंचा। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार खाड़ी देश में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 17 हजार के पार हो गई है। स्वास्थ्य और रोकथाम मंत्रालय ने कहा कि यूएई में शनिवार को इस महामारी के 624 नए मामले सामने आये हैं, जिससे मामलों की कुल संख्या बढ़कर 17,417 हो गई है। इस दिन वायरस के कारण 11 लोगों की मौत होने के बाद मृतकों की संख्या 185 हो गई है।

14 दिन तक रहेंगी अलग फिर लगेगी ड्यूटी

खलीज टाइम्स की खबर के अनुसार, ये नर्स केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र में एस्टर डीएम हेल्थकेयर अस्पतालों से हैं। इन नर्सों को 14 दिन तक पृथक रखे जाने के बाद आवश्यकता के अनुसार विभिन्न अस्पतालों में भेजा जायेगा। नर्सों का यह समूह शनिवार को एक विशेष उड़ान से दुबई हवाई अड्डे पहुंचीं।

भारतीय राजदूत बोले- और मजबूत होगी दोस्ती

यूएई में भारतीय राजदूत पवन कपूर ने कहा कि इससे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती को और मजबूत मिलेगी। उन्होंने कहा, 'भारत और यूएई दिखा रहे हैं कि कैसे एक रणनीतिक साझेदारी को इस महामारी से निपटने के लिए एक मजबूत सहयोग में बदला जा सकता है। जरूरत में दोस्त की मदद करना दोनों देशों के बीच सहयोग का मकसद है।

कोविड-19 पर गतिरोध के लिए यूएस जिम्मेदार: चीन

संयुक्त राष्ट्र/नवप्रदेश। चीन ने कहा है कि वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गतिरोध के लिए अमेरिका जिम्मेदार है। चीन के एक राजनयिक ने कहा कि सुरक्षा परिषद के छह सदस्य कोविड-19 को लेकर फ्रांस और ट्यूनीशिया के सहयोग से तैयार किये गये मसौदा प्रस्ताव पर सहमत थे। चीन ने भी इसका समर्थन किया था। अमेरिका ने भी सहमति जताई थी, लेकिन हैरान कर देने वाली और अफसोस की बात यह है कि अमेरिका बाद में पलट गया, जिसके कारण सुरक्षा परिषद द्वारा इसे स्वीकार कर पाना असंभव हो गया। राजनयिक ने कहा है कि अमेरिका ने सुरक्षा परिषद की एकता को कमजोर किया है और मौजूदा परिस्थिति की पूरी जिम्मेदारी उसे लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन ने इस मुद्दे पर अधिकतम उदारता दिखायी है। चीन अपने रुख पर कायम रहेगा।

भारत-यूएस तीन वैक्सीन पर कर रहे हैं काम

कोरोना वायरसः भारत-अमेरिका कर रहे सूचनाओं का आदान-प्रदान

वॉशिंगटन ए.। कोरोना संकट से निपटने के लिए भारत और अमेरिका साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इसके लिए करीबी समन्वय और सूचनाओं के आदान-प्रदान पर जोर दिया जा रहा है। अमेरिका में भारतीय राजदूत टी एस संधू ने कहा कि दोनों देशों की कंपनियां इस वक्त कम से कम तीन वैक्सीन पर मिलकर काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि भारत की शीर्ष स्वास्थ्य इकाई इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च अमेरिकी संस्था के साथ सहयोग करती रही है। संधू ने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा, 'आईसीएमआर और सीडीसी-एनआईएच (अमेरिका) कई सालों से एक दूसरे को सहयोग देते रहे हैं, तीन साल पहले दोनों ने मिलकर रोटावायरस की वैक्सीन का इजाद किया था, यह न सिर्फभारत बल्कि अमेरिका सहित कई देशों के लिए कारगर साबित हुआ था।

भारतीय राजनयिक ने कहा कि इस वक्त भी भारत और अमेरिका साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'भारत और अमेरिका की कंपनियां कम से कम तीन वैक्सीन पर काम कर रही हैं। इसके अतिरिक्त हम सप्लाई चेन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और इस संकट के वक्त ने अमेरिका को यह दिखाया है कि भारत एक भरोसेमंद साझीदार है। उल्लेखनीय है कि भारत ने जरूरी दवाओं के निर्यात से प्रतिबंध हटाकर अमेरिका को उसकी खरीद की मंजूरी दी थी। भारत हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन मेडिसिन का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अपील के बाद भारत ने उसके निर्यात से प्रतिबंध हटा दिया था। यह ऐंटी-मलेरिया मेडिसिन है जिसका इस्तेमाल फ्लिहाल कोरोना मरीजों पर भी किया जा रहा है। भारत ने अमेरिका सहित कई देशों को यह मेडिसिन भेजी है।

अमेरिका के संकटग्रस्त किसानों के लिए तीन अरब डॉलर की खरीदः ट्रम्प

__वाशिंगटन (शिन्हुआ)।__ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि देश के संकटग्रस्त किसानों की मदद के लिए उनसे तीन अरब डॉलर के डेयरी उत्पाद और मांस की खरीद की जायेगी। श्री ट्रम्प ने अपने ट्वीट में कहा कि अमेरिका अपने किसानों, फार्म संचालक और विशेष फसल उत्पादकों से तीन अरब डॉलर मूल्य के डेयरी , मांस , खाद्य उत्पाद और रसोई सामानों की खरीद करेगा , जिससे इन सभी को अपने संकट से उबरने में मदद मिलेगी। यह काम अगले सप्ताह से शुरू कर दिया जायेगा। उन्होंने सरकार की इस पहल को 'फार्मर्स टू फैमिली फूड बॉक्स' का हिस्सा बताया और कहा कि यह सभी के लिए एक अच्छी खबर है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कोरोना वायरस (कोविड 19) की महामारी से उपजे संकट का सामना कर रहे किसानों और फार्म संचालकों की मदद के लिए 19 अरब डॉलर के राहत कार्यक्रम की घोषणा की थी और तीन अरब डॉलर मूल्य के डेयरी उत्पाद और मांस की खरीद इसी अभियान का हिस्सा है।

कोरोना से निपटने को लेकर ट्रंप पर भड़के ओबामा, बोले- अमेरिका की कार्रवाई कमजोर और दागदार

__वाशिंगटन ए.।__ कोरोना वायरस के कहर से इस वक्त पूरी दुनिया तबाह है, मगर सबसे ज्यादा इसका घातक रूप अमेरिका में देखने को मिल रहा है। अमेरिका में कोरोना से करीब 80 हजार के करीब मौत का आंकड़ा पहुंच गया है। इस बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से निपटने के देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तरीके को लेकर उनकी कड़ी आलोचना की है।

बराक ओबामा ने अपने पूर्व प्रशासन के सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप के पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल फ्लिन के खिलाफन्याय मंत्रालय द्वारा आपराधिक मामला समाप्त किए जाने के बारे में भी कहा है कि 'कानून के शासन की मूलभूत समझ को खतरा है।'

ओबामा ने अपने समर्थकों से राष्ट्रपति पद के चुनाव में पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन का समर्थन करने की अपील की जिनके तीन नवंबर को होने वाले चुनाव में ट्रंप के खिलाफ मैदान में उतरने की संभावना है। ओबामा ने कहा, 'हम स्वार्थी होने, विभाजित होने और दूसरों को शत्रु की तरह देखने जैसी लंबे समय से चली आ रही प्रवृत्तियों से लड़ रहे हैं और ये प्रवृत्तियां अमेरिकी जीवन में मजबूती से घर बना चुकी है। हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यही देख रहे हैं। यही कारण है कि इस वैश्विक संकट को लेकर प्रतिक्रिया और कार्रवाई इतनी कमजोर और दागदार है। उन्होंने कहा, 'यह पूरी तरह अराजकतापूर्ण आपदा है क्योंकि मानसिकता यह है कि 'इसमें मेरे लिए क्या है।'

भारत और चीन के सैनिकों के बीच सिक्किम सीमा पर मामूली झड़प

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारत और चीन के सैनिकों के बीच उत्तरी सिक्किम की सीमा पर मामूली झड़प होने की खबर है जिसमें दोनों ओर के कुछ सैनिक मामूली रूप से चोटिल हुए हैं। सेना के सूत्रों ने आज बताया कि शनिवार को सिक्किम में सीमा के निकट नाकूला क्षेत्र में दोनों ओर के सैनिकों के बीच मामूली झड़प हुई जिससे दोनों ओर के कुछ सैनिकों को हल्की चोट आयी हैं। स्थानीय स्तर पर वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के बीच बातचीत के बाद स्थिति सामान्य हो गयी है। सूत्रों ने कहा कि सीमा का निर्धारण न होने के कारण चीन सीमा से लगते इन क्षेत्रों में इस तरह की छिटपुट घटनाएं हो जाती हैं । इन मुद्दों का स्थापित प्रोटोकोल के माध्यम से परस्पर समाधान कर लिया जाता है। हालाकि सूत्रों ने कहा कि इस बार इस तरह की घटना काफी समय बाद हुई है।

बवाना में पेपर रोल फैक्टरी में भीषण आग

नयी दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली के बवाना औद्योगिक क्षेत्र में रविवार सुबह पेपर रोल की एक फैक्टरी में भीषण आग लग गई। अग्निशमन विभाग ने बताया फैक्टरी में आग लगने की सूचना सुबह 8.27 बजे मिली और 18 गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। आग बुझाने का काम जारी है और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग बवाना औद्योगिक सेक्टर-2 के एच-2 स्थित फैक्टरी के बेसमेंट, भूतल और पहली मंजिल पर लगी है।

मुंबई से यूपी पैदल चले, रास्ते पर दम तोड़ा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर के रहने वाले अनीस अहमद और प्रयागराज के रहने वाले लल्लूराम और प्रेम बहादुर की घर वापस जाते समय मौत हो गई। फतेहपुर स्थित हरदासपुर के रहने वाले अनीस ट्रक में सवार होकर घर आ रहे थे। जामली के पास उनकी तबीयत खराब हुई और थोड़ी ही देर में उनकी मौत हो गई। दूरी ओर प्रयागराज के लल्लूराम की मध्य प्रदेश में एंट्री करने के बाद तबीयत बिगड़ी तो उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाया गया। हॉस्पिटल में लल्लूराम की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का खुलासा हो पाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अब तक देश में घर वापसी के लिए निकले 70 से अधिक मजदूरों की मौत हो चुकी है। हाल ही में औरंगाबाद में 16 मजदूरों को एक मालगाड़ी ने रौंद दिया था तो मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर में पाठा गांव के पास ट्रक पलटने से 5 मजदूरों की मौत हो गई थी।

व्हाइट हाउस के तीन वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी सेल्फ आईसोलेशन में

वाशिंटन (स्पूतनिक)। अमेरिका में व्हाइट हाउस कोरोना वायरस के टास्क फोर्स में शामिल तीन वरिष्ठ अधिकारी सेल्फ आईसोलेशन में जाएंगे। इन अधिकारियों ने मीडिया में कोरोना पॉजिटिव मरीज के सम्पर्क में आने की रिपोर्ट के बाद खुद को खुद को आईसोलेट करने का फैसला लिया है। अमेरिका के पोलिटिको अखबार के अनुसार राष्ट्रीय एलर्जी एवं संक्रामक रोग संस्थान के निदेशक एंटोनी फौसी, रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के निदेश रॉबर्ट रेडफिल्म तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त स्टेफन हन अगले दो सप्ताह तक घर से काम करेंगे । उल्लेखनीय है कि उप राष्ट्रपति माइक पेंस के प्रेस सचिव केटी मिलर ने कोविड-19 पॉजिटिव पाये जाने के बाद के इन अधिकारियों के सेल्फआईसोलेशन में जाने के कारण व्हाइट हाउस में इस संक्रमण के फैलने का खतरा बढ़ गया है।

पाकिस्तान को हंदवाड़ा पर सर्जिकल स्ट्राइक का डर आसमान में बढ़ाई निगहबानी

नई दिल्ली ए.। जम्मू-कश्मीर के हंदवाड़ा में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए भारतीय सेना के कर्नल आशुतोष शर्मा और अन्य चार जवानों का बदला भारतीय सेना ने हिज्बुल के टॉप कमांडर रियाज नायकू को मारकर पूरा कर लिया है। मगर पाकिस्तान को अब भी खौफसता रहा है कि संभावित रूप से भारत जवाबी कार्रवाई करेगा और हंदवाड़ा का अभी और बदला लेगा। यही वजह है कि पाकिस्तानी वायु सेना ने अपने आसामान में निगहबानी बढ़ा दी है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के हंदवाड़ा में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में भारतीय सेना के कर्नल के शहीद होने के बाद पाकिस्तान, भारत की जवाबी कार्रवाई के डर से खौफजदा हो गया है। एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पाकिस्तानी वायु सेना ने अपने इलाके में जेट विमानों की गश्त तेज कर दी है। सरकार के टॉप सूत्रों ने एएनआई को बताया कि हंदवाड़ा एनकाउंटर के समय, पाकिस्तान पहले से ही एक हवाई अभ्यास कर रहा था, जिसके बारे में भारत को भी जानकारी थी। उन्होंने कहा, 'एनकाउंटर में कर्नल के शहीद होने जाने के तुरंत बाद पाकिस्तानी वायु सेना ने अपनी गश्त बढ़ा दी और विमानों में एफ -16 और जेएफ-17 सहित लड़ाकू विमानों को शामिल कर लिया, जो हमारे निगरानी प्लेटफार्मों द्वारा लगातार सर्विलांस किए जा रहे थे।

इसके तुरंत बाद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने भारत द्वारा झूठे फ्लैग ऑपरेशन के बारे में ट्वीट किया। इमरान का यह बयान भारत के उस बयान के बाद आया, जिसमें जिसमें कहा गया था कि भारत में हो रही हिंसा के पीछे पाकिस्तान का हाथ था। इमरान खान ने ट्वीट किया था, 'मैं पाकिस्तान को निशाना बनाने वाले झूठे फ्लैग ऑपरेशन के बहाने भारत के लगातार प्रयासों के बारे में दुनिया को आगाह कर रहा हूं। एलओसी के पार 'घुसपैठ' के ताजा आरोप इस खतरनाक एजेंडे में शामिल हैं।'

सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान की ओर गतिविधियां बढ़ने के बाद ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वे पाकिस्तान के इशारे पर कश्मीर घाटी में बढ़ी हिंसा पर भारत के संभावित जवाबी कार्रवाई को लेकर डर रहे हैं और यही वजह है कि एहतियात बरत रहे हैं। पाकिस्तान को यह डर इसलिए भी सता रहा है क्योंकि पिछले कुछ सालों में बड़े आतंकवादी हमलों के बाद भारतीय सेनाओं ने जवाबी कार्रवाई है और शहीदों का बदला लिया है। मसलन उरी अटैक और पुलवामा आतंकी हमले के बाद भी सेना ने जवाबी कार्रवाइ की थी और पाकिस्तानी सीमा में घुसकर आतंकियों का सफाया किया था। पुलवामा हमले के बाद भारतीय वायु सेना ने जैश-ए-मोहम्मद के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बालाकोट में आतंकवादी शिविर पर एक हवाई हमला किया था, जिसमें कई आतंकवादी मारे गए थे।

अररिया में कोर्ट के मुंशी की बेरहमी से हत्या कर सड़क किनारे फेंका शव

अररिया ए.। अररिया नगर थाना क्षेत्र के कमलदाहा पंचायत के प्रेमनगर बोची गांव के रहनेवाले व्यवहार न्यायालय के मुंशी सह किसान की शनिवार की रात धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। रविवार की अहले सुबह शव घर से पश्चिम तीन सौ मीटर दूर सड़क किनारे से बरामद हुआ।

मुंशी मुकेश कुमार शर्मा (48) की हत्या की खबर से गांव में सनसनी फैल गयी। हत्या की इस घटना से इलाके के लोग सहमे हुए हैं। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल अररिया भेज दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौप दिया है और मामले की तफ्तीश में जुट गई है। आशंका जताई जा रही है कि हत्या कही दूसरी जगह पर की गई थी और शव को सड़क किनारे फेंक दिया गया था। पुलिस ने घटनास्थल से लोहे का एक रड बरामद किया है। परिजनों ने बताया कि मुकेश शर्मा शनिवार की शाम घर से खेत में फसल देखने निकला था और वापस नही लौटे। मृतक के भाई जगदीश शर्मा ने बताया कि देर रात तक घर नही लौटने पर करीब दस बजे पत्नी ने फोन की तो बताया कि थोड़ी देर में घर आ रहे हैं लेकिन वह नहीं लौटा। रातभर खोजबीन की गई पर उसका कुछ पता नहीं चला। सुबह करीब पांच बजे घर से तीन से मीटर दूर पश्चिम मोड़ पर सड़क किनारे शव बरामद हुआ। मृतक की पत्नी मंजू देवी ने गांव के ही अखिलेश शर्मा, उनकी पत्नी रूबी देवी उनके पुत्र लखन शर्मा व भोला शर्मा पर साजिश कर हत्या किये जाने का आरोप लगाते हुए थाना में आवेदन दिया है। बताया गया कि तीन दिन पहले अखिलेश शर्मा से मृतक मुकेश शर्मा का झगड़ा हुआ था और वह जान मारने की धमकी दिया था। इधर नगर थानेदार किंग कुंदन ने बताया कि मृतक की पत्नी ने चार लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए आवेदन दी है।

दिल्ली में तब्लीगी जमात के सदस्यों की क्वारंटीन केंद्रों से छुट्टी का आदेश

नयी दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली सरकार ने तब्लीगी जमात के सदस्यों को क्वारंटीन केंद्रों से घर जाने के आदेश जारी किए हैं । दिल्ली के सभी उपायुक्तों को इस संबंध में आदेश पत्र जारी किया गया है। निजामुद्दीन मरकज में आयोजत तब्लीगी जमात में शामिल हुए फिलहाल कुल 2446 सदस्य विभिन्न क्वारंटीन केंद्रों में हैं। स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन ने भी कुछ दिन पहले क्वारंटीन की अवधि पूरी करने वाले जमातियों को घर जाने देने की बात कही थी और अब आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि तब्लीगी जमात से जुड़े जो लोग कोरोना से उबर चुके हैं, उन्हें प्रोटोकॉल या केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) के आधार पर केंद्रों से छोड़ा जा सकता है। दूसरे राज्यों के जमातियों को उनके घर भेजने का प्रबंध करने को भी कहा गया है। अधिकारियों से यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि केंद्रों से छोड़े गए जमाती अपने घरों के अतिरिक्त इधर-उधर कहीं नहीं घूमे। जो जमाती राजधानी से हैं, उनको क्वारंटीन केंद्र से जाने के लिए पास जारी किया जाए। कुल तब्लीगी जमातियों में से 567 विदेशी हैं । ,

दो हार्ट अटैक, कैंसर भी, 74 साल की उम्र में दी कोरोना को मात

वडोदरा ए.। 'कैंसर मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाया तो कोरोना क्या चीज है?' ये शब्द हैं 74 वर्षीय बुजुर्ग युसुफहोटलवाला के जिन्होंने कोरोना वायरस को मात दी है और अस्पताल से घर लौट आए हैं। एक हफ्ते पहले कोरोना पॉजिटिव मिलने के बाद उन्हें अजवा रोड स्थित कोविड केयर सेंटर में रखा गया था।

युसुफको एक दुर्लभ कैंसर है जिसमें पेट की सतह प्रभावित होती है। शनिवार को कोरोना निगेटिव पाए जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें घर जाने की अनुमति दे दी। युसुफको दो बार हार्ट अटैक भी आ चुका है। वह जिंदादिली, आत्मविश्वास और जीने की ललक को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताते हैं। उन्होंने कहा, 'डॉक्टरों ने कहा कि मेरी हालत स्थिर है और मैं होम क्वारंटीन में रह सकता हूं।

युसुफ का इलाज करने वाले डॉक्टर मोहम्मद हुसैन ने कहा कि उनकी हालत को देखते हुए वह काफी जल्दी ठीक हो गए। एक तरफजहां दवाओं और डाइट ने अपना काम किया, वहीं दूसरी तरफ उनके पॉजिटिव ऐटीट्यूड ने हमारा काम आसान कर दिया। युसुफकी पत्नी फहमीदा 2 मई को कोरोना पॉजिटिव मिली थीं। बताया जा रहा है कि उन्हें अपनी पत्नी से ही संक्रमण हुआ था। उन्होंने कहा, 'मेरे परिवार को मेरी बहुत चिंता थी मगर मैं निश्चिंत था। मुझे पता था मैं ठीक हो जाऊंगा।'

गिलगित-बाल्टिस्तान पर भारत को चीनी 'जवाब' है सिक्किम में सैन्य झड़पः विशेषज्ञ

पेइचिंग ए.। 'वुहान स्प्रिट' के विपरीत भारत और चीन की सेना के बीच शनिवार को समुद्र तल से करीब 5000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित सिक्किम के नाकु ला सेक्टर में हिंसक झड़प हुई। बताया जा रहा है कि इस झड़प में 4 भारतीय सैनिक और 7 चीनी सैनिक घायल हो गए। इस विवाद में 150 सैनिक शामिल थे। दोनों देशों के बीच यह झड़प करीब 3 साल के बाद हुई है। इस बीच विशेषज्ञ चीन के साथ सिक्किम में झड़प को भारत के गिलगिट-बाल्टिस्तान को लेकर उठाए गए कदम से जोड़कर देख रहे हैं।

दरअसल, चीन के राष्ट्रपति के शी चिनफिंग का सपना है कि चाइना-पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर को जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाए। इस कॉरिडोर के बनने पर चीन सीधे अपने माल को जमीन के रास्ते ग्वादर पोर्ट तक पहुंचा देगा। यहां से चीनी माल सीधे अफ्रीका और दुनिया के अन्य हिस्सों में भेजा जाएगा। इससे चीन को दक्षिण पूर्व एशिया के देशों का चक्कर लगाते हुए माल नहीं भेजना होगा।

गिलगिट-बाल्टिस्तान से पूरा होगा चीनी राष्ट्रपति का सपना

चीन और पाकिस्तान का यह आर्थिक कॉरिडोर पाक अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान इलाके से होकर जाता है। भारत लगातार चीन से इस कॉरिडोर को बनाने पर आपत्ति जताता रहा है। चीन लगातार भारत की चिंताओं को अनेदखी करता आ रहा है। इस बीच मंगलवार को भारत ने अपने एक कदम से चीन और पाकिस्तान को साफ-साफसमझा दिया है कि गिलगित-बाल्टिस्तान उसका अभिन्न अंग है।

भारतीय मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर सब-डिविजन को अब 'जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद' कहना शुरू कर दिया है। गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद, दोनों पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्?जा कर रखा है। मंगलवार को भारतीय मौसम विभाग ने नॉर्थवेस्ट इंडिया के लिए जो अनुमान जारी किए, उसमें गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद को भी शामिल किया गया।

पूरा एवरेस्ट निगलना चाहता है ड्रैगन, नेपाल में विरोध के सुर

भारत के इस कदम के बाद पाकिस्तान बौखला गया। पाकिस्तान ने इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्तावों का उल्लंघन बताया। पाकिस्तान ने इसे भारत का गैरजिम्मेदाराना कदम बताते हुए गिलगित और बाल्टिस्तान के दावे को सिरे से नकार दिया। दरअसल, भारत ने पहले ही दो टूक कह दिया है कि पाकिस्तान उन इलाकों पर अपना हक ना जताए, जो उसने अवैध तरीकों से और जबरन कब्जा कर लिया है।

'गिलगित-बाल्टिस्तान का चीनी जवाब है सिक्किम'

अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ कमर आगा कहते हैं कि चीन की सेना ने करीब 3 साल बाद सिक्किम में यह झड़प बहुत सोच-समझकर किया है। आगा ने कहा, 'चीन के साथ सिक्किम में यह झड़प भारत के गिलगित-बाल्टिस्तान को लेकर उठाए गए ताजा कदम का जवाब है। चीन किसी भी कीमत पर अपने आर्थिक कॉरिडोर को पूरा करना चाहता है। हालत यह है कि कोरोना संकट में फंसे पाकिस्तान में इस महामारी के बाद भी बहुत तेजी से चीनी कॉरिडोर पर काम चल रहा है। आगा ने कहा, 'अपने कॉरिडोर पर संकट आता देख चीन ने सिक्किम में उकसावे की कार्रवाई की है। चीन सिक्किम को अपना क्षेत्र बताता है और दोनों देशों के बीच लंबे समय से इसको लेकर विवाद है। आगा ने कहा कि इस झड़प की एक और वजह चीन का आंतरिक संकट है। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट की वजह से चीन की हालत खराब है। अर्थव्यवस्था बर्बादी की कगार पर है। उन्होंने कहा कि चीन माल तो बना रहा है लेकिन दुनिया में उसके खरीददार नहीं हैं। इससे चीन की अर्थव्यस्था आने वाले समय में आधे से भी कम रह जाएगी।

सिक्किम में सैन्य जमावड़ा कर रहा है चीन

इससे पहले साल 2017 में दोनों देशों के बीच सिक्किम क्षेत्र में भीषण तनाव देखने को मिला था। तब यह इतना बढ़ा था कि भारत के शीर्ष सैन्य अफसरों ने कई दिनों तक इलाके में कैंपिंग की। चीनी सेना इस इलाके में सड़क निर्माण करने की कोशिश कर रही है। चीन पहले ही सामरिक लिहाज से बेहद अहम माने जाने वाले चुंबी घाटी इलाके में सड़क बना चुका है, जिसे वह और विस्तार देने की कोशिश कर रहा है। यह सड़क भारत के सिलिगुड़ी कॉरिडोर या कथित 'चिकन नेक' इलाके से महज पांच किमी दूर है। यह सिलिगुड़ी कॉरिडोर ही भारत को नॉर्थ ईस्ट के राज्यों से जोड़ता है। इसी कारण से भारतीय सैनिकों और चीनी सेना के बीच अक्सर टकराव होता रहता है। साल 2017 में भी टकराव की यही वजह थी जब पीएलए के जवानों को विवादित इलाके में निर्माण कार्य करने से भारतीय सेना ने रोक दिया था। इसके बाद चीन ने इलाके में विशाल सैन्य परिसर बना लिया है। यह सैन्य परिसर डोकलाम के अंदर बनाया गया है।

■ न्यूज गैलरी

लॉक डाउन, क्वारनटाइन उल्लंघन पर 18 एफआईआर दर्ज

रायपुर। लॉक डाउन, क्वारनटाइन उल्लंघन करने और जानकारी छिपाने पर पुलिस ने पिछले 24 घंटे में 18 अपराध दर्ज किये हैं। रायपुर में 2, महासमुंद में 6, बलौदाबाजार में 1, बालोद में 1, कबीरधाम में 2, बिलासपुर में 1, मुंगेली में 2, जांजगीर चाम्पा में 1, कोरिया में 1, सूरजपुर में 1 अपराध दर्ज किये गए हैं। पुलिस ने आईपीसी की धारा 188, 269, 270 के तहत अपराध दर्ज किए हैं।

एयरपोर्ट में की जाएं यात्रियों की पूरी जांच : कीर्ति व्यास

रायपुर। हवाई यात्रा करके लौटने वालों के लिए ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया 'टाई' ने कहा है कि यात्रियों की जांच एयरपोर्ट पर ही की जाएं। थर्मल स्क्रीनिंग समेत कोरोना के अन्य जांच से संतुष्ट होने के बाद ही यात्री को फ्लाइट में बैठने की अनुमति दी जाएं। एसोसिएशन के मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के पूर्व अध्यक्ष कीर्ति व्यास ने नागर विमानन महानिदेशालय 'डीजीसीए' को सुझाव दिया है। यदि एयरलाइंस कंपनियां इस तरह से सीटें कम करेंगी इसका सीधा नुकसान उपभोक्ताओं को होगा। एयरलाइंस कंपनियों द्वारा हवाई फेयर बढ़ा दिए जाएंगे। 1 जून से विमानन कंपनियों की बुकिंग शुरू होने जा रही है। इंडिगो, विस्तारा एयरलाइंस सहित दूसरी कंपनियों ने एक जून से फ्लाइट की बुकिंग शुरू कर दी है।

ग्रीन जोन के जिलों में आवागमन के लिए कोविड-19 ई-पास सेवा बन रहा सहायक

रायपुर। राज्य के अनेक जिलों में स्थिति सामान्य होने तथा कोविड-19 के नए मरीज सामने न आने के बाद अब एक बार फिर से राज्य के अंदर आवश्यक कार्य से आवागमन करने वालों को राहत मिल गई है। कोविड-ई-पास के लिए आवेदन करने वालों को शीघ्र ही अनुमति मिल सकती है। राज्य सरकार ने अत्यंत आवश्यक सेवाओं को जारी रखने, लॉकडाउन के दौरान सीजी कोविड-19 ई पास सेवा जारी किया था। इस मोबाइल एप्लीकेशन को डाउनलोड करने के बाद आवेदनकर्ता अपनी पूर्ण जानकारी भरकर इसे सबमिट कर आसानी से ई-पास प्राप्त कर सकता है। इस सेवा के प्रारंभ होने के बाद अधिकांश लोगों ने ई-पास प्राप्त करने आवेदन किया और उन्हें अनुमति भी मिली। लेकिन अचानक राज्य में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ने के बाद ई-पास में आवेदन करने वालों की जैसी बाढ़ आ गई थी। राज्य में अफरातफरी न मचे, इसके लिए विशेष परिस्थितियों में भी इस सेवा के माध्यम से अनुमति जारी की जा रही थी। लेकिन अब स्थिति लगभग सामान्य हो चुकी है।

छग के किसानों की आय बढ़ाने अब दलहन-तिलहन फसलों पर फोकस

■ खेतों की मेड़ पर इन फसलों के उत्पादन के लिए किसानों को किया जाएगा प्रेरित

■ पायलट प्रोजेक्ट के रूप में राज्य के 10 जिले चयनित

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कृषि विभाग द्वारा किसानों को अतिरिक्त आय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खेतों की मेड़ों पर दलहन और तिलहन की फसलों की खेती को बढ़ावा देना का विशेष अभियान शुरू करने जा रहा है।

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में मेड़ों पर दलहन और तिलहन की खेती के लिए राज्य के 10 जिले चयनित किए गए हैं, जिसमें बालोद, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, धमतरी, बलौदाबाजार, मुंगेली, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा और रायगढ़ शामिल हैं। इन सभी 10 जिलों में विशेष अभियान चलाकर शत-प्रतिशत खेतों की मेड़ों पर अरहर एवं अन्य दलहनी, तिलहनी फसलों का उत्पादन किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे के मार्गदर्शन में कृषि विभाग ने यह योजना तैयार की है।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने अधिकारियों को दिए निर्देश

कृषि उत्पादन आयुक्त मनिन्दर कौर द्विवेदी ने कृषि विभाग के अधिकारियों को खेतों की मेड़ पर दलहन और तिलहन की खेती के लिए किसानों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के साथ ही उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन भी देने को कहा है। कृषि उत्पादन आयुक्त ने इसके लिए किसानों को आवश्यकता अनुसार उन्नत किस्मों के बीजों की उपलब्धता एवं अन्य आवश्यक आदान सामग्री की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

अलग-अलग गांवों का होगा चयन

संचालक कृषि ने अधिकारियों को जिले के समस्त विकासखंडों में पृथक-पृथक योजनाओं के अंतर्गत अलग-अलग गांव का चयन करने तथा बीज उत्पादन कार्यक्रम को क्रियान्वित करने को कहा है। जिले के अधिकारियों को गांव और कृषकों का चयन करने तथा इसकी जानकारी संचालनालय को भिजवाने के निर्देश दिए गए है।

समयबद्ध कार्ययोजना बनाने को भी कहा

उन्होंने इस अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए समयबद्ध कार्य-योजना तैयार करने और मैदानी अमलों के माध्यम से इसका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने को कहा है। अंती बीज संवर्धन योजना ,दलहन बीज उत्पाद प्रोत्साहन योजना तथा खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन) योजना अंतर्गत भी दलहनी- तिलहनी फसलों के बीज उत्पादन कार्यक्रम को यथासंभव मेड़ों पर लेने की निर्देश दिए गए है।

10 जिलों के गांव-गौठानों में प्राथमिकता से शुरू करें कार्यक्रम : संचालक

संचालक कृषि ने सभी जिलों के उप संचालक कृषि को मेड़ों पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों के उत्पादन के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए है। उन्होंने इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन 10 चयनित जिलों के सभी ग्रामों एवं गौठानों में प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने को कहा है। इस अभियान के संचालन में किसान संगवारियों, स्व-सहायता समूहों तथा गौठान प्रबंधन समितियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाय। राज्य के शेष 18 जिलों में भी दलहनी एवं तिलहनी फसलों और साग-सब्जी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाए। संचालक कृषि ने कहा उन्नत तकनीक एवं बेहतर प्रबंधन से पुरानी मेड़ों पर भी दलहनी-तिलहनी फसलों की खेती की जा सकती है। उन्होंने इसके लिए अधिकारियों को कृषि विज्ञान केन्द्रों से समन्वय स्थापित कर अनुकूल किस्म की फसलों का चयन तथा विभाग द्वारा पूर्व में प्रदाय दलहन-तिलहन बीज मिनिकिट द्वारा उत्पादित बीजों का उपयोग भी मेड़ों पर फसल लगाने के लिए किया जाए।

डेढ़ माह बाद आज से खुलेगा रायपुर का पंडरी कपड़ा मार्केट

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य के सबसे बड़े कपड़ा बाजार महालक्ष्मी कपड़ा मार्केट-पंडरी के व्यापारी प्रतिष्ठानें (कपड़ा दुकानों) में डेढ़ माह से पड़े ताले कल सोमवार सुबह से खुल जाएंगे।

सूत्रों ने बताया कि जिला प्रशासन से इसके लिए संभवतः अनुमति भी मिल गई है। लेकिन यह अनुमति सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक के लिए मान्य होगी। बताया जाता है कि महालक्ष्मी कपड़ा मार्केट पंडरी के अनुसार आईजी वीपी मार्केट, टेक्सटाइल्स मार्केट, न्यू क्लॉथ मार्केट और जय हिन्द मार्केट को भी खोले जाने की अनुमति मिली है। बताया जाता है कि महालक्ष्मी कपड़ा मार्केट पंडरी राज्य का सबसे बड़ा कपड़ा बाजार है। इस बाजार से पूरे प्रदेश में तथा अन्य राज्यों में भी रेडिमेड कपड़ों और कपड़ों की अन्य वैराटियों का निर्यात होता है। डेढ़ माह के लंबे लॉकडाउन के चलते यहां का व्यापार-व्यवसाय पूरी तरह से ठप पड़ा था। इससे व्यापारियों को रोजाना लाखों रूपए का नुकसान उठाना पड़ रहा थाा। व्यापारियों के लगातार मांग पर विचार करते हुए अब लॉकडाउन के डेढ़ माह बाद मार्केट को खोले जाने की अनुमति मिलने की सूचना आ रही है। बताया जाता है कि यह अनुमति सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक मान्य होगी और इसके बाद व्यापारियों को अपनी-अपनी दुकानें फिर से बंद करनी होगी।

शासकीय कार्यालयों का राजनीतिक उपयोग: विक्रम उसेंडी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम उसेंडी ने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाया है कि शह देकर उसने प्रदेश के शासकीय कार्यालयों का इस्तेमाल कांग्रेस के राजनीतिक कार्यक्रमों के लिए करने की छूट दे रखी है। श्री उसेंडी ने इसे प्रशासनिक आचार संहिता का खुला उल्लंघन बताते हुए धमतरी के जिला कार्यालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल और स्वागत कक्ष के राजनीतिक इस्तेमाल के लिए जिले के प्रभारी मंत्री कवासी लखमा पर कार्रवाई की मांग की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री उसेंडी ने कहा कि इस बैठक में शासकीय अधिकारियों के साथ-साथ प्रभारी मंत्री लखमा ने कांग्रेस नेताओं के साथ भी मीटिंग की। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष, पूर्व जिला अध्यक्ष और पूर्व विधायक आदि ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर बात की। श्री उसेंडी ने सवाल किया कि क्या जिला कलेक्ट्रेट कांग्रेस के कार्यालय में तब्दील हो गया है?

लॉकडाउन का सख्ती से पालन, शहर की सड़कें रहीं सूनी

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य में दो दिन के पूर्ण लॉकडाउन के आज दूसरे दिन भी पुलिस की सख्ती बरकरार रही। राजधानी की सड़कें कल की तरह आज भी पूरी तरह से सूनी रहीं। प्रमुख चौक-चौराहों में पुलिस की तैनाती से बेवजह से घूमने वालों पर लगाम कसा और रविवार होने के बाद भी लोग अपने घरों में ही रहे। इससे कोरोना संक्रमण की चैन तोड़ने में काफी हद तक सफलता मिल रही है। यही वजह है कि राज्य में अब कोरोना का कोई नया मरीज सामने नहीं आ रहा है। पूर्ण लॉकडाउन का पालन कराने के लिए पुलिस द्वारा प्रत्येक चौक-चौराहों पर बेरिकेटिंग कर वाहन चालकों की जांच-पड़ताल की जा रही है, इससे बेवजह बाहर निकलने वालों पर लगाम कस गया है। राज्य सरकार द्वारा कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिए लगातार उपाए किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के मंशानुरूप पूरे राज्य में अब इस माह के प्रत्येक शनिवार और रविवार को पूर्ण लॉकडाउन रहेगा। इसके पीछे तर्क यह दिया गया है कि शनिवार और रविवार को ही अवकाश होने के कारण लोग सबसे ज्यादा बाहर निकलते हैं। इससे कोरोना संक्रमण को बढ़ने का मौका मिल सकता है, यही वजह है कि शनिवार और रविवार को अब राज्य में पूर्ण लॉकडाउन लगाया जा रहा है। इसका असर भी आज देखने को मिला। शनिवार की अपेक्षा आज रविवार को शहर की सड़कें सूनी दिखी। प्रत्येक चौक-चौराहे पर पुलिस की सख्त पहरेदारी से केवल आवश्यक कार्य के लिए निकलने वाले एक्का-दुक्का लोगों की आवाजाही ही सड़कों पर दिखी।

राज्य के भीतर कुछ और आर्थिक गतिविधियां जल्द होगी शुरू

■ प्रशासनिक सूत्रों का दावा, राज्य सरकार जल्द लेगी निर्णय

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार कुछ और कारोबार को लॉकडाउन में छूट दिए जाने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। इस बात का संकेत भी मिलने लगा है कि आज-कल में ही इस पर निर्णय हो जाएगा।

प्रशासनिक सूत्रों की माने तो लॉकडाउन की लंबी अवधि में राज्य की आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह से प्रभावित हुई है। देश में लॉकडाउन का तीसरा चरण चल रहा है, इससे छत्तीसगढ़ राज्य भी अछूता नहीं है। यहां भी लॉकडाउन के चलते तमाम उद्योग, धंधे और व्यापारिक प्रतिष्ठानें बंद हैं। लॉकडाउन के बीते दो चरणों में सभी तरह की आर्थिक गतिविधियों पर पूरी तरह से रोक लगा रहा, जिसके चलते राज्य सरकार के राजस्व बुरी तरह से प्रभावित हुआ। यही नहीं लॉकडाउन की अवधि में राहत एवं बचाव कार्यों में तथा अन्य राहत के कार्यों में राज्य सरकार के खर्चें भी बढ़ गए। आवक नहीं होने तथा खर्चें में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए अब राज्य सरकार कुछ और आर्थिक गतिविधियों पर छूट दे सकता है। केन्द्र सरकार को भी यह पता है कि बिना राजस्व के राज्य सरकारों की स्थिति खराब हो रही है। केन्द्र सरकार ने कुछ आर्थिक गतिविधियों को संचालित करने की अनुमति दी है, लेकिन इसमें समय की बाध्यता भी जोड़ दी गई है। इससे यह नहीं माना जा सकता है कि केन्द्र सरकार ने आर्थिक गतिविधियों को खुली छूट दे दी है। दूसरी ओर राज्य सरकार भी भलीभांति जानती है कि बिना आर्थिक गतिविधियां शुरू किए आगे राज्य को चलाना मुश्किल हो जाएगा। यही वजह है कि केन्द्र के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अब राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश के भीतर कुछ और आर्थिक गतिविधियों को शुरू करने का निर्देश जारी कर सकती है।

जेल विभाग की समीक्षा बैठक में गृहमंत्री ने दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने जेल विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को कोरोना संक्रमण के चलते विशेष सावधानी बरतने, नए बंदियों की पूर्ण जांच-पड़ताल के बाद पृथक बैरकों में रखने का निर्देश दिया।

अपने शासकीय निवास में जेल विभाग की समीक्षा बैठक लेते हुए गृहमंत्री श्री साहू ने विभाग के कामकाजों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जेल परिसर में साफ-सफाई, सेनेटाईजेशन, सामाजिक दूरी का पूर्णतः पालन करने व कराने का निर्देश जेल महानिदेशक को दिया। गृहमंत्री श्री साहू ने जेल में निरुद्ध बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण कराए जाने व

चिकित्सा सुविधा बढ़ाने पर भी जोर दिया। इस दौरान उन्होंने बजट में प्रावधानित नवीन मदों के कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त करने और निर्माण कार्य अतिशीघ्र प्रारंभ करने काभी निर्देश दिया। उन्होंने जेलों में व्यवसायिक कार्यों को बढ़ावा देकर, बंदियों के आय स्त्रोत को बढ़ाने का भी सुझाव दिया। बैठक में बताया गया कि रायपुर में 600 बंदियों की क्षमता के अनुसार नए बैरक का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। इसके अलावा दुर्ग एवं बिलासपुर में भी 1000 बंदियों की क्षमता वाले बैरकों का निर्माण कार्य चल रहा है और यह जल्द पूर्ण हो जाएगा। इससे राज्य में बंदियों की क्षमता 12 हजार से बढ़कर 13600 हो जाएगी। बैठक में अतिरिक्त महानिदेशक जेल संजय पिल्ले सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

वनोपज संग्रहण | अब तक पौने दो लाख संग्राहकों द्वारा 94 हजार क्विंटल वनोपजों का संग्रहण

वनवासियों को रोजगार के साथ आय का मिल रहा भरपूर लाभ

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि लघु वनोपजों का संग्रहण वनवासी ग्रामीणों के लिए रोजगार के साथ-साथ आय सृजन के लिए महत्वपूर्ण जरिया बना हुआ है। इसके तहत राज्य में चालू सीजन के दौरान अब तक एक लाख 66 हजार संग्राहकों द्वारा 27 करोड़ 43 लाख रूपये की राशि के 93 हजार 677 क्विंटल वनोपजों का संग्रहण किया जा चुका है।

छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ से प्राप्त जानकारी के अनुसार इनमें अपने लक्ष्य के अनुरूप संग्रहण में 25 प्रतिशत से अधिक प्रगति हासिल करने वाले वनमंडलों में नारायणपुर, दंतेवाड़ा तथा बालोद वनमंडल शामिल है। इसके अलावा वर्तमान में वनोपजों के संग्रहण में धीमी प्रगति वाले वनमंडलों में तीन सरगुजा, जशपुर और महासमुंद वन मंडल शामिल है। इनके द्वारा अब तक अपने लक्ष्य का दो प्रतिशत तक वनोपजों का संग्रहण नहीं हो पाया है। वन मंत्री अकबर द्वारा धीमी प्रगति वाले सभी तीन वनमंडल के वनमंडलाधिकारियों को अपेक्षित प्रगति लाने के लिए सख्त निर्देश दिए गए है। इनमें अब तक वनमंडलवार नारायणपुर में तीन

करोड़ 51 लाख रूपये की राशि के 11 हजार 508 क्विंटल, दंतेवाड़ा में तीन करोड़ 42 लाख रूपये के 11 हजार 098 क्विंटल तथा बालोद में 29 लाख रूपये की राशि के एक हजार 336 क्विंटल वनोपजों का संग्रहण हुआ है। इसी तरह केशकाल में दो करोड़ 4 लाख के 6 हजार 919 क्विंटल, दक्षिण कोण्डागांव में तीन करोड़ 55 लाख के 11 हजार 795 क्विंटल, पश्चिम भानुप्रतापपुर में 69 लाख रूपए के दो हजार 629 क्विंटल, पूर्व भानुप्रतापपुर में एक करोड़ 8 लाख रूपए के 3 हजार 860 क्विंटल और जगदलपुर में 3 करोड़ 88 लाख रूपए के 10 हजार 262 क्विंटल वनोपजों का संग्रहण किया गया है।

वनमंडलवार सुकमा में एक करोड़ 70 लाख रूपए की राशि के 5 हजार 653 क्विंटल, कोरबा में 89 लाख रूपए की राशि के 3 हजार 273 क्विंटल, कांकेर में 60 लाख रूपए की राशि के 2 हजार 737 क्विंटल, धमतरी में 51 लाख रूपए की राशि के एक हजार 625 क्विंटल, बीजापुर में एक करोड़ 10 लाख रूपए की राशि के 4 हजार 136 क्विंटल तथा खैरागढ़ में 38 लाख रूपए की राशि के एक हजार 400 क्विंटल वनोपजों का संग्रहण हो चुका है। इसी तरह रायगढ़ में 47 लाख रूपए की राशि के 2 हजार 153 क्विंटल, बिलासपुर में 19 लाख रूपए की राशि के 755 क्विंटल, कवर्धा में 22 लाख रूपए की राशि के 658 क्विंटल, गरियाबंद में 35 लाख रूपए की राशि के एक हजार 313 क्विंटल, राजनांदगांव में 12 लाख रूपए की राशि के 466 क्विंटल, कटघोरा में 33 लाख रूपए की राशि के एक हजार 284 क्विंटल, बलौदाबाजार में 14 लाख रूपए की राशि के 701 क्विंटल, मरवाही में 16 लाख रूपए की राशि के 766 क्विंटल, सूरजपुर में 30 लाख रूपए की राशि के एक हजार 245 क्विंटल, कोरिया में 25 लाख रूपए की राशि के एक हजार 073 क्विंटल, सरगुजा में 10 लाख के 529 क्विंटल, धरमजयगढ़ में 40 लाख रूपए की राशि के एक हजार 458 क्विंटल, बलरामपुर में 30 लाख रूपए की राशि के एक हजार 153 क्विंटल, जशपुर में 17 लाख रूपए की राशि के 705 क्विंटल, मनेन्द्रगढ़ में 23 लाख रूपए की राशि के 861 क्विंटल और महासमुंद वनमंडल में 4 लाख रूपए की राशि के 224 क्विंटल वनोपजों का संग्रहण हो चुका है।

अन्य राज्यों में फंसे श्रमिकों को निकालने चलेगी 11 ट्रेनें

■ चरणबद्ध तरीके से चलाई जाएंगी ट्रेनें

■ श्रमिकों, छात्रों, संकट में पड़े और चिकित्सा की आश्यकता वाले लोगों को मिलेगी प्राथमिकता

■ ट्रेन में आने के लिए सभी को ऑनलाइन करना होगा रजिस्ट्रेशन

■ राज्य सरकार ने ऑनलाइन का लिंक किया जारी

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल और निर्देशन पर लॉकडाउन के कारण अन्य राज्यों में फंसे छत्तीसगढ़ के श्रमिकों, छात्रों, संकट में पड़े लोगों और चिकित्सा की आवश्यकता वाले व्यक्तियों की छत्तीसगढ़ वापसी के लिये छत्तीसगढ़ सरकार ने अब तक कुल 11 स्पेशल ट्रेनों चलाने की योजना है । राज्य सरकार ने कहा कि इसके साथ ही चरणबद्ध तरीके से ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। ट्रेनों में आने के लिए इन लोगों को राज्य सरकार द्वारा जारी लिंक में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य होगा।

छत्तीसगढ़ सरकार ने इस का लिंक जारी कर दिया है। इन ट्रेनों में अन्य राज्यों में फंसे में छत्तीसगढ़ के श्रमिकों, छात्रों, संकट में पड़े लोगों और चिकित्सा की आवश्यकता वाले व्यक्तियों को ही सफर की अनुमति होगी। राज्य सरकार द्वारा कहा गया है कि जो जहाँ पर हैं, वहां स्थानीय प्रशासन के संपर्क में रहें। जिन्होंने घर वापसी के लिये ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नही कराया है वो शीघ्र अपना रजिस्ट्रेशन कराएं। जैसे-जैसे रेलवे और संबंधित राज्यों से अनुमति मिलते जायेगी, ट्रेनों का चरणबद्ध तरीके से संचालन किया जाएगा। जहां ज्यादा लोग हैं वहां अनुमति पश्चात कई ट्रेनें भी ट्रेन चलाई जाएगी। छत्तीसगढ़ सरकार ने जिन 11 ट्रेनों को चरणबद्ध किया है उनमें पठानकोट पंजाब से चांपा, साबरमती अहमदाबाद से बिलासपुर के लिए दो ट्रेन, विजयवाड़ा आन्ध्रप्रदेश से बिलासपुर, लखनऊ उत्तरप्रदेश से रायपुर के लिए तीन ट्रेन, लखनऊ से भाटापारा के लिए दो ट्रेन, मुजफ्फरपुर बिहार से रायपुर और दिल्ली से बिलासपुर के लिए ट्रेनों को सम्भावित किया गया है। इसके अलावा 24 घंटे संचालित हेल्पलाइन नम्बर 0771-2443809, 91098-49992, 75878-21800, 75878-22800, 96858-50444, 91092-83986 तथा 88277-73986 पर संपर्क किया जा सकता है।

संपादकीय

पीओके पर लहराएगा तिरंगा

अब वह दिन दूर नहीं जब पाक अधिकृत कश्मीर पर भारतीय तिरंगा पूरे आन-बान और शान से लहराएगा। भारत ने पाकिस्तान को दो टूक शब्दों में चेतावनी दे दी है कि वह पाक अधिकृत कश्मीर से अपने बेजा कब्जा हटा ले। यहीं नहीं बल्कि भारत के मौसम विभाग ने पीओके के मौसम का हाल बताना भी शुरू कर दिया है। इससे पाकिस्तान को मिर्ची लगी है। पाकिस्तान ने इसे भारत की अवैधानिक कार्यवाही बताते हुए संयुक्त राष्ट्र में यह मुद्दा उठाने की गिदड़ भभकी दी है। वहीं दूसरी ओर भारत ने साफ कर दिया है कि पीओके भी भारत का अभिन्न हिस्सा है और अब समय आ गया कि पीओके भारत में शामिल कर लिया जाए। गौरतलब है कि पीओके में भी लोगों ने पाकिस्तान के खिलाफ बगावत का झंडा उठा लिया है और वे भारत में विलय की मांग कर रहे हैं। पीओके में पाकिस्तानी सेना लोगों को बंदूक की नोक पर डरा धमका रही है। लेकिन पीओके में लगातार आंदोलन चल रहा है। बाटलीस्तान, गिलगित में भी बगावत की आंधी उठ रही है। यह सही मौका है। जब भारत पीओके पर अपना कब्जा करने की कोशिशें तेज कर दे। वैसे भी पाकिस्तान ने पीओके में आतंकी प्रशिक्षण शिविर आबाद कर रहे है जहां सैकड़ों की संख्या में आतंकवादियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और उनकी भारत में घुसपैठ कराने की कोशिश की जा रही है। अपने इस नापाक मनसूबे को पूरा करने के लिए ही पाकिस्तान लगातार सीज फायर का उल्लंघन कर भारतीय सेना की ध्यान बटाने की कोशिश कर रहा है। किन्तु भारतीय सेना की सजगता के चलते उसकी कोई चाल कामयब नहीं हो पा रही है। कश्मीर घाटी में जो आतंकवादी पाकिस्तान के इशारे पर दहशत फैलाने की कोशिश करते रहे हैं। उन्हें भी भारतीय सेना एक के बाद एक जहन्नुम रसिद कर रही है। कश्मीर की अलगावादी ताकतें भी कमजोर पड़ गई है। निश्चित रूप से यह भारत के लिए सुनहरा अवसर है जब वह पाकिस्तान को सबक सिखाए और पीओके पर तिरंगा लहराए। पाकिस्तान के हुकमरान भी यह मान रहे है कि भारत की मौजूदा सरकार पीओके को वापस लेने के लिए गंभीर है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान भी भारत के इस रूख को देख कर परेशान हो गए है। उन्हें भी अब यह साफ नजर आने लगा है अब पीओके पाकिस्तान के कब्जे से मुक्त हो जाएगा और भारत के कब्जें में चला जाएगा। भारत ने अखण्ड कश्मीर के सपने को साकार करने का संकल्प ले लिया है और भारतीय सेना भी इसके लिए पूरी तरह से तैयार है। सिर्फ सरकार के इशारे का भारतीय सेना को इंतजार है। अब पाकिस्तान चाहे इस मुद्दे को लेकर संयुक्त राष्ट्र में जाए या अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का दरवाजा खटखटाए उसे कहीं से भी कोई राहत नहीं मिल पाएगी। भारत का लगभग सारी दुनिया इस मामले में समर्थन करेगी। सिर्फ चीन ही इसका विरोध करेगा लेकिन इस समय चीन भी पूरी दुनिया के निशाने पर आ गया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्द ही पीओके में भारतीय तिरंगा लहराता नजर आएगा।

मजदूर हमारे राष्ट्र निर्माता हैं

उनके साथ किया जा रहा व्यवहार देश के लिए घातक है

सी श्रीकुमार

केरल में, इन श्रमिकों को अतिथि कार्यकर्ता कहा जाता है। लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार के तहत केरल राज्य ने उन्हें इस तरह के कोविद -19 लॉकडाउन अवधि में, उन्हें आश्रय और निर्बाध भोजन प्रदान करके बहुत देखभाल की है। लेकिन दूसरे राज्यों में उनके साथ कैसा व्यवहार किया जाता है, अचानक वे अछूत हो जाते हैं। यह इन प्रवासी श्रमिक हैं, जो राजमिस्त्री, बढ़ई, टाइल श्रमिक, चित्रकार, प्लंबर, चालक, डिलीवरी बॉय, कृषि कर्मचारी, कृषि कार्यकर्ता, स्वच्छता कार्यकर्ता हैं और क्या नहीं, लेकिन वे एक अपरिचित के रूप में बने रहे।

विभिन्न राज्यों में फंसे प्रवासी श्रमिक अब अपने गृह शहरों में जाने लगे हैं। घर लौटते समय ऐसे एक प्रवासी श्रमिक ने बताया कि वह खाली हाथ है। मुझे अपनी पांच साल की बेटी के लिए एक गुड़िया खरीदने के लिए भी पैसे नहीं हैं, मेरे बेटे और पत्नी के लिए भी और मेरे माता-पिता के लिए भी जो उत्सुकता से मेरा इंतजार कर रहे हैं। यह सभी प्रवासी श्रमिकों की कहानी है गुजरात के सूरत शहर में लगभग 15 लाख प्रवासी मजदूर हैं जो सिर्फ कपड़ा मिलों में काम करते हैं।

सरकार ने बेशर्मी से टिकट का किराया, सुपरफास्ट चार्ज, भोजन और पानी का खर्च उनसे ले लिया। बहुत विरोध के बाद, केंद्र सरकार ने यह जिम्मेदारी उन राज्य सरकारों को हस्तांतरित कर दी जो पहले से ही कर्ज में हैं। जले पर नमक डालते हुए नवसारी सांसद सीआर पटेल ने भाजपा का पार्टी झंडा लहराकर प्रवासियों को घर ले जाने वाली ट्रेन को रवाना किया। यह अभूतपूर्व महामारी के दौरान भी गंदी राजनीति नहीं तो क्या है? बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक निर्माण उद्योग, खेती, कृषि और एमएसएमई में लगे हुए थे। तालाबंदी के बाद वे सभी बेरोजगार हो गए हैं। इनकी संख्या 11 करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। उद्योगों के मालिक चिंतित हैं कि लॉकडाउन हटा दिए जाने के बाद, वे उद्योग को चलाने में सक्षम नहीं होंगे, भले ही वे प्रशिक्षित श्रम बल के बिना ऐसा करना चाहते हों। वे सभी या तो शिविरों में हैं या जीवन का सबसे खराब अनुभव के साथ अपने गांवों में वापस चले गए। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वे नौकरी के लिए वापस आएंगे।

लॉकडाउन की अवधि के दौरान, कई श्रमिकों की मृत्यु हो गई, कई लोगों ने आत्महत्या की, कई पर लाठीचार्ज किया गया, स्वच्छता के नाम पर खतरनाक रसायनों का छिड़काव किया गया। उन्हें अपने गाँवों में प्रवेश से वंचित कर दिया गया। ये प्रवासी श्रमिक सामाजिक और आर्थिक रूप से दलित समुदायों से संबंधित हैं और उन्होंने अपने गाँवों में काम का पता लगाने और उन अत्याचारों से बचने के लिए अपने गाँवों को छोड़ दिया।

देश का आर्थिक स्वास्थ्य काफी खराब है, और प्रवासी श्रमिकों को किसी और के द्वारा प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है। ये वे हैं जिन्होंने सभी विशाल टावर, शॉपिंग मॉल, आवासीय कॉलोनियां, पांच सितारा होटल, राजमार्ग, मेट्रो रेलवे, फ्लाईओवर, बहुराष्ट्रीय औद्योगिक परिसर बनाए हैं। यह उनका श्रम है जो सभी प्रकार के उद्योगों और उद्यमों में उत्पादित अधिकांश उत्पादों के पीछे है। क्या हम प्रवासी श्रमिकों के बिना भारत की कल्पना कर सकते हैं, क्या वे हमारे राष्ट्र निर्माण का हिस्सा नहीं हैं? हमारे कॉरपोरेट्स को हमारे देश के धन निर्माता के रूप में संबोधित कर पीएम बहुत खुश और गर्व महसूस कर रहे थे। सही मायने में, धन निर्माता कौन हैं? क्या यह हमारे देश के मजदूर नहीं हैं? और प्रवासी श्रमिक इसका एक प्रमुख हिस्सा हैं।

केरल में, इन श्रमिकों को अतिथि कार्यकर्ता कहा जाता है। लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार के तहत केरल राज्य ने उन्हें इस तरह के कोविद -19 लॉकडाउन अवधि में, उन्हें आश्रय और निर्बाध भोजन प्रदान करके बहुत देखभाल की है। लेकिन दूसरे राज्यों में उनके साथ कैसा व्यवहार किया जाता है, अचानक वे अछूत हो जाते हैं। यह इन प्रवासी श्रमिक हैं, जो राजमिस्त्री, बढ़ई, टाइल श्रमिक, चित्रकार, प्लंबर, चालक, डिलीवरी बॉय, कृषि कर्मचारी, कृषि कार्यकर्ता, स्वच्छता कार्यकर्ता हैं और क्या नहीं, लेकिन वे एक अपरिचित के रूप में बने रहे।

उनमें से अधिकांश दूसरी पीढ़ी के हैं और उनके पास रहने के लिए खुद का एक कमरा नहीं है। वे आधुनिक शहरों और शहरों का निर्माण करते हैं और वे मलिन बस्तियों, सड़कों और प्लेटफार्मों में या बिना किसी स्वच्छता के, कार्य स्थल में अस्थायी टिन-छत वाले शेड में रहते हैं। उनके पास कोई पहचान नहीं है, न उनके पास वोट हैं और इसलिए चुनाव प्रक्रिया में भाग नहीं लेते हैं। कई लोग अकेले रहते हैं और उनके परिवार गाँव में हैं और उनके लिए मोबाइल फोन ही एकमात्र कनेक्टिविटी है।

वे गिग वर्कर्स, ऑन-कॉल वर्कर्स, अस्थाई वर्कर्स, ऑन-डिमांड वर्कर्स आदि हैं। वे हमेशा उपेक्षित रहे। केवल वामपंथी ट्रेड यूनियन अपनी आवाज उठाते हैं और उनके लिए लड़ते हैं। इन प्रवासी श्रमिकों के योगदान के बिना भारत एक देश के रूप में विकसित नहीं हो सकता है। इसलिए कोविद -19 कड़वा अनुभव देश को उनकी जरूरतों को समझना सिखाता है। यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, मनोवैज्ञानिक और अन्य आवश्यकताएं हो सकती हैं जिन्हें सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त होनी चाहिए। वे सभी समाज से उनके उचित हिस्से के हकदार हैं

यदि उद्योग चाहते हैं कि प्रवासी श्रमिक विश्वास के साथ वापस आएं, तो उन्हें उचित आवास, पहचान पत्र, अस्थायी राशन कार्ड प्रदान किए जाएं, उनके कौशल के अनुसार न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित की जाए, ओवरटाइम मजदूरी, यात्रा भत्ता उनके घर शहर में जाए और वापस आएं। यूनिवर्सल सोशल सिक्योरिटी सिस्टम उन्हें सुरक्षा, सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित कर सकता है। चिकित्सा सुविधाएं, सभी श्रम कानूनों की प्रयोज्यता, शिकायत निवारण तंत्र उनके लिए आवश्यक है। भारत सरकार को ट्रेड यूनियनों के साथ बैठकर ऐसी उपयुक्त योजनाओं को तैयार करना चाहिए ताकि प्रवासी श्रमिक आधुनिक भारत के निर्माण में रचनात्मक भूमिका निभाते रहें। **(संवाद)**

विचार

प्रवासी मजदूरों और तबलीगियों की वापसी

कर्नाटक की सरकार ने अपना फैसला बदलकर ठीक किया। पहले उसने उत्तर भारत के मजदूरों की घर-वापसी के लिए जो रेलगाड़ियां तैयार थीं, उन्हें अचानक रद्द कर दिया था लेकिन सर्वत्र होनेवाली आलोचना ने उसे मजबूर कर दिया कि वह अपने इस फैसले को रद्द करे। यदि इन मजदूरों को 40-45 दिन पहले ही घर-वापसी की छूट मिल जाती तो अभी तक ये काम पर वापस लौट आते लेकिन कारखानेदारों और भवन-निर्माताओं के अभी छक्के छूटे हुए हैं। ये मजदूर यदि अपने घर चले गए तो उद्योग-धंधे का चलना कैसे शुरु होगा ? लेकिन अभी जो आंकड़े सामने आए हैं, उनसे तो यह चिंता दूर हो सकती है। पता चला है कि बेंगलूरु में बाहर के 15 लाख मजदूर हैं लेकिन उनमें से सिर्फ एक लाख लोगों ने घर लौटने की अर्जी दी है। इसी

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

तरह गुजरात के सूरत में 35 लाख मजदूरों में से सिर्फ 2 लाख लोगों ने घर-वापसी की इच्छा प्रकट की है। मैं सोचता हूं कि जो भी मजदूर लौटना चाहते हैं, उन्हें अभी लौटने दिया जाए और उनके लिए इतने आकर्षक वेतन और सुविधाओं की व्यवस्था की जाए कि वे स्वतः काम पर लौट आएं। इस लक्ष्य की पूर्ति सरकारों के सक्रिय सहयोग के बिना नहीं हो सकती। मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस संबंध में कुछ ठोस पहल की है। दूसरे प्रदेशों के मुख्यमंत्री भी उस पर गौर कर सकते हैं। प्रवासी मजदूरों की तरह तबलीगी जमात के 3 हजार बंदे भी पिछले एक माह से दिल्ली में फंसे हुए हैं। कोरोना को फैलाने में इस जमात के गैर-जिम्मेदाराना बर्ताव और सरकार की लापरवाही की आलोचना मैं काफी कड़े शब्दों में कर चुका हूं कि लेकिन इन तीन हजार लोगों को 14 दिन की नज़रबंदी (क्वारंटाइन) के बाद अब घर जाने की इजाजत मिलनी चाहिए थी। यह ठीक है कि 3 मई तक कर्फ्यू-जैसा लगा हुआ था। लेकिन अब क्या है ? अब भी उन्हें जाने क्यों नहीं दिया जा रहा है ? मेरी राय तो यह है कि जो विदेशी तबलीगी भी फंसे हुए हैं, उन पर सरकार अपना माथा क्यों पचा रही है ? उन्हें जेल में बिठाकर खिलाने-पिलाने से बेहतर है कि उन्हें अपने देश जाने दिया जाए। तबलीगियों का कोरोना ने भांडाफोड़ कर दिया है। उनकी सख्त जांच जारी है। यदि मजहब के नाम पर वे हमारे मुसलमानों को गुमराह कर रहे हों तो उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस कार्रवाई से अपने मुस्लिम मित्र-राष्ट्रों को भली-भांति अवगत करवाया जाना चाहिए।

महाराष्ट्र में संकट टला लेकिन सवाल अब भी शेष हैं!

अनिल जैन

राज्य मंत्रिमंडल ने संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक अपनी सिफारिश दोबारा राज्यपाल को भेजी, जिसे स्वीकार करना राज्यपाल के लिए संवैधानिक बाध्यता थी। लेकिन राज्यपाल ने कोई फैसला न लेते हुए मामले को लटकाए रखा। कहने की आवश्यकता नहीं कि राज्यपाल इस मामले में ठीक उसी तरह शदिल्लीश् के आदेश पर काम कर रहे थे जैसे पिछले साल अक्टूबर में विधानसभा चुनाव के बाद सरकार बनने को लेकर पैदा हुए गतिरोध के दौरान वे कर रहे थे। उस समय उन्होंने पहले तो राज्य में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश की थी और फिर एक महीने बाद अचानक आनन-फानन में आधी रात को राष्ट्रपति शासन हटाने की सिफारिश कर देवेंद्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री तथा अजीत पवार को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी थी।

महाराष्ट्र में राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के रवैये से जो राजनीतिक संकट खडा होता दिख रहा था, वह अब टल गया है। अब वहां मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को विधान मंडल का सदस्य बनने के लिए मनोनयन के जरिए विधान परिषद में जाने की जरुरत नहीं पडेगी। चुनाव आयोग ने अब वहां राज्य विधान परिषद की नौ रिक्त सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव 21 मई को कराने का एलान कर दिया है। इन चुनावों के जरिए मुख्यमंत्री ठाकरे के विधान परिषद का सदस्य बनने का रास्ता साफहो गया है। अब वे इस उच्च सदन के लिए निर्वाचित होकर छह महीने की निर्धारित समय सीमा में विधान मंडल का सदस्य बनने की संवैधानिक शर्त पूरी कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ठाकरे के विधान परिषद का सदस्य बनने का रास्ता साफ होने के साथ ही पिछले करीब एक महीने से राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच चल रहा टकराव खत्म हो गया है। मगर इस ताजा राजनीतिक घटनाक्रम से एक बार फिर साबित हुआ कि हमारे राज्यपालों की नश्वर काया भले ही राजभवनों में विराजती हो मगर उनका विवेक दिल्ली में रहता है जिसे उन्हें राज्यपाल के ओहदे पर नियुक्त होते ही दिल्ली में अपनी नियुक्ति का फैसला करने वाले के पास जमा कराना पडता है।

राज्यपाल जैसी ही स्थिति चुनाव आयोग की भी है। कहने को तो चुनाव आयोग अब भी एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है, लेकिन उसका आचरण आम तौर पर कभी भी स्वायत्त नहीं रहा, सिर्फ 1990 के दशक और इस सदी के शुरुआती कुछ वर्षों को छोडकर। 1990 में टीएन शेषन के मुख्य चुनाव आयुक्त बनने के बाद ही पहली बार देश को भी और राजनीतिक दलों को भी मालूम हुआ था कि चुनाव आयोग किसे कहते हैं और वह क्या-क्या काम कर सकता है। शेषन ने अपने छह साल के कार्यकाल के दौरान कई जरुरी चुनाव सुधार लागू किए थे और चुनाव प्रणाली को अधिकतम पारदर्शी बनाया था। उनके बाद सिर्फ जेएम लिंगदोह ही ऐसे मुख्य चुनाव आयुक्त रहे, जिन्होंने उनकी बनाई हुई लीक पर चलते हुए अपना दायित्व निभाया। शेषन और लिंगदोह के बाद चुनाव आयोग की चमक फिर धुंधली पडती गई और पिछले पांच वर्षों के दौरान तो इस संवैधानिक संस्था ने पूरी निर्लज्जता के साथ सरकारपरस्ती के नित-नए श्कीर्तिमान' रचे हैं। इस सिलसिले में महाराष्ट्र का राजनीतिक घटनाक्रम ताजा मिसाल है। महाराष्ट्र का पूरा मामला यह है कि उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री का पद संभाले छह महीने पूरे होने वाले हैं, लेकिन वे अभी तक राज्य विधानमंडल के सदस्य नहीं बन पाए हैं। महाराष्ट्र में दो सदनों वाला विधानमंडल है- विधानसभा और विधान परिषद। मुख्यमंत्री या मंत्री बनने के लिए इन दोनों में से किसी एक सदन का सदस्य होना अनिवार्य है। उद्धव ठाकरे अभी न तो विधायक हैं और न ही विधान पार्षद (एमएलसी)। उद्धव ठाकरे ने विधानमंडल के किसी भी सदन का सदस्य निर्वाचित हुए बगैर ही 28 नवंबर 2019 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। संविधान की धारा 164 (4) के अनुसार उन्हें अपने शपथ ग्रहण के छह महीने के अंदर यानी 28 मई से पहले अनिवार्य रूप से राज्य के किसी भी सदन का सदस्य निर्वाचित होना है। विधानसभा का सदस्य बनने के लिए ठाकरे को किसी विधायक से इस्तीफा दिलवाकर सीट खाली कराना पडती, लेकिन ठाकरे ने ऐसा न करते हुए विधान परिषद के जरिए विधान मंडल का सदस्य बनना तय किया। इस सिलसिले में वे 24 अप्रैल को विधानसभा कोटे की रिक्त हुई विधान परिषद की नौ सीटों के लिए होने वाले द्विवार्षिक चुनाव का इंतजार कर रहे थे। लेकिन कोरोना महामारी के चलते लागू लॉकडाउन का हवाला देकर चुनाव आयोग ने न सिर्फइन चुनावों को बल्कि देश भर में होने वाले राज्यसभा और विधान परिषद के चुनावों को टाल दिया था। ऐसी स्थिति में ठाकरे के सामने एकमात्र विकल्प यही था कि वे 28 मई से पहले राज्यपाल के मनोनयन कोटे से विधान परिषद का सदस्य बन जाए।

विधान परिषद में मनोनयन कोटे की दो सीटें रिक्त थीं। राज्य मंत्रिमंडल ने पिछले महीने राज्यपाल से इन दो में से एक सीट पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को मनोनीत किए जाने की सिफारिश की थी। चूंकि दोनों सीटे कलाकार कोटे से भरी जाना थी, लिहाजा इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए मंत्रिमंडल ने अपनी सिफारिश में उद्धव ठाकरे के वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर होने का उल्लेख भी किया था। इस प्रकार उनके मनोनयन में किसी तरह की कानूनी बाधा नहीं थी। लेकिन राज्यपाल ने मंत्रिमंडल की सिफारिश पर पहले तो कई दिनों तक कोई फैसला नहीं किया। बाद में जब उनके इस रवैये की आलोचना होने लगी और सत्तारुढ शिवसेना की ओर से उन पर राजभवन को राजनीतिक साजिशों का केंद्र बना देने का आरोप लगाया गया तो उन्होंने सफाई दी कि वे इस संबंध में विधि विशेषज्ञों से परामर्श कर रहे हैं। **(संवाद)**

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

अब कोयल को क्या मालूम कि उसकी

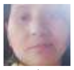

अब कोयल को क्या मालूम कि उसकी कूक भी मेरे दिल में हूक जगाती है जाने वो बातें सुनी उसने कैसे उन बातों की गवाह हो जैसे बीतीं बातों के खजाने से हर बात की गजल बनाकर सुना जाती है अब कोयल को क्या मालूम । **किरन भण्डारी**

प्यार में खुद को बदलना छोड़ दे

प्यार में खुद को बदलना छोड़ दे। बेवजह सांचे में ढलना छोड़ दे। चांद-तारे तोड़ने की जिद न कर। मीत मेरे तू मचलना छोड़ दे। जान तेरी है बहुत ही कीमती, यार यूँ बाहर निकलना छोड़ दे। हौसलें को तू नई परवाज़ दे, बेधड़क बन, यूँ फिसलना छोड़ दे। राह है मुश्किल, सफर ये जिन्दगी, बेफिक्र हो यार चलना छोड़ दे। **प्रतिभा गर्ग**

खास पाती | दर्द दिल मे होता मचल जाते

दर्द दिल मे होता मचल जाते आंसू आंख मे, क्यूं सुकून मिल जाता है तुम्हारी हर बात मे, कितना यकीन होता दिल को अपने यकीन पर, ख्वाब जो भी होंगे वो तुम्हारे होंगे मेरी हर रात मे, तकती तकती आंखों से कितनी रात गुजारी, औ आंखे भी बरसी बिन बारिस की बरसात मे, इक अरसे से रोक के रखा था जज्बा मोहब्बत का, जब भींगे तेरी खुशबू से औ भींगे तेरे जज्बात मे, काफी है इक मुस्कान तुम्हारी जख्म हमारे सहलाने को, खिल ही जाता है लब पे तब्बसुम हर हालात मे, तैरते रहते ज़ेहन मे छोटे छोटे लम्हें शरारत वाले ही, असर निगाहों से छोड़ जाते हो अपनी खुराफात मे, विजय इश्क तो इश्क है इज़ाज़त की गुंजाइश कहां, बनते रहते हैं जानम नए नए फसाने अपनी मुलाकात मे। **विजय लक्ष्मी राय**

ऐसा कौन सा हमने बड़ा कसूर

ऐसा कौन सा हमने बड़ा कसूर कर दिया। ये वक्त तूने हम सबको दूर दूर करदिया।। यह मुस्कान कैद करदीं तूने क्यों नकाब में। नजदीकियों पर पाबन्दी को दस्तूर कर दिया।। **राजकुमार शर्मा**

लात खाकर भी भूख मिटा देती

लात खाकर भी भूख मिटा देती है माँ भूखे पेट रह कर भी दुआ देती है माँ गांव में छोड़ कर शहर आ गया अब हिचकीया रोज याद दिला देती है माँ चोट पर मुंह से निकलता है ये शब्द मुश्किलों को दूर यू भगा देती है माँ अमीरी जाजम बिछाती है हमेशा ही गरीबी में आंचल बिछा देती है माँ माँ के कदमों में चारों धाम है दिनेश ब्रह्मा बिष्णु महेश दिखा देती है माँ। **कवि दिनेश भोपाली**

ममता दया वात्सल्य प्रतिमा

ममता, दया, वात्सल्य, प्रतिमा, चलती फिरती हँसती हँसाती आसूँ खुद के पल्लू में छुपाती बच्चों बड़ों सबका जैसे बाक़ी कोई कर्ज चुकाती रात, न दिन ड्यूटी 24 घण्टे बजाती घर की दहलीज़ में ही पूरा दिन खप जाती फिर भी घर में कितनों को तू रास आती माँ। **माधुरी स्वर्णकार**

हम डर गये हैं डर की वजह से

हम डर गये हैं डर की वजह से भगवान पर विश्वास करना छोड़ दिया है मरने के डर से जीना छोड़ दिया है कैद बंद कमरों में साँस भी आती नहीं... हमने प्रकृति को महसूस करना छोड़ दिया है मरने के डर से जीना छोड़ दिया है बच्चों का बचपन गुमशुदा स्क्रीन की चमक में कामिक्स पढना छोड़ दिया है मरने के डर से जीना छोड़ दिया है!! **अर्चना खण्डेलवाल**

देश के हर हिस्से से आ रही

देश के हर हिस्से से आ रही मजदूरों के आने-जाने की खबरें. एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश आ भी रहे और जा भी रहे. इस आने-जाने में जितनी तकलीफें उन्हें उठानी पड़ रही, ये वे ही जानते हैं. इस पीड़ा के बाद क्या भविष्य में मजदूरों के पलायन में रोक लगेगी ? क्या राज्य सरकारें इन्हें अपने ही प्रदेश में रोजगार दिलाने की पहल करेंगी? **अनिल पाण्डेय**

वो मरा कहता है, मैं राम

वो मरा कहता है, मैं राम कहता हूं। वो देव बनता है, मैं वेद पढ़ता हूं। वो युद्ध चाहता है, मैं बुद्ध चाहता हूं। वो जीवित रहना चाहता है, मैं जागृत होना चाहता हूं। समस्या यही है, दोनों एक है कभी वो मुझमें रहता है, कभी मैं उसमें रहता हूं। **नरेन्द्र मिश्रा**

QUIZ TIME

1) फरवरी, 2020 को भारत की पहली इंटर-सिटी इलेक्ट्रिक बस सेवा किस राज्य में शुरू की गयी है?

2) 9 फरवरी, 2020 को बांग्लादेश के विरूद्ध नसीम शाह टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले सबसे युवा गेंदबाज बने, वे किस देश से है?

3) शयनयान सुविधा वाली देश की पहली कॉरपोरेट ट्रेन का क्या नाम है जिसे 16 फरवरी 2020 को झण्डी दिखा कर रवाना किया गया?

4) विश्व में रेडियो दिवस प्रति वर्ष कब मनाया जाता है और 2020 का थीम रेडियो और विविधता है?

5) मंदिर का नाम बताए जो असम में स्थित है?

Ramaquiz

उत्तरमाला-(1) महाराष्ट्र (मुंबई और पुणे के बीच) (2) पाकिस्तान (3) काशी महाकाल एक्सप्रेस (4) 13 फरवरी (5) उमानंद मंदिर

आज का इतिहास

नयी दिल्ली। (वार्ता) भारतीय एवं विश्व इतिहास में 11 मई की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं:

1752 - अमेरिका के फिलाडेल्फिया में पहली अग्नि बीमा पॉलिसी की शुरुआत हुई।

1784 - ब्रिटेन और मैसूर के टीपू सुल्तान के बीच शांति संधि पर हस्ताक्षर।

1833 - इंग्लैंड से क्यूबेक जा रहे जहाज लेडी-ऑफद-लेक के हिमखंड से टकराकर अटलांटिक सागर में डूबने से 215 लोगों की मौत हुई।

1857 - दिल्ली में सिपाही विद्रोह भड़का।

1951 - राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद ने नवनिर्मित सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन किया।

1955 - इजरायल ने गाजा पर हमला किया।

1960 - पहली गर्भनिरोधक गोली बाजार में उपलब्ध कराई गई।

■ न्यूज गैलरी

सांप ने काटा, झाड़-फूंक के बाद एक की मौत, एक गंभीर

बिलासपुर । रतनपुर ग्रामीण अंचल सलखा में जीजा और साला जमीन पर सोए हुए थे । इसी दौरान बीती दरमियानी रात एक जहरीले सर्प ने उन्हें काट लिया । इसकी जानकारी उन्होंने परिजनों को दी, जिसके बाद परिजन उनको बैगा के पास लेजाकर झाड़ फूंक कराया जिसके चलते उनकी तबीयत बिगड़ने लगी , बाद में उन दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर में लाकर भर्ती कराया । जहां पर डॉक्टरों ने देखते ही एक को मृत घोषित कर दिया । जबकि साले का प्रथम उपचार उपरांत उसके गंभीर अवस्था को देखते हुए बिलासपुर सिम्स रिफर कर दिया । वहीं मामले में रतनपुर पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुटी है । राजेश कोरीम पिता स्वर्गीय लक्ष्मीनारायण कोरीम उम्र 31 वर्ष सलखा का निवासी है । जिसके यहां उसका साला सूरज कोर्राम पिता मोहित राम कोर्राम उम्र 12 वर्ष गणेशपुर का निवासी आया हुआ था । रात में जीजा साला दोनों ने खाना खाया । जिसके पश्चात परिवार के लोग अन्य कमरे में सोने चले गए । वहीं जीजा साला जमीन पर बिस्तर लगा कर सो गए । इसी दौरान रात करीब 12 बजे एक जहरीले सर्प ने दोनों को काट दिया । तब परिजनों ने बैगा बुलाकर उनका झाड़-फूंक कराया । देखते ही देखते रात बीतने लगी और दोनों का ही तबीयत बिगड़ने लगा । यह देखकर परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर में लाकर भर्ती कराया । जहां पर डाक्टरों ने देखते ही राजेश कोर्राम को मृत घोषित कर दिया । जबकि सूरज कोर्राम का प्रथम उपचार उपरांत उसकी गंभीर अवस्था को देखते हुए बिलासपुर सिम्स रिफर कर दिया । इस मामले की सूचना रतनपुर पुलिस को दिया गया ।

कोविड-19 के सेंपल एवं जांच में लगे डॉक्टर एवं उनके टीम को प्रदान किया जायेगा प्रोत्साहन राशि

सूरजपुर। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देषन में एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 आर0एस0 सिंह ने बताया कि कोरोना वायरस के संक्रमण के रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु शीघ्रता के साथ कोरोना सेम्पल कलेक्शन एवं जॉच कार्य हेतु जिला चिकित्सालय, समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एंव समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्दो के जीवनदीप समिति के द्वारा कार्य में लगे डॉक्टर, पैथालॉजिस्ट, टेक्निशियन के टीम को प्रोत्साहन राशि दिये जाने का निर्णय लिया गया है। जो घर - घर जाकर कोरोना जॉच करने वाले डॉक्टर, पैथालॉजिस्ट, टेक्निशियन की टीम को प्रोत्साहन राशि प्रति सेम्पल हेतु 200 रूपये, अस्पताल में कोरोना जॉच सेम्पल एकत्र करने वाले डॉक्टर, पैथालॉजिस्ट, टेक्निशियन की टीम को प्रोत्साहन राशि प्रति सेम्पल हेतु 100 रूपये, डॉक्टर, पैथालॉजिस्ट, टेक्निशियन की टीम जो कोरोना सेम्पल का परीक्षण करेंगे, उन्हें प्रोत्साहन राशि प्रति सेम्पल परीक्षण हेतु 100 रूपये दिया जावेगा।

लॉक डाउन में घरेलु ईंधन की परेशानियों से निजात व आत्मनिर्भर बना रहा बायोगैस संयंत्र

सूरजपुर। वैष्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के रोकथाम एवं बचाव के लिए लॉकडाउन एवं धारा 144 लागू है इसके परिपालन में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के द्वारा राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नरुवां, गरुवां, घरुवां और बाडी के तहत् घरों पर मावेषियों के गोबर से न केवल उचित निदान हो रहा है वरन इसके माध्यम से गोबर गैस से प्राप्त ईंधन के माध्यम से घरों पर सुरक्षित व अल्प लागत में भोजन बनाने के लिए नियमित उपयोग कर रहे है इससे उनका अधिकांष समय घरों पर ही बीत रहा है। इससे पहले इन क्षेत्रों में खाना बनाने के लिए महिलाएं व बच्चे आसपास के क्षेत्रों से लकड़ी बीन कर लाने के साथ साथ धुएं से निजात मिली है। वर्तमान में जिले में नरुवा, गरुवा, घुरुवां और बाडी के तहत् गोबरधन योजना के माध्यम से 11 सामुदायिक बायोगैस प्लांट से 200 परिवार तथा 2 क्यूबिक मीटर के व्यक्तिगत प्लांट के माध्यम से 553 परिवारों को इस लॉकडाउन अवधि में सुरक्षित तौर पर घरेलु ईंधन गैस के रुप में बायोगैस के माध्यम से 753 परिवार लाभ प्राप्त कर रहे है।

आज शुरू होगा प्रवासी मजदूरों का बिलासपुर पहुंचने का सिलसिला

■ **प्रशासन हुआ मुस्तैद रेलवे क्षेत्र के सभी व्यवसायों पर लगाया गया प्रतिबंध**

नवप्रदेश संवाददाता

बिलासपुर । छत्तीसगढ़ सरकार ने भी श्रमिक स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखा दी है। अब लगातार अलग-अलग राज्यों से यह स्पेशल ट्रेन बिलासपुर रायपुर भाटापारा चांपा जैसे स्टेशनों में पहुंचेंगी। लॉक डाउन के कारण गुजरात के विभिन्न शहरों में फंसे छत्तीसगढ़ के प्रवासी श्रमिकों को लेकर आने वाली एक ट्रेन कल सुबह 10 बजे तक बिलासपुर स्टेशन पहुंचेगी। रविवार को अहमदाबाद से शाम 4 बजे श्रमिक स्पेशल ट्रेन रवाना होगी जो कल सुबह 10 बजे बिलासपुर आएगी। इस ट्रेन के बिलासपुर पहुंचने के बाद, उससे आने वाले प्रवासी श्रमिकों के स्वास्थ्य की जांच और उसके बाद उन्हें पहले से तय, क्वॉरेंटाइन सेंटरो भेजने की व्यवस्था की जाएगी। आज बिलासपुर कलेक्टर डॉ संजय अलंग ने अधिकारियों की टीम के साथ स्टेशन पहुंचकर इन सभी तैयारियों का जायजा लिया और जरूरी निर्देश दिए। छह और स्पेशल ट्रेनों के बिलासपुर से होकर गुजरने की सूचना प्रशासन को मिली है। यह सभी श्रमिक ट्रेनें बिलासपुर में रुकेंगीं।

इस दौरान उसमें मौजूद प्रवासी श्रमिकों के लिए भोजन के डिब्बे और पानी की बोतलें बिलासपुर से ट्रेन में चढ़ाई जाएगी। इन्हीं सब तैयारियों की रिहर्सल के लिए कलेक्टर के? स्टेशन पहुंचने के पहले ही तमाम अधिकारियों कर्मचारियों को लेकर जिला पंचायत के सीईओ रितेश अग्रवाल तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओपी शर्मा बिलासपुर स्टेशन पहुंचे थे।बिलासपुर के अनुविभागीय अधिकारी देवेंद्र पटेल समेत जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी तथा बडी संख्या में? शासकीय अधिकारी भी रेलवे स्टेशन में पहुंचे थे

छत्तीसगढ़ के प्रवासी श्रमिकों को लेकर जो ट्रेनें यहां आने वाली है। उनमें एक ट्रेन गुजरात से, एक महाराष्ट्र से और इसी तरह जम्मू-कश्मीर तथा पंजाब प्रांत से भी एक-एक ट्रेन प्रवासी श्रमिकों को लेकर छत्तीसगढ़ पहुंचने वाली हैं। बिलासपुर पहुंचने पर इन सभी मजदूरों की प्राथमिक जांच के बाद इन्हें बिलासपुर रेलवे स्टेशन के तय चार अलग-अलग गेट से बाहर निकाला जाएगा, साथ ही उन्हें कोरेंटिन सेंटर तक ले जाने के लिए 100 बसें तय की गई है जो ब्लॉक अनुसार अलग-अलग गेट पर तैनात रहेंगी। इतना ही नहीं मजदूरों के बिलासपुर पहुंचने के मद्देनजर पूरे रेलवे क्षेत्र की नाकेबंदी की जा रही है। अगले आदेश तक रेलवे क्षेत्र में बुधवारी बाजार समेत सभी दुकानों और व्यवसाय के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है । वहीं सुरक्षा के मद्देनजर बिलासपुर रेलवे स्टेशन के भीतर और बाहर भी जगह-जगह बैरिकेटिंग की गई है। प्रदेश की सरकार मजदूरों की घर वापसी के लिए जद्दोजहद कर रही है लेकिन एक वर्ग का यह भी कहना है कि सरकार को इस निर्णय में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए क्योंकि अनुभव कुछ और ही इशारा कर रहा है। हाल ही में घर लौटे हरियाणा के करीब डेढ़ लाख से अधिक मजदूरों ने वापस अपने काम पर लौटने के लिए पास बनाने का आवेदन किया है। इसलिए लगता है कि छत्तीसगढ़ में भी लौटने वाले यही मजदूर अगले कुछ दिनों या महीनों के भीतर ही वापस लौटने की भी गुहार लगाएंगे तब सरकार के सामने इन्हें वापस ले जाना जाने की नई चुनौती होगी। वही प्रवासी मजदूरों को जिन कोरेन्टीन सेंटर में ठहराया जा रहा है उसे लेकर भी स्थानीय लोगों को आपत्ति है और वे विरोध दर्ज करा रहे हैं। इस सबके बीच प्रशासनिक स्तर पर तैयारियों को अंतिम रूप देने अधिकारी रविवार को दिनभर जुटे रहे।

400 किलोमीटर का सफर तय कर पहुंचे कांकेर

■ **भूखे प्यासे होने पर समाजसेवी पप्पु मोटवानी ने दिया 5 दिनों का राशन**

■ **रेल्वे में केबल बिछाने निजी ठेकेदार के साथ गए थे महाराष्ट्र**

नवप्रदेश संवाददाता

प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने से पैदल कूच

कॉंकेर। बस्तर के आदिवासी मजदूरी के लिए पडोसी राज्य महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में रोजी रोटी के लिए पलायन करते है। इसका साफ नज़ारा बस्तर के जगदलपुर जिले के लोहण्डीगुड़ा के 17 मजदूर रेलवे में केबल बिछाने के लिए ठेकेदार के साथ गए हुए थे।इसी बीच कोरोना वायरस बीमारी और सम्पूर्ण लाकडाउन में इन मजदूरों के धैर्य का बाँध तोड़ दिया।और लगातार बढ़ते लाकडाउन के बीच कामधाम ठप्प पड़ जाने और ठेकेदार द्वारा बीच मझधार में छोड़ दिए जाने के बाद बस्तर के 17 मजदूरों ने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के तहसीलदार से मिलकर अपने गांव जाने की अनुमति मांगी ।या फिर शासन के अनुसार वाहन उपलब्ध कराकर हमे हमारे घर तक छोड़ने की गुहार लगाई गई ।लेकिन अफ़्सर ने कोई सुविधा नही होने का हवाला देकर मजदूरों से पैदल जाने की बात कहकर मजदूरों को लौटा दिया ।इस बीच बस्तर के फंसे 17 मजदूरों ने पैदल जाने के फैसला अडिग रखते 400 किलोमीटर के सफर तय कर कॉंकेर पहुचे ।जहां मजदूरों से मीडिया ने जानकारी जुटाकर मजदूरों की वस्तुस्थिति से अवगत हुए ।इस दौरान मजदूरों ने बताया की हम महाराष्ट्र से करीब 400 किलोमीटर पैदल चलकर कॉंकेर पहुचे है।लगातार पैदल चलने के कारण पास के राशन खत्म हो चुका है।और आगे हमारे घर तक पहुचने करीब 300 किलोमीटर की दुरी तय करना बाकी है।भूखे मजदूरों को देखते नगर के जनसहयोग समाज सेवी संग़ठन अध्यक्ष/पूर्व राजापारा पार्षद अजय पप्पू मोटवानी से सम्पर्क कर उन्हें मजदूरों की व्यथा बताई गई।सामाजसेवी पप्पू मोटवानी ने तत्काल मौके पर पहुचकर 17 मजदूरों को पांच दिनों का राशन जिसमे बिस्किट मिक्चर चावल दाल तेल हल्दी पानी बॉटल और जनउपयोगी समान देकर मजदूरों को उनके घर के लिए रवाना किया गया ।इस दौरान किसी भी सरकारी मदद बस्तर के 17 मजदूरों को नही मिलने से सरकार की मजदूरों के प्रति सहानुभूति की पोल खोल दी है।

वार्डवासियों ने पार्षद सतीश को बताई जल की समस्या

■ **सीएमओ नपा ने तत्काल पूरी की वार्डवासियों की मांग**

कोंडागाँव। नगर पालिका कोंडागॉव का वार्ड मरार पारा पिछ्ले 20 वर्षो से मूलभूत समस्याओं से जूझ रहा है। जिसमे वार्ड से होकर जोन्द्रापदर जाने वाली सड़क सड़क की दुर्दशा से लेकर अन्य समस्यों से जूझ रहे मरारपारा में पानी की समस्या व मांग लंबे समय से बनी है।जिसे लेकर परेशान मरारपारा वार्डवाशीयों ने पानी की समस्या को जब वार्ड पार्षद सतीश सोनी को अवगत कराया जिसे वार्ड पार्षद ने नगरपालिका सी एम ओ सूरज सीदार को अवगत कराया जिस सीएमओ ने तत्काल 16 पाइप 3 इंची के उपलब्ध करवा पानी पाइप लाइन दुरुत करवा जल की समस्या को दूर करवाया गया जिसके चलते वार्ड वशियों ने पार्षद की प्रशंसा करते कहा कि पिछ्ले 20 वर्षो से हमारी पानी की समस्या दूर करने के लिए पार्षद सतीश सोनी व नगरपालिका सी एम ओ का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

सिम्स बना चोरों का अड्डा , मरीज को देखने आए परिजन की पार्किंग से बाईक हुई पार

बिलासपुर । अंचल के सबसे बड़े शासकीय हॉस्पिटल में एक बार फिर अज्ञात चोर गिरोह सक्रिय हो गया है। कोरोना संक्रमण के भय और लॉकडाउन की बंदिशों के बीच अज्ञात चोर वाहनों की रैकी कर चोरी की घटना को अंजाम दे रहे है। एक ऐसा ही मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रकाश में आया है, जिसमे मुंगेली जिले के ग्राम सिलदहा के रहने वाले मनुराज वर्मा ने सिम्स हॉस्पिटल के पार्किंग से बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रार्थी के मुताबिक 29 अप्रैल को उसकी चचेरी बहन छत से गिर घायल हो गई थी। जिसका ईलाज कराने सिम्स अस्पताल बिलासपुर लेकर आये थे। प्रार्थी के चाचा गौरी शंकर ने संजय वर्मा से मोटर सायकल हीरो एचएफ डिलक्स क्रमांक छ्त्त 28 क्क8613 को मांग कर सिम्स अस्पताल जाने के लिये लाये थे। उक्त बाइक से वह सिम्स पहुंचे थे। जहां प्रार्थी के चाचा के लड़की का इलाज कराया जा रहा था। इस दौरान प्रार्थी ने दो मई को सिम्स हॉस्पिटल के पार्किंग में बाइक खड़ा कर जबड़ापारा चला गया था। लेकिन जब वह तीन मई की सुबह हॉस्पिटल पहुचा तो पार्किंग से बाइक गायब थी। आसपास बहुत ढूंढने के बाद भी प्रार्थी को बाइक नही मिली। जिससे हताश होकर उसने मामले की शिकायत अब सिटी कोतवाली पुलिस से की है, मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। बीते कई वर्षो से सिम्स हॉस्पिटल परिसर में चोरो का आतंक अंचल के मरीजो के लिए परेशानी का सबब बना हुए है। जिनकी दहशतगर्दी एकबार फिर शुरू होती नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि अज्ञात चोर रात के अंधेरे में घटना को अंजाम तक पहुचा रहे है। क्योंकि मनुराज वर्मा ने भी दो मई की दोपहर को 3 बजे के बाद बाइक सिम्स के पार्किंग में खड़ी की थी और सुबह 7 बजे उसकी बाइक मौके से गायब थी, ऐसे में कयास तो यही लगाया जा रहा है की अज्ञात चोरों ने सुने पन का फायदा उठा रात को ही बाइक चोरी की होगी।

सुने मकान में चोरों का धावा, नगदी सोने चांदी की जेवरात लेकर हुए रफूचक्कर

बिलासपुर । लॉकडाउन में चोरो की सक्रियता तेज होती जा रही है। वह शहर से लगे रिहायशी इलाकों में घात लागए बैठे है। जो मौका मिलते ही घटना को अंजाम तक पहुँचाते है। मामला सकरी थाना क्षेत्र से जहाँ उसलापुर के आनंद नगर के एक सुने मकान में चोरो ने धावा बोल हजारों के समान पर हाथ साफकिया है। जिसकी शिकायत शनिवार को प्रार्थी ने सकरी थाना में की है, मिली जानकारी के अनुसार आनंद नगर के मकान में रहने वाली प्रतिमा श्रीवास्तव 6 मई को अपनी सास की तबियत बिगड़ने पर घर मे ताला लगाकर हॉस्पिटल चले गए थे। जहाँ से वह देर रात अपनी सास का इलाज कर वापस लौटे, लेकिन रात काफी होने के वजह से वह अपने घर से करीब 100 मीटर दूरी पर स्थित अपने जेठ के घर रात्रि में रुक गए। जैसे ही वह अगले दिन सुबह अपने घर पहुँचे, तो घर के मुख्यद्वार का ताला टूटा देख भौचक्का रह गए। जब वह घर अंदर पहुँचे तो सारा सामान बिखरा देख वह समझ गए कि घर मे चोरी हो गई है। जिसके बाद उन्होंने घर की बारीकी से तलाशी ली तो आलमारी में रखे एक हेण्ड बैग में 16600 रूपये नकदी रकम एवं 03 जोडी सोने का टाप्स 01 नग सोने की अंगुठी वजनी लगभग 15 ग्राम तथा 03 जोडी चांदी का पायल बिछीया वजन लगभग 05 तोला के समान सहित एटीएम, आधार कार्ड, परिचय पत्र, पेन कार्ड, स्मार्ट कार्ड एक जेन्टस घड़ी मौके से गायब थी।

कोंडागांव के मसोरा टोल में चल रहा लूट का खुला खेल

■ **आम आदमी (लोकल) को 50% टोल की जानकारी ना हौंने पर लिया जा रहा पुरा पैसा**

कोंडागॉव। नेशनल हाइवे 30 के कोंडागॉव मसोरा टोल पर जानकारी के अभाव में यात्रियों से नियमो को तक पर रख दुगुना वशूली की शिकायत आ रही है।वहीं जब नियमो के जानकार भी (लोकल) यात्री लोकल होने का प्रमाण देने अपना आधार कार्ड के दिखने पर भी उनकी बातों को टाल मटोल कर उनसे नियमो से ज्यादा पैसे की वसूली की जाती है।

ज़िला बनेने से पहले की CG17 रजिसट्रेसन के वाहन मालिकों को गुमराह कर पैसा वसूली जा रही दुगुनी रकम : जिला बनने से पहले अविभाजित बस्तर के नंबर से जिला कोंडागॉव के वाहन रजिस्टर्ड थे जो आज भी हैं लेकिन वाहन व वाहन मालिक कोंडागॉव जिले में रहते है जिन्हें टारगेट कर रकम में हेर फेर की जाती है,जिनमे टाटा एस , पिकअप गाड़ी वालों को कमर्शियल वाहन कह जबरिया दुगुनी रकम वसूली जा रही है ।

ट्रक , टिप्पर ट्रैलर व अन्य बडी गाड़ियों का एक्सल से पैसा लिया जाता हैं । वहीं बार्गेनिंग व लेनदेन पर बिना किसी रशिद के नगद लेके गाड़ी निकाल दी जाती हैं । वही एक यात्री ने बताया कि उनसे 10 मई सुबह 09 बजे टोल नगद लिया और कोई रसीद नही दी गई ।

मसोर टोल में रिद्धि सिद्धी इंफ्टेक , गुजरात द्वारा संचालित किया जा रहा है।

एन.एच.ई.आई.के नार्मस माने तो लोकल रजिस्टड़ गाड़ियाँ जो लोकल हो आई डी दिखाने पर प्रइवेट हो या कमर्शियल दोनो को 50% टोल लिया जाना है लेकिन मसोरा टोल में नियमो को ताक पर रख मनमानी की जा रही है।

मई माह प्रत्येक शुक्रवार रात 11 बजे से सोमवार सुबह 6 बजे तक संपूर्ण लॉकडाउन

सूरजपुर। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह तथ्य परिलक्षित है कि कोरोना वायरस कोविड-19 के सम्पर्क से पीड़ित, संदेही से दूर रहने की शख्त हिदायत है। छ.ग. शासन के द्वारा यह भी निर्देषित किया गया है कि इससे बचने के सभी संभावित उपाय अमल में लाया जाये। यही कारण है कि कोविड-19 के संभाव्य प्रसार को देखते हुए इसके प्रसार को रोकने के लिए न सिर्फ राज्य बल्कि पूरे देष में सामाजिक व शारीरिक दूरी को अपनाया जा रहा है। अद्यतन स्थिति में भी कोरोना वायरस कोविड-19 संक्रामक बिमारी पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। अभी भी संक्रमण की स्थिति कई स्थानों पर संभावित है। अतः संक्रमण से बचाव हेतुजिला सूरजपुर में स्वास्थ्यगत आपातकालीन स्थिति को नियंत्रण रखने के लिए उचित प्रतीत होता है कि सूरजपुर जिले वर्तमान स्थिति को देखते हूए लॉकडाउन के दौरान भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा दी गई छूट को प्रतिबंधित करते हुए सप्ताह में कम से कम 2 दिन पूर्णतः तालाबंदी की जाये।

किसी भी माध्यम से पहुंचने वाले प्रवासी मजदूरों को क्वारांटाइन करें, सरपंच, सचिव, पटवारी की जवाबदारी तय'

■ **प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक ली**

बिलासपुर । प्रदेश के गृह, जेल, लोक निर्माण विभाग के मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने कहा है कि किसी भी माध्यम से गांव में पहुंचने वाले प्रवासी मजदूरों को क्वारांटाइन पर रखने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव व पटवारी पर होगी। प्रत्येक प्रवासी मजदूर के पहुंचने की सूचना वे तहसीलदार व थानेदार को भी देंगे, अन्यथा उनके विरुद्ध उचित कार्रवाई की जायेगी।

श्री साहू ने आज वीडियो कांफ्रेंस कर जिले के अधिकारियों से कोरोना संक्रमण से बचाव, प्रवासी मजदूर, स्वास्थ्य, मनरेगा, निर्माण कार्यों से सम्बन्धित विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि कोई भी प्रवासी मजदूर किसी भी माध्यम से गांव में पहुंचता है तो इसकी तत्काल जानकारी प्रशासन, पुलिस व स्वास्थ्य विभाग को सरपंच, सचिव दें। अन्य राज्यों के जो प्रवासी मजदूर जिले से गुजर रहे हों उनके लिये मानवीय आधार पर भोजन, पानी की व्यवस्था भी करें। इसके अतिरिक्त बाहर से आने वाले लोगों की संख्या, उनकी स्क्रीनिंग व बनाये गये क्वारांटाइन और

आइसोलेशन सेंटर की सतत समीक्षा करें। यह प्रयास करें कि क्वारांटाइन सेंटर रिहायशी इलाकों के बाहर हों।

प्रभारी मंत्री साहू ने कहा कि माल परिवहन करने वाले वाहन के चालक एवं परिचालक अनाश्यक न घूमें, उन पर निगरानी रखें ताकि ये संक्रमण के वाहक न बन सकें। उन्होंने सूचना तंत्र को मजबूत रखते हुए जिले की सीमाओं की सतत् निगरानी करने को कहा। ऐसे व्यक्तियों पर विशेष ध्यान रखें जो हॉट-स्पॉट या रेड जोन से जिले में आ रहे हैं। उन्होंने बाजारों में सोशल डिस्टेंसिंग बनाये रखने के लिए दुकानों को अल्टनेट खोलने पर विचार करने का सुझाव जिला प्रशासन को दिया साथ ही निर्देश दिया कि सघन आबादी वाले क्षेत्रों में लोगों का सैम्पल टेस्ट लें। शराब दुकानों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर व बाजारों में सामाजिक दूरी व मास्क पहनकर निकलने के नियम का कड़ाई से पालन किया जाये। निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए श्री साहू ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्य को पूर्ण करने के लिए प्राथमिकता तय करें जो कार्य 75 प्रतिशत पूर्ण हो चुके हैं उन्हें पहले पूरा करें।

श्री साहू ने कहा कि किसानों को प्रोत्साहित करें कि वे खाद-बीज का उठाव जल्दी कर लें ताकि कृषि कार्य में उन्हें परेशानी न आये।

सभी अधिकारी अपने अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करें जो कोरोना संकट के दौरान ड्यूटी में लगे हैं। कलेक्टर डॉ. संजय अलंग एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रीतेश अग्रवाल ने जानकारी दी कि जिले के 60 हजार से अधिक मजदूर प्रवासी हैं, जिनमें से 40 हजार लोगों के लौटने की संभावना को देखते हुए तैयारी की गई है। इन्हें लाने के लिए ट्रेन के अलावा बसों की व्यवस्था भी की गई है। ट्रेन से आने वाले प्रवासी मजदूरों का स्टेशन पर तथा बसों से आने वाले मजदूरों का बहतराई स्टेडियम में स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें बसों से क्वारांटीन सेंटर भेजा जायेगा। इनके लिए 1066 सेंटर बनाये गये हैं, इनकी संख्या बढ़ाई भी जा सकती है। प्रत्येक क्वारांटीन सेंटर के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की जा चुकी है।

अवैध ईंट भट्ठों पर नहीं हो रही कार्रवाई, शासन मौन

नवप्रदेश संवाददाता

अर्जुनी। जनपद पंचायत बलौदाबाजार क्षेत्र के अन्तर्गत बड़ी ग्राम पंचायत अर्जुनी में अवैध ईट भट्ठा संचालित कर संचालक मालामाल होते जा रहे है। वही ईट भट्ठा से निकलने वाले धुआ व राख से राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर गर्मी के दिनों में सड़क किनारे बनाए गये ईट भट्ठा से निकलने वाली तपती आग व उड़ती धुंआ राहगीरों के लिए मुसीबत बनती जा रही है। फिर भी खनिज विभाग, राजस्व विभाग व पर्यावरण विभाग को जानकारी होने के बावजूद अवैध रूप से संचालित सड़क किनारे ईट भट्ठा संचालक पर कार्रवाई न होना ग्रामीणों समझ से परे है। वही अवैध रूप से संचालित ईट भट्ठों के संचालकों पर ग्रामीणों व राहगीरों की शिकायत पर किसी भी प्रकार कार्रवाई नहीं होने के चलते उनके हौसलें बुलंद तो है ही साथ ही राहगीरों के द्वारा ईट भट्ठों से निकलने वाली राख व धुंआ के संबंध में बातचीत करने पर राहगीरों के साथ अभद्र व्यवहार करने पर उतारू हो जाते है। वही अन्य प्रदेश से कमाने खाने आये कुम्हार जाति के लोग ग्राम पंचायत द्वारा घरेलू उपयोग के लिए दिए

गए अनापत्ति प्रमाण पत्र की धज्जिया उड़ाते हुए व्यवसाय कर खुब मुनाफा कमाये जा रहे है।

उल्लेखनीय है कि जिला मुख्यालय से महज 12 किमी दूर मेन रोड पर स्थित ग्राम पंचायत अर्जुनी के टोनाटार जाने वाले सड़क पर अन्य प्रान्त से आये कुछ लोगों के द्वारा कुम्हार जाति होने का फायदा उठाते हुए लाखों ईटों संग्रहण कर ग्राहकों को बेचा जा रहा है। यहां यह बताना लाजमी हो कि केन्द्र सरकार द्वारा लाल ईटों पर पूर्णरूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। कुम्हार जाति के साथ अन्य जाति के लोग भी लाल ईंटों का निर्माण नहीं कर सकते है। इसके बावजूद कुम्हार जाति के लोग कुम्हार होने का फायदा उठाते हुए अवैध रूप से ईट भट्ठा संचालित कर रहे है। यहां यह बात उल्लेखनीय है कि कुम्हार जाति के लोग स्वयं मकान बनाने के लिए लगभग 50 हजार ईंट का निर्माण कर सकते है। किन्तु यंहा कुम्हार होने का फायदा उठाते हुए सीजन में कई लाखों का ईट बनाकर अपना व्यवसाय चलाकर मालामाल होते जा रहे है। वही इनकों देखकर रसुखदार लोग भी अवैध कारोबार से मोटी कमाई करने में जुट गए है। कुम्हार जाति को भी लाल ईंट बनाने की छुट नहीं है। जानकारी के अनुसार इनकों मिट्टी से बने सामाग्री गमला, मटकियां दिए, खपरैल, आदि बनाने की छुट दी गई है। ईंट बनाने की नियम को कुम्हार जाति वर्ग के लिए शिथिल किया गया है। ऐसे वर्ग के लिए 50 हजार तक ईट बनाने के लिए किसी प्रकार की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी। किन्तु इनकी आड़ में कुम्हार जाति के लोग लाखों ईट बनाकर व्यवसाय करना शुरू कर दिया है। अवैध रूप से रोड किनारे संचालित ईंट भट्ठा संचालन की जानकारी संबंधित विभागों को होने के

> इस संबंध में ग्राम पंचायत अर्जुनी के सरपंच ने बताया कि मेरे कार्यकाल में किसी भी ईट भट्ठा संचालक को अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं दिया गया हैं।
>
> **प्रमोद जैन,** सरपंच ग्राम पंचायत अर्जुनी

बावजूद कार्रवाई नहीं किये जाने से सड़कों पर चलने वाले राहगीरों के लिए मुसीबत आन पड़ी है। ग्रामीण पुनम रजक, टोनाटार के उपसरपंच गेंदराम वर्मा, रामकुमार जायसवाल, शत्रुहन रजक, गंगादास वैष्णव, पोखराज साहू मिलन मानिकपुरी, बहलू यादव, देवसिंग ध्रुव, चिन्तामणी जायसवाल, लेखराम वर्मा ने बताया कि अर्जुनी व टोनाटार के मध्य सड़क किनारे बनाये गए अवैध ईट भट्ठों से निकलने वाली राख से शांम के वक्त उड़ती डस्ट से राहगीरों के लिए गले का फांस बनता जा रहा है। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि आंख में राख पड़ जाने से 10-15 दिनों तक आंसु बहने व जलन काफी तकलीफे दायक रहती है। ग्रामीणों ने अवैध रूप से सड़क किनारे संचालित ईंट भट्ठो पर कार्रवाई करने की मांग की है।

न्यूज गैलरी

फसल कटाई रूकवाई, हार्वेस्टर वापस भेजा

महासमुंद। शासन ने कृषि कार्यों के लिए लॉकडाउन में छूट दी है। लेकिन ग्राम कांपा के एक किसान को प्रशासन की सख्ती झेलनी पड़ी। घनश्याम साहू ने बताया कि उन्होने धान की फसल लगाई है। फसल तैयार होने पर कटाई के लिए बेमेतरा जिले से एक हार्वेस्टर मंगाया और उससे फसल कटाई की शुरुआत ही की थी कि प्रशासन ने हार्वेस्टर के चालक को हार्वेस्टर सहित वापस बेमेतरा भेज दिया और उसके संपर्क में आने के कारण उनके पिता मनीराम को 14 दिनों के लिए क्वॉरंटाइन में रहने कह दिया। जबकि जांच में न तो हार्वेस्टर चालक और न ही किसान के पिता मनीराम कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। उनमें कोई लक्षण भी नहीं पाया गया था।

युवक से साढ़े 7 लीटर शराब बरामद

महासमुंद। पुलिस ने शराब परिवहन कर रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से लगभग साढ़े सात लीटर देशी प्लेन शराब जब्त की है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर कोमाखान पुलिस ने नर्रा पानी टंकी के पास मोटर साइकिल क्रमांक सीजी 06 जीएफ 9195 को रोककर तलाशी ली। एक प्लास्टिक बोरे में 7.470 लीटर शराब मिली। पुलिस ने चालक ग्राम नर्रा निवासी जितेंद्र बेलदार पिता गौरसिंह (20) को गिरफ्तार कर तस्करी में प्रयुक्त बाइक जब्त की है।

झाड़ से टकराई कार, तीन घायल

महासमुंद। पिथौरा में लहरौद-बया मार्ग पर तीन युवक हादसे में घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार रात पिथौरा निवासी मुस्तकीम खान, अनिल बंसल और अमन मिश्रा अल्टो कार क्रमांक सीजी 04 एमबी 9632 से बया मार्ग की ओर घूमने निकले थे। वापसी में सामने मवेशी आने के कार सड़क किनारे गुलमोहर पेड़ से टकरा गई। हादसे में अनिल बंसल और अमन के चेहरे, मुस्तकीम खान के बांए हाथ व सिर पर चोट आई है तथा कार क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया। बहरहाल, पुलिस ने कार चालक मुस्तकीम खान के खिलाफ धारा 337, 279 के तहत अपराध दर्ज किया है।

लॉकडाउन का उल्लंघन, दो के खिलाफ कार्रवाई

महासमुंद। सरायपाली के विभिन्न चौक चौराहों में रात में घूमते पाए गए दो लोगों के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि रात में पेट्रोलिंग के दौरान जयस्तंभ चौक में सुरेश अग्रवाल एवं अशोक कुमार अग्रवाल लॉकडाउन का उल्लंघन करते हुए मास्क बिना पहने अनावश्यक रूप से सड़क में घूमते मिले। जिन पर धारा 188, 269,270 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

भाईयों में विवाद, काउंटर केस दर्ज

महासमुंद। खाट में बैठी बहन को उठा देने पर उपजे विवाद में दो भाईयों में विवाद हो गया। इसके एक युवक का सिर फट गया। एक पक्ष ने टंगिया तो दूसरे पक्ष ने साइकिल के पाइप से हमला कर दिया। जानकारी के मुताबिक सरायपाली थाना क्षेत्र के ग्राम नूनपाली निवासी सूतराम पटेल ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी बहन को खाट को उठाने की बात पर छोटे भाई बुधराम पटेल ने गाली-गलौज करते हुए साइकिल की पाइप से सिर में हमला कर दिया। इसी तरह बुधराम की पत्नी सौम्या ने भी काउंटर केस दर्ज कराया है। उनके मुताबिक सूतराम पटेल ने खाट पर बहन के बैठने की बात पर टंगिया से हमला कर दिया। बहरहाल, पुलिस ने काउंटर केस दर्ज किया हैं।

लाखों की सागौन चिरान लकड़ियां जब्त

महासमुंद। पिथौरा वन परिक्षेत्र के ग्राम भतकुन्दा (कोलताडीपा) में सागौन प्रजाति के लट्ठा /चिरान लकड़ी जब्त की गई। जानकारी के आधार पर उप वनमण्डलाधिकारी पिथौरा द्वारा सर्च वारंट जारी किया गया। वन परिक्षेत्र अधिकारी पिथौरा यूआर बसंत के मार्गदर्शन में वन विभाग की टीम ने ग्राम भतकुन्दा में महेन्द्र पिता बंशी सामल घर में तलाशी ली। जहां घर एवं बाड़ी से कुल सागौन लट्ठा 8 नग 0.469 घमी, सागौन चिरान 18 नग 0.094 घमी एवं सागौन बकली (जलाऊ) 10 किलोग्राम कुल 0.563 घमी लकडियां बरामद हुई। आरोपी के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927, छग संरक्षित वन नियम 1960, छग चिरान (विनियमन) अधिनियम 1984 तथा लोक संपत्ति की हानि के अंतर्गत कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में गजकुमार ठाकुर वनपाल, नंदराम जोशी वनरक्षक, विरेन्द्र बंजारे वनरक्षक, प्रवीन कुमार दीवान वनरक्षक , कौशल कुमार आडिल वनरक्षक , दीपिका रात्रे वनरक्षक , पुष्पा नेताम वनरक्षक, डिलेश्वरी वनरक्षक शामिल थे।

गैंग्रीन से ग्रसित ग्रामीण का लॉकडाउन में नहीं हो पा रहा इलाज

अर्जुनी। एक ओर जहां एक दूसरे से फैलने वाले घातक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम व लोगों की जिंदगी बचाने के उद्देश्य से ही लॉक डाउन लगातार बढ़ाया जा रहा है वहीं दूसरी ओर गैंग्रीन नामक बीमारी से ग्रसित एक व्यक्ति का लाक डाउन मे सही इलाज नहीं हो पा रहा है । पैर में हुई गैंग्रीन बीमारी के वजह से उनके पैर काटने की नौबत आ गई हैं और दर्द से काफी परेशान है इलाज के लिए जिला अस्पताल से लेकर मेकाहारा तक गया लेकिन मेकाहारा अस्पताल के डॉक्टर के द्वारा पिछले दो माह से समय पर समय देकर उसका इलाज नहीं कर रहे है ।

जिला मुख्यालय बलौदा बाजार से महज 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम अर्जुनी के शत्रुघ्न रजक गैंग्रीन नामक बीमारी से ग्रसित हैं। पैर में हुई गैंग्रीन बीमारी की वजह से दर्द से काफी परेशान है दर्द से इतना परेशान है कि उनका खाना पीना भी हराम हो गया है। इलाज कराने जिला अस्पताल गया तो डॉक्टरों ने उक्त बीमारी का इलाज मेकाहारा में ही संभव होना बताया साथ ही गैंगरीन बीमारी बताकर पैर काटने के अलावा इसका कोई और ही उपाय नहीं बताया गया । इलाज कराने 17 मार्च को मेकाहारा अस्पताल गया तो सिटी स्क्रीन के लिए एक अप्रैल का समय दिया गया एक अप्रैल को गया तो सिटी स्क्रीन खराब है कह कर वहां से चलता कर दिया बीच-बीच में अस्पताल गया फिर भी सिटी स्क्रीन खराब है करके इलाज नहीं किया गया। इलाज नहीं होने के कारण लाकडाउन मे घर में ही रहकर समय व्यतीत कर ही रहे हैं लेकिन पैर के दर्द से 24 घंटे व्याकुल रहते हैं जब दर्द अत्यधिक बढ़ जाते हैं तो मेडिकल स्टोर से गोलियां सेवन कर कुछ पल के लिए पैर के दर्द से निजात पा लेते है लेकिन कब तक गोलियां खाकर काम चलाएंगे । गैंग्रीन नामक रोग से पैर लकड़ी की तरह सूखने लगे हैं और काटने के बाद सही इलाज मिल पाने पर ही आगे संक्रमण से बचाया जा सकता है। अपनी पैर की पीड़ा से व्याकुल शत्रुहन रजक ने हमारे इस संवाददाता को बताया कि सही समय पर इलाज नहीं हो पाने के कारण यह स्थिति निर्मित हुई है जिला अस्पताल तो कई बार गया लेकिन इलाज करने के बजाय रायपुर जाना बताया गया अभी वर्तमान में पैर की स्थिति देखे तो यही कह सकते हैं कि इलाज तुरंत होना चाहिए लेकिन जिला चिकित्सालय तो दूर राजधानी के अंबेडकर अस्पताल में भी समय देकर दूरियां बनाने की कोशिश की गई । गैंग्रीन बीमारी की वजह से पैर से पीड़ित के परिजनों ने शासन प्रशासन से शीघ्र ही लाक डाउन की अवधि में राज्य व केंद्र शासन के गाइड लाइनों को ध्यान में रखते हुए उचित इलाज मुहैया कराने की मांग की है।

वही झेरिया रजक समाज के मीडिया प्रभारी कमलेश रजक ने समाज के प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर को वस्तुस्थिति से अवगत कराया तो उन्होंने पीड़ित के ईलाज के लिये हर संभव मदद करने का भरोसा दिलाया।

पालिका के कोरोना वॉरियर्स का स्वास्थ्य परीक्षण, सभी स्वस्थ

नवप्रदेश संवाददाता

महासमुंद। शनिवार को नगर पालिका के कोरोना वॉरियर्स का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें सभी के स्वस्थ होने के सकारात्मक परिणाम मिले। जानकारी के अनुसार शहर के टाउन हॉल में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर नयापारा के चिकित्सकीय दल द्वारा नगर पालिका के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित सफाई कर्मचारियों में कुल दो सौ तेरह लोगों में विशेष तौर पर कोरोना वायरस संक्रमण की जांच की गई।

चिकित्सकीय दल ने दस प्रकरणों में आरडी किट का इस्तेमाल भी किया। स्वास्थ्य परीक्षण में सभी स्वस्थ मिले, किसी में भी सर्दी, खांसी, बुखार, अनियंत्रित रक्तचाप और मधुमेह सहित कोविड 19 की बीमारी से संबंधित कोई भी लक्षण नहीं मिले। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार ने बताया कि पूर्व नियोजित स्वास्थ्य शिविर में प्रवेश द्वार पर बनाए गए अस्थायी पंजीयन काउंटर में आते एवं जाते दोनों समय सभी के हाथ हैंड रब सैनिटाइजर से साफ कराए गए। इस दौरान परीक्षण कराने पहुंचे कर्मचारियों ने भी जागरूकता का परिचय दिया। अलग-अलग काउंटरों में पंक्ति लगाकर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए स्वास्थ्य परीक्षण करवाया और व्यवस्थागत समन्यवय बनाए रखने में सहयोग किया।

दीवार ढही, अधेड़ महिला की मौत

राजनांदगांव। तेज आंधी में खंडहर की दीवार ढह गयी। इसी दौरान खंडहर के पास काम कर रही 50 वर्षीय अधेड़ महिला दीवार के नीचे आ गयी। सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से वह गंभीर घायल हो गयी। उपचार के लिए उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच उपरांत चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लालबाग थाना व अस्पताल पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार पुराना ढाबा निवासी राधा बाई पति भरत लाल सिन्हा उम्र 50 वर्ष खंडहर हो चुके मकान के पास ईंट जमा कर रही थी, तभी तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश होने लगी। सइी दौरान खंडहर हो चुके मकान की दीवार अचानक ढह गयी। वहां काम कर रही राधाबाई को संभलने का मौका नहीं मिला और वह दीवार के नीचे दब गयी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। प्रत्यक्षदर्शियों की सहायता से महिला को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां जांच उपरांत चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मंत्री सिंहदेव ने जिले के पंचायत प्रतिनिधियों से वीडियो काफ्रेंसिंग के माध्यम से की चर्चा

महासमुंद। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टी एस सिंहदेव 8 मई को सुबह 11 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से महासमुंद जिला एवं जनपद पंचायत के प्रतिनिधियों तथा सरपंचों से चर्चा की। चर्चा अंतर्गत वे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनांतर्गत श्रमिकों को रोजगार की उपलब्धता एवं अन्य प्रदेशों से आए हुए श्रमिकों के लिए रोजगार एवं अन्य व्यवस्था के सम्बंध में जानकारी ली। जिला कार्यालय के स्वान-चिप्स नेटवर्क अंतर्गत जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती उषा पटेल, उपाध्यक्ष लक्ष्मण पटेल सहित जिला पंचायत सदस्य मौजूद थे। वीडियो कान्फ्रेसिंग में जिला पंचायत सीईओ रवि मित्तल ने बताया कि जिले में रोजगार गारण्टी अंतर्गत पर्याप्त कार्य स्वीकृत कर प्रारंभ किए गए हैं। मजदूरी भुगतान भी समय पर किया जा रहा है। साथ ही बताया कि कार्य स्थल में मजदूरों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने तथा मास्क व सेनेटाइजर की व्यवस्था की गई है। पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा भी समय-समय पर निरीक्षण किया जा रहा है। वीडियो कान्फ्रेसिंग में जनपद पंचायत के सदस्य तथा ग्राम पंचायत के सरपंच भी अपने-अपने विकासखण्ड में उपस्थित थे।

केंद्रीय मद से 3 पुल की स्वीकृति प्राप्त की सांसद ने

राजनांदगांव। सांसद संतोष पाण्डेय की लोकसभा में मुखरता का परिणाम धीरे.धीरे सामने लगी है। इसी श्रृंखला में जिले के आदिवासी अंचल में 3 पुलों की स्वीकृति केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय से प्राप्त हुई है।

सांसद ने जानकारी दते हुए कहा कि वर्तमान समय में जब कोरोना वायरस और लॉकडाउन के कारण जीवन थम गया है, ऐसी स्थिति में वनांचल को गति देने और जीवन को सामान्य करने के प्रयास के तहत रोजगार उपलब्ध करना भी उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने आगे कहा कि विकासखंड मोहला के अन्तरगत ग्राम पानाबरस, मिस्प्री, भोजटोला सड़क के किमी क्रमांक 7/10, 13/8 तथा 13/10 का निर्माण हो चुका है, जिसकी लागत 11.50 करोड़ है, किन्तु बीच में 3 पुलों का निर्माण मद के आभाव में लंबित था, जिसकी स्वीकृति गत दिनों प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है कि सांसद संतोष पाण्डेय ने गत लोकसभा सत्र में भोजटोला, औंधी तथा मक्के के तीन उच्च स्तरीय पुल निर्माण तथा डोंगरगढ़ बोरतालाव सड़क का विषय उठाया था जिसकी स्वीकृति कार्यवाही का प्रगति हुई है। पुल निर्माण स्वीकृति होने से पूर्व संसदीय सचिव संजीव शाह, मंडल अध्यक्ष पोषण पुजारा, जिला पंचायत सदस्य नरसिंग भंडारी, जनपद सदस्य नम्रता सिंह, रमेश हेडामे, खोरबहरा यादव, मदन नेताम सहित कार्यकर्त्ता व नागरिकों में प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सांसद का आभार व्यक्त किया है।

बोर मशीन फिट करा निधि ने पेयजल समस्या से राहत पहुंचाई

महासमुंद। शहर के वार्ड 8 में वर्षों पहले हुए बोर खनन में पंप न होने के कारण लोगों को जल समस्या से जूझना पड़ रहा था। इस समस्या को देखते हुए गुरुवार को जनपद सदस्य निधि लोकेश चन्द्राकर ने नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चन्द्राकर से संपर्क किया और पानी की समस्या से नपाध्यक्ष को अवगत कराया। मांग पर नपाध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर ने 2500 लीटर का टैंक तत्काल उपलब्ध कराया। जनपद सदस्य निधि लोकेश चन्द्राकर ने उक्त बोर में स्वयं के खर्च से बोर मशीन लगाए जाने की पेशकश की। नगर पालिका के कर्मचारियों ने फिटिंग की। बोर का उद्घाटन निधि लोकेश चन्द्राकर ने कर स्थानीय नागरिकों को पानी की समस्या से राहत पहुंचाई। साथ ही इस दौरान मास्क वितरण कर सोशल डिस्टेंसिंग के नियम का पालन करने की अपील की। इस दौरान प्रमुख रुप से उमेश चन्द्राकर, सोनू दत्ता, हेमन्त लूनिया, हेमन्त साहू, राम देवांगन, दिनेश साहू साथ ही नगर के प्रथम नागरिक नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चन्द्राकर का आभार व्यक्त किया है।

कांग्रेस ने सीएम राहत कोष में जमा कराई 13 लाख की सहायता राशि

महासमुंद। कोविड-19 कोरोना महामारी से लडने जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 13 लाख 19 हजार की राशि प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम एवं प्रदेश संगठन प्रभारी महामंत्री चंद्रशेखर शुक्ला को महासमुंद जिला कांग्रेस के प्रभारी कन्हैया अग्रवाल की विशेष उपस्थिति में जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ रश्मि चंद्राकर एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष जसबीर ढिल्लो ने सौंपी। सर्वप्रथम महासमुंद जिला कांग्रेस द्वारा प्रदेश कांग्रेस को इस राशि की पूर्ण जानकारी सौंपी। इसमें नकद, चेक और कुछ राशि डिजिटल पेमेंट ने मुख्यमंत्री राहत कोष के खाते में सीधे जमा कराने की जानकारी दी। बाद में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात कर जिले में चलाए जा रहे जिला कांग्रेस कमेटी की गतिविधियों की पूर्ण जानकारी सौंपी और मुख्यमंत्री के निर्देश पर अन्य प्रदेशों में फंसे मजदूरों के लिए चलाए जा रहे अभियान के लिए कांग्रेस कमेटी के खाते में एकत्रित हुई राशि में से 1 लाख 51 हजार रुपए का चेक जमा किया।

सेवा कार्य | रक्तदान शिविर में 23 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर विविध कार्यक्रम

राजनांदगांव। इंडियन रेडक्रास सोसयाटी राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली एवं राज्य मुख्यालय छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा जारी निर्देषानुसार राजनादगाव जिले में विश्व रेडक्रास दिवस 8 मई को शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य के निर्देशन में विश्व रेडक्रास दिवस में सेवारत रेडक्रास वालेटियर्स एवं कांउसलर्स को बहुत-बहुत बधाई व धन्यवाद ज्ञापित करने व रेडक्रॉस कि भारतीय रेडक्रास सोसायटी को 100 साल पूर्ण होने पर जिले में रेडक्रॉस के रूप में मानवतावादी सेवाओ के लिये अपनी प्रतिबद्वता को मजबुत करते हुये अपनी यात्रा जारी रखने की बात कहते हुये इस साल हम एक अभूतपूर्व कोविड 19 महामारी के सबसे बडे हिस्से में है इसने हमारा

ध्यान ही नहीं खींचा है विश्व रेडक्रॉस दिवस की स्मृति में प्रतिब्द्ध, जिस तरह हम अतीत में करते थें। हालांकि ऐसी परिस्थितियों में भी हमें प्रेरित होना चाहिये और वास्तव मे और इस वर्ष विश्व रेडक्रॉस दिवस को नए तरीके से याद रखने के लिये स्वयं सेवकों के लिये ताली बजाना जो कोविड-19 को रोकने और प्रतिक्रिया देने के लिये एक महत्तवपूर्ण सहभागिता के लिये स्वयं सेवको की भूमिका में उनकी स्थायी प्रशंसा को स्वीकार करना है। वर्तमान में कोरोना आपदा (कोविड-19 से) पूरा विश्व जूझ रहा है वर्तमान परिस्थिति की दृष्टिगत रखते हुये रेडक्रॉस के पदाधिकारी एवं वालेटियर्स ने स्वास्थ्य अधिकारियों कर्मचारियों एवं पुलिस कर्मचारी विभाग व हास्पिटल के कर्मचारीयों का तालियों से स्वागत कर उत्साहवर्धन किया गया।

इस अवसर पर रेडक्रास सोसायटी के सचिव डॉ मिथलेश चौधरी ने बताया कि आज संपूर्ण देश में इस महामारी को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम, पुलिस की टीम और अन्य लोग भी दिन रात सेवा करने में लगे है जिनके उत्साहवर्धन के लिए रेडक्रास द्वारा तालियां बजाकर स्वागत किया ।

डा. चौधरी ने बताया कि रेडक्रास सोसायटी द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें 23 बॉटल रक्तदान किया गया एवं सोशल दूरी का पालन करते हुए काम करने, मुह में मास्क लगाने, बार बार हाथ धोने व सेनेटेराईज करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं।

यातायात पुलिस ने किया तीन सवारी वाहन चलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला के निर्देशन में यातायात की टीम द्वारा विशेष अभियान चलाकर शहर के बाहरी क्षेत्र में फरहद चौक, ट्रांसपोर्ट नगर एवं मोहारा ब्रीज के पास यातायात चेकिंग पाईट लगाया गया। यातायात की टीम ने तीन सवारी वाहन चलाने वाले मोटर सायकल, बिना नंबर वाहन चलाने वाले 74 मोटर सायकल चालकों को चेक किया गया। उपरोक्त वाहन चालकों के विरूद्ध मोटर व्हीकल अधिनियम 1989 के तहत कार्यवाही कुल 74 प्रकरण में कुल 14,800/- समंन शुल्क वसूल किया गया। यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगा। इसके अतिरिक्त यातायात नियमों का उल्लंघन-जैसे दुपहिया में दो से अधिक बैठाने पर, तेजगति से वाहन चलाने वाले, वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोग करने वाले चालकों के विरूद्ध भी कार्यवाही लगातार किया जावेगा।

दस माह बीते, छह किमी सड़क बनाने नहीं मिली एनओसी

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। उरगा से हाटी के बीच बनाए जा रहे 46 किलोमीटर स्टेट हाईवे में छह किलोमीटर का निर्माण पर्यावरण मंत्रालय से एनओसी नहीं मिलने के कारण नहीं हो सका। 97 करोड़ खर्च करने के बाद भी इस कच्चे मार्ग से वाहन चालकों को आवागमन करना पड़ेगा। दस माह से निर्माण कार्य के लिए प्रयास किया जा रहा है, पर अभी तक स्वीकृति नहीं मिल सकी।

उरगा से हाटी के बीच छत्तीसगढ़ रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड (सीजीआरडीसी) सड़क का निर्माण करा रहा। इस 46.83 किलोमीटर सड़क निर्माण का ठेका आरकेटीसी मेसर्स बीएलए को दिया गया है। सीजीआरडीसी ने सड़क निर्माण के लिए 97.27 करोड़ रुपये की लागत राशि का अनुबंध किया है। निर्माण एजेंसी को सात जुलाई 2017 को कार्यादेश जारी किया गया था और इस मार्ग का निर्माण कार्य 11 जुलाई 2019 तक पूरा करना था। दुर्भाग्य की बात है कि कार्यावधि

पूरा करने की अवधि से दस माह का समय बीत चुका है, पर अभी तक इस सड़क का छह किलोमीटर हिस्सा नहीं बन सका। एनओसी के अभाव में काम रोकना पड़ गया है। बताया जा रहा है कि यह मार्ग घने जंगलों से आच्छादित है और अब तक सड़क निर्माण के लिए ठेका कंपनी को पर्यावरण मंत्रालय से अनुमति नहीं मिल सकी है। इससे नोनबिर्रा, सकदुकला, कोटमेर, चांपा, चचिया, तौलीपाली व कुदमुरा के बीच निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है। सूत्र बताते हैं कि इस सड़क निर्माण कार्य के लिए सीजीआरडीसी ने वन विभाग के माध्यम से अनुमति के लिए संपूर्ण दस्तावेज शासन को भेज दिया है, लेकिन पर्यावरण विभाग ने अभी तक सड़क निर्माण के एनओसी नहीं दिया है। ग्रामीण समेत अन्य लोग जर्जर सड़क से मजबूरीवश आवागमन कर रहे हैं।

सरगबुंदिया मार्ग की भी स्थिति दयनीय

कोरबा-चांपा मार्ग में ग्राम सरगबुंदिया के पास सड़क की स्थिति काफी दयनीय हो चुकी है। सड़क में डामर, क्रांकीट नजर नहीं आ रही है, सिर्फगड्ढे ही गड्ढे दिखाई दे रहे हैं। मार्ग में 24 घंटे भारी वाहनों का आवागमन हो रहा है। इससे मार्ग की स्थिति दिन-ब-दिन खराब होते जा रही है। वाहन चालकों को दुर्घटना का भी भय बना रहता है। पानी गिरने से सड़क में फिसलन की स्थिति निर्मित हो रही है। दोपहिया व छोटे वाहन चालक इस मार्ग से गुजरने में कतराने लगे हैं।

बरसात में वाहन चालकों को होगी परेशानी

इस मार्ग से जशपुर, पत्थलगांव, रायगढ़, ओडिशा के वाहन उरगा होते हुए कोरबा पहुंचते हैं। सैकड़ों मालवाहक वाहन इस मार्ग पर आना-जाना करते है। बारिश में कच्ची सड़क होने से भारी वाहनों के फंसने के मामले लगातार सामने आते रहे हैं और वाहन चालकों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। इस साल भी बारिश के पहले सड़क निर्माण पूरा होने की संभावना नजर नहीं आ रही है। इससे बारिश में एक बार फिर भारी वाहनों के फंसने से इनकार नहीं किया जा सकता है। शासन स्तर पर सार्थक पहल नहीं होने से 90 फीसदी तक बन चुकी सड़क में छह किलोमीटर का काम अपूर्ण है।

न्यूज गैलरी

निषाद समाज के लिए बनी ऑनलाइन वेबसाइट

काँकेर। छत्तीसगढ़ निषाद समाज का विकास व उन्नति करने प्रदेश स्तरीय सामाजिक जनगढ़ना ऑनलाइन से मोबाइल पर घर बैठे करने निषाद समाज के साफ्टवेयर इंजीनियर शशिकांत निषाद और तुकाराम निषाद द्वारा वेबसाइट ज़ारी किया गया है।निषाद समाज के प्रदेश संग़ठन सचिव लछूराम निषाद ने जानकारी देते बताया कि निषाद (केवट) जाति के सभी नवयुवा एवं वरिष्ठ युवागण द्वारा दूर संचार माध्यम, सामाजिक समूह, जातीय संगठनात्मक ढांचा के रूप में संगठित होकर निषाद समाज के सर्वांगीण विकास हेतु कृत सकंल्पीत होने का अभियान, जिसमे अधेड़ और प्रौढ़ वय तथा किशोर वय की भी भागीदारी का सक्रीय प्रयास, जिससे समाज की दशा एवं दिशा का निर्धारण हो सके।

छत्तीसगढ़ में निषाद समाज की संख्या 12 लाख : मूलतः छत्तीसगढ़ के लगभग 27 जिलो में फैले तक़रीबन 10-12 लाख की केवट आबादी को केंद्रित करते हुए, उनके सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक एवं राजनैतिक विकास हेतु कार्य योजना बनाना । अनन्य समसामयिक गतिविधियों का भव्य आयोजन, परंपरागत गुहा जयंती समारोह का आयोजन, युवा महोत्सव का विशाल आयोजन एवं प्रासंगिक जनजागृति के प्रयास का आयोजन इत्यादि करना है। जिस निषाद (केवट) जाति के भक्त केवट के द्वारा पाद प्रक्षालन कर श्री राम जी को गंगा पर कराया गया।

जिला चिकित्सालय में मनाया गया विश्वरेडक्रास दिवस

सूरजपुर। कलेक्टर श्री दीपक सोनी के मार्गदर्षनमें 8 मई को जिलाचिकित्सालय के समाकक्ष में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रन साय सिंह की अध्यक्षता एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधिक्षका डॉ. शषि तिर्की की उपस्थिति में विष्वरेडक्रास दिवस मनाया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा उपस्थित जन समुदाय को रेडक्रास सोसायटी की स्थापना के उद्देष्य को बताते हुए जिले में रेडक्रास सोसायटी के वालेन्टीयर्स द्वारा किये जा रहे जन सेवाओ की जानकारी दी। कोविड 19 लाकडाउन में उपयोगी साबित हो रही टेलिमेडिसिन सूरजपुर मेंरेडक्रास वालेन्टीयर्स के सहयोग से बीमार व्यक्तियो के घर पहुँच निःषुल्क दवाईयॉप्रदाय की जा रही है। इंडियन रेडक्रास सोसायटी सूरजपुर के द्वारा कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के रोकथाम में सेवारत अग्रिम पंक्ति के स्वयं सेवकों, रेडक्रास वालेन्टीयर्स का सम्मान ताली बजाकर किया गया।

जिला कार्यालय में स्थापित कोविड-19 नियंत्रण कक्ष 24 घंटे होगी सतत निगरानी

सूरजपुर। कलेक्टर श्री दीपक सोनी के द्वारा कोविड-19 कोरोना वायरस के रोकथाम एवं बचाव से संबंधित गतिविधियों व कार्ये के दौरान विभिन्न विभागों, स्वयं सेवी संगठनों की जानकारी एवं समय-समय पर जारी दिषानिर्देषों को संयुक्त रूप से संकलित कर जानकारी देने के लिए संयुक्त जिला कार्यालय परिसर मे कोविड-19 कक्ष स्थापित किया गया हैं। यहां अलग-अलग पालियों में नियमित रूप से 24 घंटे सातों दिन अधिकारी कर्मचारी उपस्थित होकर सभी गतिविधियों व कार्यो पर निगरानी एवं जानकारी अद्यतन किया जा रहा हैं। इसे 6 जोन में विभाजित किया गया है जिसमें इसके अंतर्गत सभी विभागों के द्वारा प्रतिदिन किये गये कार्यो की जानकारी प्रस्तुत की जा रही है। इससे जिले की समस्त जानकारी एक ही नियंत्रण कक्ष पर उपलब्ध है इसके अलावा सूचना के प्रसारण और जानकारी प्राप्त करने में सुगमता हो रही है। कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने बताया कि केन्द्रीयकृत कक्ष में कोरोना कोविड-19 के रोकथाम एवं सुरक्षा संबंधी सभी विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यवाही को नियंत्रण कक्ष में प्रतिदिन अद्यतन किया जा रहा है। जिसे आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। जो अलग-अलग विभाग की जानकारी को संकलित कर प्रदर्षित किया जा रहा है।

एसईसीएल का मुख्य चिकित्सालय बनेगा आइसोलेशन वार्ड

कोरबा। जिले के ऑरेंज जोन से ग्रीन जोन की ओर बढ़ने के बीच एकाएक जिला प्रशासन द्वारा एसईसीएल कोरबा के मुड़ापार स्थित मुख्य चिकित्सालय को कोरोना आइसोलेशन वार्ड हॉस्पिटल बनाने के लिए अधिग्रहित कर लिया है।

जहां कोरोना संक्रमण के संदिग्ध मरीजों के साथ ही हाई रिस्क वाले व्यक्तियों को भर्ती किया जाएगा। इसके साथ ही इस चिकित्सालय में एसईसीएल कर्मी व उनके परिजनों के लिए ओपीडी व आईपीडी सुविधा बंद कर दी गई है। एसईसीएल प्रबंधन ने कर्मचारियों व उनके आश्रितों के इलाज की व्यवस्था एसईसीएल के बांकी-सुराकछार अस्पताल में की है। एसईसीएल कोरबा पूर्व के क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक ने सकुर्लर जारी करके अस्पताल के अधिग्रहण व इलाज के वैकल्पिक व्यवस्था की जानकारी कर्मियों को दी है। जिले में इससे पहले प्रशासन ने एनटीपीसी के अस्पताल को आइसोलेशन सेंटर बनाया था। जहां 50 बेड की व्यवस्था है। जहां पिछले दिनों कटघोरा के कोरोना हाई रिस्क के व्यक्तियों को भर्ती भी किया गया था। वहीं एसईसीएल हॉस्पिटल के अधिग्रहण किए जाने के बाद आईसोलसन वार्ड में बेड संख्या 160 पहुंच गई है।

आइसोलेशन में बेड संख्या बढ़कर हुई 160

जिले में सबसे पहले जिला अस्पताल में कोरोना आइसोलेशन सेंटर बनाया गया। जहां के वार्ड में 10 बिस्तर की सुविधा है। इसके बाद प्रशासन ने आइसोलेशन सेंटर के लिए डिंगापुर स्थित ईएसआईसी हॉस्पिटल को कोविड-19 हॉस्पिटल के रूप में तैयार किया। जहां वेंटिलेटर व अन्य सुविधा के साथ 50 बेड की सुविधा है। इसके बाद प्रशासन ने एनटीपीसी अस्पताल के 50 बेड का आइसोलेशन सेंटर के लिए अधिग्रहण किया। इस तरह जिले में तीनों अस्पताल को मिलाकर आइसोलेशन सेंटर में 110 बेड उपलब्ध थे। जो अब 160 हो गए हैं।

इलाज के लिए लगानी पड़ेगी 20-22 किमी दौड़

एसईसीएल के कोरबा क्षेत्र में मुड़ापार स्थित मुख्य चिकित्सालय ही सबसे बड़ा अस्पताल है। जहां क्षेत्र के दूसरे विभागीय चिकित्सालय से मरीज रेफर किए जाते हैं। ऐसे में अब प्रशासन द्वारा कोरोना आइसोलेशन सेंटर के लिए उसके अधिग्रहण से एसईसीएल कर्मियों व उनके परिजनों की परेशानी बढ़ जाएगी। उन्हें ओपीडी व आईपीडी में इलाज कराने के लिए शहर से बांकी-सुराकछार जाने के लिए एक ओर 20 से 22 किलोमीटर की दौड़ लगानी पड़ेगी। गंभीर केस में मरीज को एसईसीएल के गेवरा एनसीएच रेफर करना पड़ेगा।

बाहर से मजदूरों के लौटने से पहले तैयारी

एक अधिकारी के मुताबिक जिले में शहर से एक व कटघोरा से 27 कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले थे। सभी ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। कोरोना हॉट स्पॉट बने कटघोरा में 3 सप्ताह से नया केस नहीं आने पर संक्रमण का खतरा लगभग टल गया है। लेकिन इस बीच दूसरे राज्यों में फंसे छत्तीसगढ़ के मरीजों की वापसी की तैयारी शुरू हो गई है। जिले से भी बड़ी संख्या में लोग कमाने-खाने के लिए दूसरे राज्यों में जाते हैं इसलिए दूसरे राज्यों से आने वालों को क्वारेंटाइन सेंटर में रखा जाएगा।

शहर विकास के कई बड़े कार्य बजट में प्रस्तावित, लॉकडाउन हटने के बाद बजट होगा जारी

कोरबा। एमआईसी के पास होने के बाद से बजट को सभा का इंतजार है। नगर निगम में मार्च के अंतिम सप्ताह में बजट जारी होना था। लॉकडाउन की वजह से निगम सभा नहीं कर पा रहा है। लॉकडाउन हटने के बाद ही अब बजट जारी होगा।

गौरतलब है कि कोरबा नगर निगम के पांचवें महापौर राजकिशोर प्रसाद और निगम में कांग्रेस सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला बजट था। यह बजट को खास इसलिए माना जा रहा है क्योंकि पहली बार निगम के साथ-साथ प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार है। इसलिए शहर विकास के कई बड़े कार्य बजट में प्रस्तावित थे।

मार्च के पहले सप्ताह में एमआईसी की बैठक में बजट पास हो चुका है। 30 मार्च को सम्भवतः निगम में सभा होनी थी। हर बार मार्च के अंतिम सप्ताह में बजट जारी होता रहा है। पहली बार कोरोना की वजह से यह प्रथा टूटी है। लगभग सवा महीने की देरी हो चुकी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि अगर मई में लॉकडाउन हट जाता है तो जून के पहले या दूसरे सप्ताह में सभा आयोजित की जा सकती है। हालांकि इधर अब निगम में कामकाज पहले की तरह सुचारु रुप से शुरु होने लगे हैं। लॉकडाउन के नियमों का पालन कराने से लेकर निर्माण कार्यों को शुरु कराया जा रहा है।

अन्य राज्यों से वापस पहुंचे मजदूरों को घंटो इंतेजार करना पड़ रहा स्वास्थ्य परीक्षण के लिए

- **कोरोना सतर्कता केंद्र पहुँचे मजदूरों को घंटों डॉक्टर्स का कारण पड़ रहा इन्तेजार**
- **अव्यवस्था की जानकारी मिलते ही सीएमएचओ स्वयं स्वास्थ्य केंद्र पहुँच व्यवस्था करते दिखे पानी, साबुन व मास्क का**

कोंडागांव। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के चलते पूरे देश मे लॉक डाउन किया गया है। जिससे सभी रोजगार के काम ठप्प हो गए है, और दूसरे राज्यों में अपनी जीवकोपार्जन के लिए गए, मजदूरों को बाहरी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, और राज्य सरकार व जिला प्रशासन भी दूसरे राज्यो में फंसे मजदूरों को वापिस लाने का भरसक प्रयास कर रही है, इसी कड़ी में हैदराबाद से कोंडागांव के प्राथमिक स्वास्थ्य

बीएमओ की जबावदारी होती है - सीएमएचओ डॉ. कुँवर

सीएमएचओ कोंडागांव ने बताया कि यहाँ बाहर से जो भी मजदूर आते है, व्यवस्था बीएमओ की होती है, वह नही आये है, हालांकि आरएमओ व आयुर्वेदिक चिकित्सक द्वारा व्यवस्था कर दी गयी है, और अब अव्यवस्था नही होगी, दूसरा सवाल की बीती रात भी 10 बजे तक सीएमएचओ पीएचसी आकर मजदूरों का परीक्षण करवाते रहे और आज भी स्वयं आकर व्यवस्था की गई, बीएमओ व कोरोना नोडल की जिम्मेदारी निभा रहे डॉक्टर की लापरवाही पर उन्होंने बताया कि नोडल अधिकारी डॉ आर के सिंह को समझाया जाएगा। और अब आगे से किसी को कोई परेशानी नही होगी।

केंद्र पहुँचे मजदूरों को घंटों डॉक्टर्स और पानी,व अन्य जरूरी सामानों का इंतज़ार करना पड़ रहा है।

जिसकी शिकायत मिलने के बाद सीएमएचओ कोंडागांव ने स्वयं स्वास्थ्य केंद्र पहुंच पानी, साबुन व अन्य जरूरी सामान की व्यवस्था करते नजर आए।

जानकारी अनुसार कोंडागांव जिले से दूसरे राज्यों में रोजगार करने गए, मजदूरों में से हर दिन कोई ना कोई मजदूर वापिस आ रहे है, इसी कड़ी में 09 मई को 06 मजदूर हैदराबाद से वापस आये, जिनका रैपिट किट से कोरोना परीक्षण कर स्थानीय क्वारन्टीन स्थल में रखा गया, 10 मई को सुबह 07 बजे कर्नाटक से पहुँचे 5 मजदूरों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोंडागांव में भटकते देखा गया, मौके पर ना कोई डॉक्टर दिखे और ना ही पानी और साबुन की व्यवस्था दिखी, इस तरह की लापरवाही से अप्रिय घटना कभी भी घट सकती है।वही बीएमओ डॉ आरके सिंह कोरोना के नोडल अधिकारी भी है,बावजूद अस्पताल में हेंडवास और पीने के लिए पानी आदि की व्यवस्था तक न होना कोरोना को लेकर स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही साफ नजर आती है।

कांकेर जिले में 65 ''नरवा'' का ट्रीटमेन्ट कार्य

- **सीईओ ने तीन किलोमीटर पैदल चलकर नरवा में बनाये जा रहे स्ट्रक्चर, ब्रशवुड, गैवियन स्ट्रक्चर, लुज बोल्डर चेक निर्माण कार्यो की गुणवत्ता का निरीक्षण किया -**

कांकेर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरूवा, घुरूवा व बाड़ी योजना का क्रियान्वयन कांकेर जिले मे बेहतरीन तरीके से किया जा रहा है। जिले में 65 नरवा का ट्रीटमेन्ट किया जा रहा है, जिसके तहत नरवा में ब्रशवुड, गली प्लग, लुज बोल्डर सहित उद्गम क्षेत्र में पौधारोपण व गैवियन स्ट्रक्चर, स्टापडेम व पूर्व में निर्मित स्ट्रक्चरों की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। जिला पंचायत के सीईओ डॉ संजय कन्नौजे द्वारा जिले के सभी विकासखण्डों के दूरस्थ गांवों में लगातार औचक निरीक्षण कर गोठान व चारागाह निर्माण का निरीक्षण तथा नरवा, गरूवा, घुरूवा व बाड़ी के कार्यो की मॉनिटरिंग किया जा रहा है।

इसी कड़ी में जिला पंचायत के सीईओ डॉ संजय कन्नौजे ने नरहरपुर विकासखण्ड देवगांव के ''झुरा नरवा'' में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राप पंचायत सरपंच व स्थानीय लोगों के साथ झुरा नरवा के उदग्म स्थल तक तीन किलोमीटर पैदल चलकर नरवा में बनाये जा रहे स्ट्रक्चर, ब्रशवुड, गैवियन स्ट्रक्चर, लुज बोल्डर चेक निर्माण कार्यो की गुणवत्ता का निरीक्षण किया तथा झुरा नाला में पहले से बने स्ट्रक्चर को मरम्मत करने के निर्देश दिये, ताकि बरसात के बाद भी पानी रूक सके। झुरा नाला का उद्गम सिहारी जंगल नाला से हुआ है जिसकी कुल लम्बाई 16.4 किलोमीटर है। यह नरवा सात गांवो-देवगांव, सिहारीनाला, मासुलपानी, राजपुर, ढोढरापहर, खदरवाही, दबेना से होकर गुजरती है। जिसका कुल कैचमेन्ट एरिया 6839 हेक्टेयर है। इस नरवा का उद्गम से लेकर नदी में मिलते तक पूरी तरह से ट्रीटमेंट किया जा रहा है, जिसके तहत इसमें 35 ब्रशवुड 18 गली प्लग, 11 लुज बोल्डर, उद्गम क्षेत्र में पौधारोपण, 34 गैवियन स्ट्रक्चर, स्टापडेम व पूर्व में निर्मित स्ट्रक्चरों की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। इस नरवा का ट्रीटमेंट होने से नरवा से मिट्टी का कटाव रूकेगा और नरवा में साल भर पानी रहेगा। इससे आस-पास के गांवों में जल स्तर बढ़ेगा, जिससे ग्रामीणों को निस्तारी में सुविधा मिलेगी, साथ ही पशुओं को पीने का पानी मिलेगा।

उत्कृष्ट लघुवनोपज संग्रहकों को मिलेगा पुरस्कार : नितिन पोटाई

कांकेर। जिला वनोपज संघ के अध्यक्ष नितिन पोटाई ने बताया कि लघु वनोपज के प्रबंधन, विकास, व्यापार, संरक्षण, विनाशविहीन, विदोहन, गुणवत्ता सुधार, प्रसंस्करण एवं मूल्यसंवर्धन आदि के क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्यो एवं नवाचार करने वाले जिला यूनियन, प्राथमिक लघु वनोपज समिति एवं फड़ मुंशी, कोषक अधिकारी, वनरक्षक, समिति प्रबंधक व उप प्रबंध संचालक, वनोपज संघ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने के उद्देश्य से ''लघु वनोपज उत्कृष्टता सम्मान'' प्रदान करते हुए नगद राशि तथा प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा। नितिन पोटाई ने कहा कि तेदूपत्ता संग्रहण सीजन 2020 में संग्रहण लक्ष्य 38,100 मानक बोरा को पार करने का हर संभव प्रयास किया जायेगा। उन्होंने बताया कि बीते कुछ सालों में तेन्दूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य पूर्ण नहीं हो पा रहा था अतः संग्रहण लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए कई प्रभावी कदम उठाये गये है । इसमें लघु वनोपज उत्कृष्टता सम्मान भी शामिल है। इसके तहत उत्कृष्ट संग्रहण करने वाली प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति का 25 हजार पुरस्कार दिया जाएगा।

पहल | भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र में 2 करोड़ 61 लाख की लागत से लगाये जायेंगे 73 हाई मास्क लाइट

विधायक के प्रयास से रौशन होगा क्षेत्र का चौक-चौराहा

बैकुंठपुर। सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व राज्य मंत्री गुलाब कमरो के विशेष प्रयास से अब जल्द ही बड़े शहरों की तर्ज पर सोनहत भरतपुर विधानसभा छेत्र के चौक चौराहे भी रात में हाई मास्क सोलर लाइट से जगमगाएंगे। क्रेडा विभाग द्वारा विधान सभा क्षेत्र के 70 स्थानों पर हाई मास्क लाइट लगाया जायेगा । विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इन सोलर हाई मास्क लाइट के लिए लगभग 2 करोड़ 61 लाख रुपए के आस पास की स्वीकृति मिलने की जानकारी मिली है, एक सोलर हाई मास्क लाइट लगाने की लागत लगभग 3 लाख 37 हजार रुपए है। इसके लग जाने से राहगीरों को आने-जाने में सुविधा होगी। वहीं अंधेरे में असामाजिक तत्वों का डेरा लगने पर भी अंकुश लगेगा।

जिला पंचायत सदस्य ने विधायक से किया था मांग: पहले रात में बिजली गुल होने पर सड़कों पर पूरी तरह अंधेरा छा जाता था। जिसके मद्दे नजर जिला पंचायत सदस्य ज्योत्स्ना राजवाड़े की मांग पर विधायक गुलाब कमरो ने तत्काल संज्ञान लेते हुए तत्काल हाई मास्क लाइट की स्वीकृति कराई यह हाई मास्क लाइट सोलर से संचालित होगा। जिससे बिजली नही होने पर भी, यह लोगों को पर्याप्त रोशनी देगा। विधान सभा के 70 स्थानों पर यह लाइट लगने की खबर से क्षेत्रवासी उत्साहित हैं। उनका कहना है कि जल्द से जल्द इस काम को पूरा कर लिया जाए। जिससे यहां के लोगों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाए।

सोनहत में इन स्थानों पर लगेगा हाई मास्क

सोनहत विकासखण्ड में ग्राम पंचायत कछार दुर्गा मंदिर के पास ,ग्राम पंचायत रजौली में स्कूल के पास, ग्राम पंचायत सिंघोर में स्कूल के पास ,ग्राम पंचायत ओदारी में अटल चौक के पास, ग्राम पंचायत रामगढ़ तिराहे के पास, मढौरा में तिराहा के पास ग्राम पंचायत बोढ़ार में ,ग्राम पंचायत कटगोड़ी ,सलगवा कला सोनहत से रामगढ़ के मध्य आमा पानी हनुमान मंदिर के पास , नटवाहि गंगी रानी मंदिर के पास भैसवार में चौक के पास सौर ऊर्जा चलित हाई मास्क सोलर लगाए जाएंगे ।

संवेदना द्वारा झूलन दाई मंदिर के पास सफाई अभियान

महासमुंद। ग्राम खरोरा के झूलन दाई मंदिर के पास सामाजिक संस्था संवेदना द्वारा मंदिर परिसर की सफाई की गई।कोरोना संक्रमण से बचने गाँव के लोगो को जागरूक कर संवेदना संस्था द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जागरूक लोगो द्वारा लॉंक डाउन का उपयोग ग्रामीण परिवेश को साफकरने में किया जा रहा है। संवेदना समूह के जितेंद्र कुमार चंद्राकर ,ओम प्रकाश चंद्राकर,मनीष चन्द्राकर,मेमन चंद्राकर ,मुकेश चंद्राकर के साथ सफाई अभियान में उप सरपंच श्री मती हेमलता चंद्राकर, ग्रामीण लछ्वंतिन यादव कृष्णा चंद्राकर ,कुमारी, संतोषी व लता द्वारा भी सहयोग प्रदान किया गया।

पालिका अध्यक्ष ने किया बोर खनन का भूमि पूजन

महासमुंद। 10 मई, गर्मी बढ़ते ही लोगों को निस्तारी की समस्या को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर द्वारा पिटियाझर में बोर खनन का भूमि पूजन किया गया। तेज गर्मी के कारण तालाब के घटते जल स्तर से निस्तारी की समस्या उत्पन्न हो गई है। जिस पर पिटियाझर वार्ड नंबर 12 के पार्षद डमरूधर मांझी सहित नागरिकों ने एक लिखित आवेदन देकर नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर को निस्तारी समस्या बताई है। इस समस्या का संज्ञान लेते हुए पालिका अध्यक्ष ने रविवार को मर्रापारा तालाब का निरीक्षण कर तत्काल बोर मशीन को खनन के लिए मौके पर लगाने का आदेश दिया। और भूमि पूजन कर खनन कार्य शुरू किया गया। इस दौरान पालिका अध्यक्ष ने जल प्रभारी को खनन कार्य के बाद तत्काल उक्त बोर में मोटरपंप लगाकर तालाब भरने के निर्देश दिए हैं। जिससे कि लोगों की निस्तारी समस्या को दूर किया जा सके। इस दौरान पालिका अध्यक्ष ने वार्डवासियों से कहा कि वार्ड के अनेक हिस्सों में पाइपलाइन विस्तारीकरण किया जा चुका है। शेष अन्य चिन्हित हिस्सों में भी पाइपलाइन बिछाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अलग अलग वार्डो में पाइपलाइन का कार्य जारी है। जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। बता दें, कि तेज गर्मी व बढ़ते तापमान के कारण तालाबों का जल स्तर दिनों दिन घटते जा रही है। जिससे लोगों के समक्ष निस्तारी की समस्या भी बढ़ने लगी है। पानी की कमी के साथ निस्तारी की समस्या से राहत के लिए तत्कालिक बोर खनन से तालाब भरने की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर सभापति राजेन्द्र चंद्राकर, पार्षद रिंकू चंद्राकर, पूर्व पार्षद अरविंद प्रहरे, पूर्व युवा आयोग सदस्य प्रशांत श्रीवास्तव, खोमन साहू, नारायण साहू, राधेश्याम यादव, नरोत्तम, नारायण पटेल, उमेश, कामता, पवन साहू, भुवन चंद्राकर आदि उपस्थित थे।

अन्य राज्यों में फंसे श्रमिकों एवं नागरिकों को ट्रेन से लाने की कार्रवाई प्रारम्भ

महासमुंद। राज्य में फंसे श्रमिक एवं व्यक्ति जो अपने निवास के गृह राज्य में वापस जाना चाहते हैं (स्वयं के साधन से जाने वाले पास हेतु आवेदन करने वालों को छोड़कर) के पंजीयन के लिए सभी जिलों में एकरूपता के लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन बनाया गया है। कलेक्टर कार्यालय में विगत कुछ दिनों से छत्तीसगढ़ राज्य में फंसे अपने निवास के राज्यों में वापस जाने के इच्छुक श्रमिकों एवं व्यक्तियों का आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। कलेक्टर कार्यालय के द्वारा स्वीकार किए गए उक्त सभी आवेदनों को अपलोड किया जा रहा है। इसके लिए ऑनलाइन पंजीयन की व्यवस्था 11 मई 2020 से आमजनों के लिए भी खोला जाएगा। 29 अप्रैल 2020 से श्रमिकों, व्यक्तियों से प्राप्त किए गए आवेदनों को 11 मई 2020 के पूर्व अनिवार्यतः अपलोड करने को कहा गया है। इसी प्रकार नवीन प्राप्त होने वाले आवेदनों को भी ऑनलाइन पंजीयन प्रविष्टि किया जाए।

कोरोना से जंग जीत कर लौटे तीन योद्धा

- कबीरधाम जिले के तीन व्यक्ति स्वस्थ्य होकर आज कवर्धा वापस लौटे, रायपुर एम्स में चल रहा था इलाज

एम्स से स्वस्थ्य होकर लौटे तीन लोगों का कवर्धा के इंद्रलोक में हुआ भव्य स्वागत

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। कबीरधाम जिले के 6 कोरोना पाजेटिव मरीजों में से 3 लोग पूर्ण स्वास्थ्य होकर आज शनिवार की रात कवर्धा वापस लौट आए है। स्वास्थ्य होकर लौटने के बाद कवर्धा के इन्द्रलोक भवन (क्वारेन्टीन सेंटर) में तीनो का भव्य स्वागत हुआ। इन सभी को एम्स रायपुर के एम्बुलेंस कवर्धा छोड़ने आए एम्बुलेंस पायलट का भी स्वागत किया गया। इन सभी का कलेक्टर श्री अवनीश कुमार शरण, जिला पंचायत सीईओ श्री विजय दयाराम के, अतिरिक्य पुलिस अधीक्षक श्री अनिल सोनी, स्वास्थ्य विभाग की डीपीएम श्रीमती नीलू घृतलहरे सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने इन सभी का ताली बजाकर स्वागत और अभिनन्दन किया।

रायपुर एम्स में इन तीनो का इलाज चल रहा था। 3 मई को जिले के 6 लोगों का कोरोना पाजेटिव की रिपोर्ट आने के बाद सभी को बेहतर उपचार के लिए रायपुर में रिफर किया गया था।

स्वास्थ्य होकर लौटे सभी ने एम्बुलेंस से उतरे हुए सभी का अभिवादन किया। अनिता (परिवर्तित नाम) ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि हम लोगों को जब पता चला था कि हमे महामारी नामक एक बीमारी से घर कर लिया है तब सब डर गए थे। लेकिन जिस तरफ से जिला प्रशासन द्वारा उपचार के लिए जल्दी रायपुर भेजा गया, तब अच्छा लगा। रायपुर में हम सबका बहुत अच्छे ढंग से इलाज हुआ। इतनी जल्दी ठीक होकर लौटे है बहुत अच्छा लग रहा है।

कलेक्टर श्री शरण ने बताया की एम्स से कबीरधाम जिले के तीन लोग ठीक होकर वापस लौटे है। प्रोटोकॉल के अनुसार इन तीनो को 14 दिनों की कवर्धा के इंद्रलोक भवन क्वारेन्टीन सेंटर में ठहराया जाएगा। उन्होंने बताया कि शेष तीन लोग भी जल्द स्वस्थ्य होकर लौटेंगे।

प्रभारी मंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से की समीक्षा

- गांव में आगंतुकों की जानकारी हेतु सरपंच, पटवारी और पंचायत सचिव को सौपे जिम्मेदारी

गरियाबंद। प्रदेश के लोक निर्माण, गृह, जेल, धार्मिक न्यास, धर्मस्व, पर्यटन मंत्री तथा गरियाबंद जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू ने आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने कोरोना वायरस के संक्रमण से रोकथाम, लॉकडाउन एवं कानून व्यवस्था की स्थिति तथा अन्य प्रदेशों से आने वाले मजदूरों के क्वारेंटाईन की व्यवस्था, मजदूरों को रोजगार उपलबध्ता आदि की समीक्षा की। जिला कार्यालय के स्वॉन वीडियो कान्फ्रेसिंग कक्ष में कलेक्टर श्याम धावड़े, पुलिस अधीक्षक बी.आर. पटेल, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार लंगेह, अपर कलेक्टर जे.आर. चौरसिया, एएसपी सुखनंदन राठौर, सीएमएचओ डॉ. एन.आर. नवरत्न, सिविल सर्जन डॉ. जी.एल. टंडन, डिप्टी कलेक्टर अनुपम आशीष टोप्पो, जिला आबकारी अधिकारी सोनल नेताम, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री जाटव, एसडीओ आर.आर ध्रुव, श्रम पदाधिकारी डी.एन. पात्र, नगर पालिका के सीएमओ संध्या वर्मा और डीपीएम डॉ रीना लक्ष्मी उपस्थित थी।

प्रभारी मंत्री श्री साहू ने जिले में कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम व नियंत्रण के लिए की गई अब तक की व्यवस्था के लिए अधिकारियों को बधाई देते हुए आने वाले समय के लिए भी पुरी तैयारी रखने कहा। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में गांव से बाहर गये मजदूरों की जिले में वापसी की संभावना को ध्यान में रखते हुए गांव में आगंतुकों के निगरानी के लिए सरपंच, सचिव और पटवारी को जिम्मेदारी सौपी जाए। इनके द्वारा गांव में कोई भी व्यक्ति की आगमन की जानकारी तत्काल संबंधित तहसीलदार व थानेदार को दिया जाए।

मरीज की जान बचाने पुलिस ने किया रक्तदान

लवन। अपराधियों में भय पैदा करने वाले पुलिस का एक चेहरा ऐसा भी है जिसे शायद ही आपने देखा होगा पुलिस ने इंसानियत की एक ऐसा मिसाल पेश की है जिसकी हर कोई तारीफ कर रहा है। दरअसल खोरसुला बिलाईगढ़ में बचपन से अपने नाना राम नारायण साहू के घर रह रही चंदा साहू उम्र 15 वर्ष को खून की कमी के कारण तबीयत खराब हो जाने पर इलाज के लिए जिला अस्पताल में 5 मई दिन मंगलवार को भर्ती कराया गया था जिसको ए पॉजिटिव ब्लड की अति आवश्यक थी लाक डाउन होने के कारण ब्लड के नहीं मिलने से उसके परिजन काफी परेशान थे। ए पॉजिटिव ब्लड की अति आवश्यकता होने की जानकारी जैसे ही अनुविभागीय अधिकारी पुलिस में पदस्थ रीडर सहायक भूपेश यादव को लगा तो तत्काल जिला अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया पुलिस जवान भूपेश यादव ने बताया कि इससे पहले भी 8 बार जरूरतमंदों के लिए रक्तदान किया गया है। इस पुलिस के द्वारा पेश की गई मानवता की इस मिसाल की हर कोई तारीफकर रहा है।

रेडक्रॉस दिवस मनाया गया

गरियाबंद। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर गरियाबंद जिले में भी यह दिवस मनाया गया । इस अवसर पर अध्यक्ष, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा गरियाबंद कलेक्टर श्री श्याम धावड़े तथा सचिव एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 एन.आर.नवरत्न के समक्ष विकासखंड छुरा के खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.पी. प्रजापति के प्रयास से 60 हजार रूपये जमा की गई । इस दौरान श्री देवसिंह रात्रे छुरा द्वारा 25 हजार रूपये इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा गरियाबंद में जमा करके रेडक्रॉस सोसायटी शाखा जिला गरियाबंद के प्रथम संरक्षक सदस्य बने। अब तक विकासखंड छुरा में डॉ. एस.पी. प्रजापति के प्रयास से 59 सदस्य बनाये गये हैं जिसकी अभी तक कुल राशि 83 हजार रूपये इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा गरियाबंद में जमा की गई। उक्त कार्य में डॉ. एस.पी. प्रजापति खंड चिकित्सा अधिकारी छुरा, शीतल ध्रुव समाजसेवी, हेमंत कंसारी का विशेष योगदान शामिल है।

रेल लाइनों में आरपीएफ ने लगाये अपने जवान

भाटापारा। लाक डाउन के चलते यातायात के सभी साधनो के बंद हो जाने के कारण प्रवासी श्रमिको के द्वारा अपने राज्यो,घरो में जाने पैदल निकलने की सूचना के बीच रेल प्रशासन ने रेलवे ट्रैक पर आर पी एफको तैनात कर दिया है ताकि कोई मजदूर किसी हादसे का शिकार ना हो सके।

महाराष्ट्र के ओरेंगाबाद में 16 मजदूरो की ट्रैन से कटने से हुई मौत ने पुरे हिंदुस्तान को झकझोर कर दिया है। इस प्रकार की घटना की पुनरावृति ना हो इसके लिए रेलवे ने अपनी सुरक्षा एजेंसियों को सजग कर दिया है। विदित हो की पुरे हिन्दुस्थान में लाक डाउन के चलते सभी प्रकार के यातायात साधन को पूर्णतया बंद कर दिया गया है।साधन बंद होने और अपने घरो में जाने की हठ के चलते विभिन्न राज्यो में फंसे श्रमिक, मजदूर अपने अपने घरो में जाने अब अपने कार्यस्थल से निकल कर पैदल ही अपने राज्यो में जाने बहुतायत की संख्या में अलग अलग स्थानों से निकलने की सूचना मिल रही है चुकी श्रमिको को रास्ते का ज्ञान ना होने के कारण उनके द्वारा रेल लाइन पकड़कर अपने राज्यो की सीमा में पहुँचने की जानकारी खुरफिया तंत्र को मिल रही है। ऐसे में शहर थानेदार महेश कुमार धुव, आरपीएफ पोस्ट प्रभारी कर्मपाल सिंह गुर्जर ने भाटापारा स्टेशन पहुँचने वाली रेल लाइनों का लम्बी दुरी तक का निरीक्षण किया।

आरपीएफ प्रभारी केपीएस गुर्जर ने बताया की लाक डाउन के यात्री ट्रैन बंद हो गई है और प्रवासी श्रमिक रेल लाइन पकड़कर अपने घरो में जाने के चक्कर में किसी हादसे का शिकार ना हो जाये,इसकारण पुरे रेल लाइनों में सुरक्षा की दृस्टि से जवानो को तैनात कर दिया गया। बताया जाता है की महाराष्ट्र के ओरेंगाबाद में 16 मजदूरो की पेट्रोलियम ले कर जा रही मालगाड़ी से कटने से मौत हो गई थी। इतने मजदूरो की एक साथ मौत ने केंद्र सरकार को झकझोर दिया था और पुरे देश में इस प्रकार की घटना को रोके जानें की आवाज बुलन्द हो गई थी। शहर थानेदार महेश धुव ने बताया की अन्य राज्यो में फंसे प्रवासी मजदूरो को लेकर श्रमिक स्पेशल ट्रैन भी आने वाली है जिसकी तैयारी को लेकर और आने वाले मजदूरो को जाँच पड़ताल हेतु ले जाये जाने को लेकर निरीक्षण किया गया।

छत्तीसगढ़ के फंसे मजदूरों के आने जाने के लिए आज लांच होगा पोर्टल

भाटापारा। राज्य सरकार द्वारा लॉक-डॉउन की अवधि के दौरान छत्तीसगढ़ में दूसरे राज्यों के फंसे मजदूरों एवं अन्य लोगों के मदद के लिए एक पोर्टल लांच करने के तैयारी कर रही है। इस पोर्टल की लाचिंग श्रम विभाग के द्वारा आज 11 मई को किया जायेगा। इस पोर्टल के माध्यम से छत्तीसगढ़ में फंसे कोई भी मजदूर एवं व्यक्ति अपनी विस्तृत जानकारी http:-cglabobour.nic.in/covid_v9 login page asp&. इस लिंक के माध्यम से पंजीकृत कराए जा सकते है।प्रशासन ने लोगो से आग्रह किया है की इस लिंक में केवल वही लोग पंजीयन कराए जो इस राज्य से बाहर है और अपने गृह राज्य आने के इच्छुक है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

संकट में भी मांगे नहीं...

के निरस्त किए गए कोल ब्लाको में से कुल 8 पूर्व कोल ब्लाक आबंटितियों से कोयला खानों से निकाले गए कोयले के एवज में 295 रुपए प्रति मीट्रिक टन की दर से राशि भारत सरकार के कोयला खान मंत्रालय द्वारा अतिरिक्त लेवी के रूप में जमा कराई गई है। यह राशि लगभग 4140.21 करोड़ रूपए से भी अधिक है। इस राशि को राज्य हित में देने का आग्रह किया गया था, परंतु आज पर्यन्त भारत सरकार कोयला मंत्रालय द्वारा इस संबंध में की गई कार्रवाई की जानकारी अप्राप्त है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला भी दिया :

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में भारत सरकार कोयला मंत्रालय द्वारा 27 अगस्त 2015 के पत्र के संबंध में राज्य सरकार के मत का उल्लेख करने के साथ ही इस संबंध में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश का उल्लेख भी किया है। इसमें कहा है कि निर्धारित व वूसल की गई अतिरिक्त लेवी अंततः राज्य सरकार को देय होनी चाहिए।

पत्र में संविधान के प्रावधानों का भी जिक्र :

मुख्यमंत्री ने भारत के संविधान के अनुच्छेद के विभिन्न प्रावधानों, खान एवं खनिज अधिनियम 1951, खनिज रियायत नियम 2016 के नियमों एवं छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों का भी अपने पत्र में विस्तार से उल्लेख किया है। कहा है कि राज्य सरकार का स्वामित्व होने तथा खनिजों पर राज्य शासन के पक्ष में रायल्टी, लेवी एवं अन्य कर वसूलने का प्रावधान है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि संविधान में उल्लेखित प्रावधानों तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित विभिन्न आदेशों से यह स्पष्ट है कि पूर्व कोल ब्लाक आबंटितियों से 295 रूपए प्रति मीट्रिक टन की दर से भारत सरकार कोयला मंत्रालय द्वारा जमा कराई गई अतिरिक्त लेवी की राशि छत्तीसगढ़ राज्य शासन के हक की राशि है।

...तो और अधिक मजबूती से निपटेंगे महामारी से

मुख्यमंत्री ने कहा है कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए पूरे देश सहित छत्तीसगढ़ में बीते डेढ़ माह से लॉकडाउन है। कोरोना महामारी से छत्तीसगढ़ राज्य भी प्रभावित है। राज्य में इसकी रोकथाम के लिए कई सुरक्षात्मक उपाय लागू किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य शासन के हक की अतिरिक्त लेवी राशि उपलब्ध कराए जाने से वैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम एवं इससे उत्पन्न स्थिति से प्रदेश की जनता के हित में और अधिक मजबूती से कार्य किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय कोयला खान मंत्री से अतिरिक्त लेवी की राशि लगभग 4140.21 करोड़ रूपए को राज्य हित में यथाशीघ्र उपलब्ध कराए जाने की कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

अशोक चतुर्वेदी और...

सदस्यों ने कपटपूर्वक जालसाजी से तैयार और झूठी निविदाओं पर फैसला लिया और होप इंटरप्राइजेस को करोड़ों का काम दिया। उन्होंने बताया कि इस टेंडर में चार आवेदक बताए गए, लेकिन जांच में साबित हुआ कि होप इंटरप्राइजेस को काम देने के लिए बाकी फर्मों के नाम से झूठी निविदाएं पेश की गईं, जिनमें कागजात भी जालसाजी से बनाए गए, नकली बिजली बिल बनाए गए, बिजली बिल छाप लिए गए, निविदाकारों की ओर से दस्तखत भी नहीं किए गए और इन फर्मों की तरफसे जो ईएमडी और बैंक ड्रॉफ्ट लगाए गए वे भी होप इंटरप्राइजेस के कर्मचारी बृजेन्द्र तिवारी के द्वारा पेश किए गए।

जीपी सिंह ने बताया कि इन फर्मों की ओर से कोई भी टेंडर भरा नहीं गया था, बल्कि होप इंटरप्राइजेस को मनमानी दरों पर न्यूनतम दर वाला घोषित करने के लिए टेंडर कमेटी ने ही यह साजिश की। जिन फर्मों के नाम से टेंडर शामिल किए गए, उनके कागजात पूरी तरह से जालसाजी से बनाए गए और होप इंटरप्राइजेस को साढ़े छह करोड़ से अधिक का काम दिया गया। एसीबी ने टेंडर कमेटी या तकनीकी कमेटी के सारे ही सदस्यों को इस जालसाजी में शामिल पाया है और उन पर आपराधिक साजिश करने, जालसाजी करने, शासन को धोखा देने की कई धाराओं के तहत जुर्म कायम किया गया है। इन अधिकारियों के अलावा होप इंटरप्राइजेस का कर्मचारी बृजेन्द्र तिवारी भी आरोपी बनाया गया है।

पूर्व सीएम जोगी कोमा में...

वक्त तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। जिसके चलते उन्हें राजधानी के नारायणा अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। बाद में उनके बेटे अमित जोगी ने बताया था कि उन्हें हार्ट अटैक आया है। उनके स्वास्थ्य को लेकर यह भी बताया जा रहा है कि उनके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया है।

सैप्टिक टेंक में गिरे...

बचाने के लिए टैंक में कूद गए। दोनों अंदर गिरकर तड़पने लगे। इस पर आसपास के लोग पहुंचे। लेकिन सैप्टिक टैंक के अंदर गैस आ जाने के कारण पिता-पुत्र दोनों की दम घुटने से मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव मे मातम छा गया है।

श्रमिकों को ले जा रहा...

मार्ग पर पाठा गांव के समीप अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकराकर पलट गया। सभी घायल श्रमिकों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लॉकडाउन के चलते ये श्रमिक ट्रक से अपने घर लौट रहे थे। पुलिस अधीक्षक गुरूकरन सिंह ने बताया कि सभी मृतकों का पोस्टमार्टम हो गया है। मृतकों के शव सड़क मार्ग से उनके गांव पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है।

सीएम शिवराज ने जताया शोक

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नरसिंहपुर जिले में एक ट्रक हादसे में पांच श्रमिकों की मृत्यु पर शोक जताते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। चौहान ने ट्वीट कर कहा 'नरसिंहपुर में ट्रक पलटने से हुए हादसे में कई अनमोल जिंदगियों के असमय काल कवलित और घायल होने के समाचार से अत्यंत दुखी हूं। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। विनम्र श्रद्धांजलि। घायलों के समुचित इलाज एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए मौके पर प्रशासन के उच्च अधिकारी उपस्थित हैं। मैं ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की करबद्ध प्रार्थना करता हूं।'

लॉकडाउन अनलॉक होगा...

एम्स के निदेशक तो ये तक कह चुके हैं कि अभी भारत में कोरोना के सबसे अधिक मामले का सामने आना अभी बाकी है। उन्होंने जून-जुलाई में सबसे अधिक आफत आने की बात कही है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- रविशंकर शुक्ला*
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

जब 8 साल की आलिया भट्ट ने बताया था अपना फ्यूचर

सोशल मीडिया पर आलिया की पुरानी वीडियो वायरल हो रही है. वीडियो में आलिया भट्ट सिर्फ 8 साल की हैं. ये शो जीना इसी का नाम है का वीडियो है. वीडियो में वो कह रही हैं कि उन्हें एक एक्ट्रेस बनना है.

नई दिल्ली (वार्ता)। शाहरुख खान की फिल्म ओम शांति ओम का डायलॉग है- कहते है अगर किसी चीज को दिल से चाहो तो पूरी कायनात उसे तुमसे मिलाने की कोशिश में लग जाती है. अब कहने को तो ये एक फिल्मी डायलॉग है, लेकिन ऐसी ही कुछ जिंदगी है आलिया भट्ट की जो आज बॉलीवुड की बड़ी एक्ट्रेस मानी जाती हैं.

8 साल की आलिया का वीडियो वायरल

सोशल मीडिया पर आलिया की पुरानी वीडियो वायरल हो रही है. वीडियो में आलिया भट्ट सिर्फ 8 साल की हैं. ये शो जीना इसी का नाम है का वीडियो है. वीडियो में एंकर सुरेश ओबेरॉय 8 साल की आलिया से पूछते हैं कि वो क्या बनना चाहती हैं, इस सवाल पर आलिया तुरंत कह देती हैं- मैं एक्ट्रेस बनूंगी. उस वीडियो में आलिया का विश्वास देखते ही बन रहा है. जिस उम्र में बच्चों को ये नहीं पता होता कि क्या सही है और क्या गलत है, तब आलिया के मन में साफ था कि उन्हें एक बड़ी एक्ट्रेस बनना है.

आलिया की वजह से शराब छोड़ी- महेश भट्ट

वैसे वीडियो में आलिया की बहन शाहीन भट्ट भी दिखाई दे रही हैं. शाहीन ने तो उस उम्र में भी एक्ट्रेस या डायरेक्टर बनने से मना कर दिया था. उन्होंने साफ-साफ शब्दों में कहा था कि वो फिल्म इंडस्ट्री ज्वाइंन नहीं करेंगी. वो एक राइटर बनना चाहती थीं. अब आज की बात करें तो शाहीन एक राइटर भी हैं और उन्होंने किताब भी लिखी है.

शो में महेश भट्ट भी अपनी जिंदगी का वो किस्सा बता रहे हैं जिसके चलते उन्होंने शराब पीना छोड़ दिया. उनके मुताबिक उन्होंने आलिया की वजह से शराब पीना छोड़ा था. वो याद करते हैं- जब मैं पहले बहुत शराब पीता था, तब मैंने एक बार आलिया को अपनी गोद में लिया था, लेकिन उसने बदबू के चलते मुंह फेर लिया. ये रिजेक्शन मुझे बर्दाश्त नहीं हुआ और मैंने शराब पीना छोड़ दिया.

वर्क फ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाली हैं. वो रणबीर कपूर संग ब्रह्मास्त्र में काम कर रही हैं. साथ ही वे संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में भी नजर आएंगी.

लॉकडाउन में शाहरुख खान ने फैंस को दिया ये टास्क

तीन विजेताओं को खुद करेंगे वीडियो कॉल

शाहरुख खान ने शनिवार को अपने आने वाली वेब प्रोडक्शन हॉरर सीरीज 'बेताल' के लॉन्च से पहले लॉकडाउन के बीच लोगों के लिए एक दिलचस्प टास्क की घोषणा की है. वह चाहते हैं कि लोग 'डरावनी' इनडोर फिल्में बनाएं. तीन विजेताओं को सुपरस्टार के साथ वीडियो कॉल पर बात करने का मौका मिलेगा. पहल की जानकारी साझा करते हुए एसआरके ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'चूंकि हम सभी को क्वारंटीन के दौरान अपने हाथों में थोड़ा वक्त मिला है, मैंने सोचा कि हम सभी को थोड़ा सा काम करना चाहिए.. वह भी मजेदार, रचनात्मक और डरावना तरीके से.' उन्होंने आगे लिखा, 'डरावने तत्व के साथ एक डरावनी इनडोर फिल्म बनाने का विचार कैसा रहेगा.' लोग अपने काम को टीम डिजिटल रेड चिलिज डॉट कॉम पर 18 मई तक भेज सकते हैं. भेजी गई सामग्रियों को 'बेताल' के सह-निर्देशक पैट्रिक ग्राहम, कास्ट के सदस्य विनीत कुमार और अहाना कुमरा और रेड चिलिज एंटरटेनमेंट और शो के निर्माता गौरव वर्मा देखेंगे. शाहरुख ने कहा, 'भूत भी अपनी एंट्री भेज सकते हैं.' इस परियोजना में एसआरके की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट, नेटफ्लिक्स, एसके ग्लोबल और ब्लमहाउस प्रोडक्शंस एक साथ सहयोग कर रहे हैं. लॉकडाउन के कारण जहां फिल्म की शूटिंग के साथ साथ कई बड़ी फिल्मों की रिलीज भी टल गई है तो वहीं डिजिटल प्लेटफॉर्म लगातार दर्शकों को नई सीरीज परोस रहा है. शाहरुख खान की आने वाली नेटफ्लिक्स वेब सीरीज 'बेताल' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है. आपको बता दें कि इस सीरीज को शाहरुख खान की कंपनी रेड चिलीज़ लेकर आ रही है. 'बार्ड ऑफ़ ब्लड' के बाद ये रेड चिलीज की दूसरी वेब सीरीज है. बेताल नाम की यह वेब सीरीज़ 24 मई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली है.

जब एकता कपूर से शादी करना चाहते थे करण जौहर

नई दिल्ली (वार्ता)। बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में कब क्या हो जाए ये बताना काफी मुश्किल है. इस इंडस्ट्री में पल में रिश्ते बनते हैं और पल में टूटते हैं. ऐसे में यहां रिश्तों का समीकरण लगातार बदलता रहता है. लेकिन क्या आप जानते हैं एक वक्त ऐसा भी था जब करण जौहर एकता कपूर से शादी करना चाहते थे. बहुत साल पहले करण जौहर ने एक इंटरव्यू में ये इच्छा जाहिर की थी कि वो एकता कपूर से शादी करना चाहेंगे. उन्होंने कहा था- मुझे नहीं लगता कि एकता से बेहतर कोई होगा. अगर मुझे और एकता को अपनी जिंदगी मे कोई नहीं मिलता, तो हम एक दूसरे से शादी कर लेंगे. उस इंटरव्यू में करण ने मजाकिया अंदाज में यहां तक कहा था कि उनकी मां भी इस रिश्ते से काफी खुश होती. उन्होंने कहा- इस शादी से मेरी मां तो काफी खुश होतीं. उन्हें अपने हर फेवरेट सीरियल की कहानी पहले ही पता चल जाती. अब ऐसा नहीं था कि करण जौहर का ये शादी का प्रस्ताव सिर्फ एकतरफा था. करण के प्रपोजल पर एकता ने भी हामी भर दी थी. उन्होंने कहा था- वो कब प्रपोज करने वाले हैं. हम तो जब भी मिलते हैं, एक-दूसरे को गले लगाते हैं. वो मेरे सबसे करीबी दोस्त हैं. मेरे बॉलीवुड में ज्यादा दोस्त नहीं है. मैं अपने टीवी सेलेब्स के साथ रहना पसंद करती हूं. बता दें कि करण जौहर और एकता कपूर बचपन से एक दूसरे को जानते हैं. उनकी दोस्ती काफी पुरानी और गहरी है. अब इतने सालों पहले करण ने एकता से शादी करने की इच्छा जरूर जाहिर की थी, लेकिन आज वो भी सिंगल हैं और एकता कपूर भी सिंगल हैं.

सलमान के गाने तेरे बिन का टीजर रिलीज, जैकलीन संग कर रहे रोमांस

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने एक्टिंग के साथ-साथ अब सिंगिंग में भी नाम कमाना शुरू कर दिया है. सलमान खान अपनी कुछ फिल्मों में पहले भी गा चुके हैं. एक बार फिर से सलमान अपने प्रशंसकों के सामने एक नए गाने के साथ हाजिर हो रहे हैं. गाने का नाम तेरे बिना है जिसमें वे जैकलीन फर्नांडिस संग रोमांस करते नजर आ रहे हैं. हाल ही में इस गाने का टीजर रिलीज किया गया है.

रिलीज किए गए टीजर में सलमान खान और जैकलीन फर्नांडिस की शानदार केमिस्ट्री नजर आ रही है. सलमान खान की आवाज भी काफी फब रही है. जाहिर है कि सलमान खान के इस गाने ने लोगों की बेकरारी बढ़ा दी है. प्रशंसक सलमान के इस पूरे गाने को सुनने के लिए उत्साहित नजर आ रहे हैं. गाने की बात करें तो इसका निर्देशन खुद सलमान खान ने किया है और इसे गाया भी सलमान खान ने ही है. इस गाने की लिरिक्स शब्बीर अहमद ने लिखी हैं और इसका म्यूजिक अजय भाटिया ने दिया है. सलमान खान का ये गाना यूट्यूब पर 12 मई को लॉन्च किया जाएगा.बता दें कि सलमान खान लॉकडाउन की वजह से पनवल स्थित अपने फॉर्महाउस में अपने परिवार के कुछ सदस्य और करीबियों संग ठहरे हुए हैं. इसमें जैकलीन फर्नांडिस, यूलिया वंतूर और निकेदन मदहोक जैसी शख्सियतें शामिल हैं.

सोशल मीडिया पर फैन्स से रूबरू हो रहे सलमान

सलमान खान लॉकडाउन के दौरान सोशल मीडिया के जरिए अपने प्रशंसकों से मुखातिब हो रहे हैं. वे लोगों से सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखने और लॉकडाउन के रूल्स को फॉलो करने की बात कर रहे हैं. इसके अलावा वे इस मुश्किल घड़ी में लोगों की मदद से भी पीछे नहीं हट रहे हैं.

नागिन 4 की सायंतनी घोष का छलका दर्द, कहा-

लॉकडाउन के कारण हम सभी झेल रहे हैं आर्थिक तंगी

एकता कपूर के टीवी शो 'नागिन 4' में नजर आई ऐक्ट्रेस सायंतनी घोष इन दिनों थोड़ी परेशान सी हैं। लॉकडाउन के कारण शूटिंग ठप है और दिहाड़ी मजदूरों के साथ-साथ फिल्म और टीवी इंडस्ट्री के बहुत से कलाकारों को आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सायंतनी घोष ने हाल ही ईटाइम्स टीवी के साथ बातचीत में लॉकडाउन के कारण होने वाली आर्थिक परेशानी के साथ-साथ उन्हें गाइडलाइन्स पर भी बात की, जो शूटिंग शुरू होने के बाद फॉलो की जानी हैं। सायंतनी ने कहा, लॉकडाउन के कारण काम बंद है और इस वजह से आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इंडस्ट्री के वर्करों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। हम सभी घर पर बैठे हैं। हर कोई काम पर वापस लौटना चाहता है। हम कोशिश में हैं कि शूटिंग एक बार फिर से शुरू हो जाए। हालांकि अभी सब पेपर पर ही है। लेकिन प्रैक्टिल लेवल पर देखना होगा कि क्या और कितना किया जा सकता है। हर किसी की सुरक्षा का सवाल है।

रोहित शर्मा का खुलासा, वर्ल्ड कप के बाद क्रिकेट को कह देंगे अलविदा

रोहित शर्मा का खुलासा, वर्ल्ड कप के बाद क्रिकेट को कह देंगे अलविदा! रोहित शर्मा ने कहा कि वह 38 या 39 साल की उम्र में पहले ही संन्यास ले लेंगे

नई दिल्ली (वार्ता)। भारत के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा इस समय अपने करियर के पीक पर है, मगर इसी बीच उन्होंने अपने संन्यास के बारे में खुलासा करके सभी को चौंका दिया है. दरअसल इस समय सभी क्रिकेटर्स अपने घरों में कैद है और ज?यदातर इंस?टाग्राम पर लाइव आ रहे हैं. रोहित शर्मा भी लॉकडाउन के दौरान लाइव आ रहे हैं. रोहित भी केविन पीटरसन, मोहम्मद शमी, डेविड वॉर्नर के साथ इंस्टाग्राम पर लाइव आए. वॉर्नर के साथ लाइव सेशन में रोहित ने अपने संन्यास के बारे में खुलासा किया. उन्होंने संकेत दे दिया है कि शायद वह जल्द ही संन्यास ले लेंगे. भारत के इस सलामी बल्लेबाज ने कहा कि वह 38 या 39 साल की उम्र से पहले ही अपने क्रिकेट करियर को अलविदा कह देंगे.

33 साल के रोहित ने डेविड वॉर्नर से बात करते हुए कहा कि

जब आप भारत में बड़े होते हैं तो यह वास?तव में ऐसा होता है कि जब आप बढ़ रहे होते हैं तो कहते हैं कि क्रिकेट की जिंदगी है. मगर जब आप 38 या 39 साल के होते हैं तो आप क्रिकेट से बहुत आगे होते हैं. रोहित ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह कब ये सब खत्म करेंगे, मगर वह इससे पहले ही संन्यास ले लेंगे. ऐसा भी माना जा रहा है रोहित 2023 वर्ल्ड कप के बाद क्रिकेट को अलविदा कह देंगे, क्योंकि उस समय तक उनकी उम्र 36 साल के करीब हो जाएगी और उनका सपना देश को एक और वर्ल्ड कप दिलाने का है.

2013 के बाद रोहित के करियर का चढ़ा ग्राफ

इंटरनेशनल क्रिकेट में देरी से चमकने वाले रोहित शर्मा ने 2007 में इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा था. वह 2007 टी20 वर्ल्ड कप की विजेता भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे थे. रोहित के करियर का ग्राफ 2013 के बाद से चढ़ने लगा, जब उन?होंने चैंपियंस ट्रॉफी से शिखर धवन के साथ नियमित रूप से ओपनिंग करनी शुरू की. वह तब से लगातार सीमित ओवर क्रिकेट में ओपनिंग कर रहे हैं. उन्होंने चयनकर्ताओं को कभी भी उन्हें टीम से बाहर करने का मौका नहीं दिया.

फिलहाल रोहित शर्मा एकमात्र ऐसे बल्लेबाज है, जिन्होंने वनडे क्रिकेट में एक के ज्यादा बार दोहरे शतक लगाए हैं. रोहित ने वनडे क्रिकेट में कुल तीन दोहरे शतक लगाए है. वनडे क्रिकेट में उनके नाम 9 हजार 115 रन हैं. छोटे फॉर्मेट में भी उनका रिकॉर्ड शानदार है. 108 टी20 मैचों में उनके नाम 2 हजार 773 रन है. वह इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा 4 शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं.

4000 गरीब लोगों की आर्थिक मदद के लिए आगे आए सचिन तेंदुलकर

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर और मास्टर ब्लास्टर के नाम से मशहूर सचिन तेंदुलकर कोविड-19 महामारी के संकट के बीच 4000 गरीब लोगों की आर्थिक मदद के लिए आगे आए हैं। इसके लिए तेंदुलकर कितनी राशि दे रहे हैं, इसका फिलहाल पता नहीं चल सका है। तेंदुलकर ने मुंबई के गैर-सरकारी संगठन हाई5 यूथ फाउंडेशन को यह दान दिया है। तेंदुलकर इससे पहले भी कोरोना वायरस संक्रमण के संकट के बीच प्रधानमंत्री राहत कोष और मुख्यमंत्री राहत कोष में दान दे चुके हैं। तेंदुलकर ने ट्वीट में लिखा, दैनिक वेतन प्राप्त करने वाले परिवारों के समर्थन में हाई5 के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। इस संस्था ने भी ट्वीट कर जरूरमंदों की मदद के लिए तेंदुलकर का आभार जताया। उन्होंने तेंदुलकर को टैग करते हुए ट्वीट किया, शुक्रिया तेंदुलकर, आपके इस दान से हम कोविड-19 के कारण परेशानी का सामना कर रहे 4,000 गरीब लोगों की मदद कर पाएंगे। इसमें बीएमसी (बृहन्मुंबई नगर निगम) के स्कूली छात्र भी शामिल हैं।

श्रीलंकाई दिग्गज की ऑलटाइम वनडे-11 में सिर्फ एक भारतीय

कोहली-रोहित और धोनी को नहीं दी जगह

नई दिल्ली (वार्ता)। श्रीलंका के पूर्व कप्तान और ओपनर तिलकरत्ने दिलाशान ने अपनी ऑलटाइम वनडे-11 का चयन किया है। उनकी इस टीम में भारत के सिर्फ एक खिलाड़ी को ही जगह मिल पाई है। अपने जमाने में विस्फोटक ओपनर रहे दिलशान ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को टीम में रखा है। उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से विराट कोहली, रोहित शर्मा, सौरव गांगुली और महेंद्र सिंह धोनी को इलेवन में नहीं रखा है। कोहली को मौजूदा दौर का बेस्ट बल्लेबाज माना जाता है। वहीं, धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया 2011 में वर्ल्ड कप जीती थी। उनके वनडे में 10 हजार से ज्यादा रन भी हैं।

दिलशान ने टीम में ओपनर के तौर पर श्रीलंका के सनथ जयसूर्या और सचिन को जगह दी है। इसके बाद तीसरे नंबर वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा और चौथे स्थान पर श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने हैं। पांचवें नंबर पर दिलशान ने दो वर्ल्ड कप जीतने वाले कप्तान रिकी पोंटिंग को रखा है। उन्हें टीम का कप्तान भी बनाया है। छठे स्थान पर

दक्षिण अफ्रीका के महान ऑलराउंडर जैक कालिस को जगह दी है। विकेटकीपर के तौर पर 7वें नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स को रखा है।

दिलशान ने आठवें स्थान पर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम को रखा है। नौवें नंबर पर वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज कर्टनी वॉल्श और दसवें स्थान पर शेन वॉर्न हैं। 11वें यानी आखिरी नंबर पर उन्होंने अपने ही देश के मुथैया मुरलीधरन को जगह दी है। टीम में 12वें खिलाड़ी के तौर पर दिलशान ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा को जगह दी है। उन्होंने कहा कि अकरम गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने में सक्षम हैं।

जयसूर्या की तारीफ करते हुए दिलशान ने 'ईएसपीएन क्रिकइंफो' से कहा कि 1996 में जिस तरह उन्होंने गेंदबाजों पर आक्रमण किया वह अलग था। वे 15 ओवर में तेज बल्लेबाजी की थ्योरी वर्ल्ड क्रिकेट में लेकर आए। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि वे दुनिया के बेस्ट आक्रामक बल्लेबाजों में एक रहे हैं।'' दिलशान ने तेंदुलकर को जयसूर्या की तुलना में ज्यादा स्टाइलिश बताया। उन्होंने कहा, 'सचिन को पता होता था कि मैच को कैसे बनाना है। वे इस इलेवन के सबसे अनुभवी और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। दोनों की ओपनिंग जोड़ी बेहतरीन है।''

कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई टेस्ट मैच की दूसरी पारी जैसी : कुंबले

बेंगलुरु (वार्ता)। पूर्व भारतीय कप्तान और कोच अनिल कुंबले ने खतरनाक कोविड-19 (कोविड- 19) महामारी के खिलाफ लड़ाई की तुलना दिलचस्प टेस्ट मैच की दूसरी पारी से की है, जिसमें लोग थोड़ी भी ढिलाई नहीं बरत सकते। कोरोना वायरस महामारी से अभी तक दुनिया भर में 2,76,000 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 40 लाख से अधिक लोग इसकी चपेट में हैं। इस महामारी के चलते पूरी दुनिया में खेल प्रतियोगिताएं रद्द या स्थगित हो चुकी हैं, जिसमें तोक्यो ओलिंपिक, यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप और इंडियन प्रीमियर लीग शामिल है। कुंबले ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा, अगर हमें इस कोरोना वायरस महामारी से लड़ना है तो हमें एकजुट होना होगा। यह एक टेस्ट मैच की तरह है। क्रिकेट टेस्ट मैच पांच दिनी होते हैं लेकिन यह लंबे समय तक चल रहा है। उन्होंने कहा, क्रिकेट टेस्ट मैच प्रत्येक टीम के लिए दो-दो पारियों के होते हैं लेकिन यह इससे भी ज्यादा का हो सकता है। इसलिए आत्ममुग्ध मत बनिए कि हमने पहली पारी में थोड़ी बढ़त ले ली क्योंकि दूसरी पारी और भी मुश्किल हो सकती है।

3 खिलाड़ी जो विराट कोहली के बाद भारतीय टीम के कप्तान बन सकते हैं

नई दिल्ली (वार्ता)। क्रिकेट के खेल में कप्तान की काफी अहम भूमिका होती है। किसी भी टीम की सफलता में उसके कप्तान का काफी हाथ होता है। एक कप्तान के ऊपर हालात को अच्छी तरह से समझने, बेहतर रणनीति बनाने, गेंदबाजी रोटेशन समेत कई जिम्मेदारियां होती हैं। क्रिकेट इतिहास में अभी तक कई सफल कप्तान हुए हैं। कपिल देव, इमरान खान, स्टीव वॉ, रिकी पोंटिंग, एम एस धोनी और ग्रीम स्मिथ जैसे कई जबरदस्त कप्तान अभी तक हुए हैं।

भारतीय टीम की अगर बात करें तो इस वक्त टीम के कप्तान विराट कोहली हैं। विराट कोहली तीनों ही प्रारूपों में टीम के कप्तान हैं और बेहतरीन तरीके से टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। उनकी कप्तानी में ही भारत ने पिछले साल वर्ल्ड कप सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। विराट कोहली की उम्र अभी 31 साल है और कभी ना कभी उन्हें कप्तानी से हटना जरुर पड़ेगा, ऐसे में तब भारतीय टीम का कप्तान कौन होगा। तो आइए उन खिलाड़ियों के बारे में बात करते हैं जो आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट टीम की कमान संभाल सकते हैं।

श्रेयस अय्यर एक बेहतरीन युवा बल्लेबाज हैं। उन्होंने भारतीय टीम की नंबर 4 की परेशानी को दूर कर दिया है। वो मध्यक्र में आकर जबरदस्त बल्लेबाजी करते हैं। श्रेयस अय्यर एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो पारी को संभालने के अलावा जरुरत पड़ने पर बड़े शॉट्स भी खेलने में माहिर हैं।

श्रेयस की उम्र अभी सिर्फ 25 साल है और आने वाले समय में वो और परिपक्कव होते जाएंगे। वो आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स टीम के कप्तान भी हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि आने वाले समय में वो भी कप्तानी के एक दावेदार हो सकते हैं।के एल राहुल अब भारतीय टीम का नियमित हिस्सा बन गए हैं। वनडे हो या टी20 वो टीम के एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं जो अकेले दम पर टीम को मैच जिताने की क्षमता रखते हैं।

लॉकडाउन में सफेद दाढ़ी में नजर आए एमएस धोनी

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय टींम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी कुछ दिनों बाद एक बार फिर दिखे। धोनी की बेटी जीवा के इंस्टाग्राम हैंडल पर जारी किए गए वीडियो में धोनी हालांकि काफी अलग लग रहे हैं। वीडियो में धोनी की सफेद दाढ़ी देखी जा सकती है। धोनी को इस रूप में देखकर काफी मीम्स और पोस्ट सोशल मीडिया पर देखे जा सकते हैं। किसी ने कहा कि इस समय हर कोई बाल कटवाने के लिए संघर्ष कर रहा है तो किसी ने कहा कि उनका पसंदीदा खिलाड़ी बूढ़ा हो चुका है। क्रिकेट पंडित अयाज मेमन ने धोनी की सफेद दाढ़ी वाली फोटो के साथ ट्वीट किया कि किसी ने मुझे यह फोटो भेजा है। क्या यह वाकई में धोनी हैं या किसी ने फोटोशॉप किया है। धोनी लंबे समय से टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने अपना आखिरी मैच पिछले साल इंग्लैंड में वनडे विश्व कप का सेमीफाइनल खेला था। तब से धोनी आराम के नाम पर बाहर चल रहे हैं। उनके प्रशंसकों को उम्मीद थी कि वह इस बार आईपीएल में वापसी करेंगे, लेकिन कोरोना वायरस के कारण आईपीएल को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है।

बातों...बातों में...

सुकांत राजपूत

ताली बजवाए, पैसा तो दें...

कोरोना कोविड-19 से जंग के लिए केंद्र और राज्यों के बीच अपनी पीठ थपथपाने की होड़ मची हुई है। केंद्र सरकार को विपक्षी भी पानी पी-पी कर कोस रहे हैं। इन सब के पीछे की खास वजह है वर्ल्ड बैंक से कोविड के लिए मिला अरबों रुपए का लोन। केंद्र सरकार ने मार्च के अंतिम सप्ताह में वर्ल्ड बैंक से सहयोग मांगा था। 2 अप्रेल को बतौर लोन डब्ल्यूबी ने 75 अरब रुपए रिलीज भी कर दिया। केंद्र के पास कोविड-19 से लड़ने के लिए 75 अरब रुपए की मदद राशि मिल गई। फिर भी राज्यों को विश्व बैंक से मिली राशि का एक अंश मात्र तक नहीं दिया गया है। ताली, थाली, शंख और दिया-बाती करने के बाद भी खाली हाथ हैं राज्य।

दाऊ इसलिए मांग रहे पैसा...

विश्व बैंक से 75 अरब रुपये कोविद 19 से लड़ने के लिए लोन मिल गया है। पूरी राशि भी केंद्र सरकार को 2 अप्रैल को रिलीज भी कर दी गई है। परंतु अब तक जिन उद्देश्यों के लिए पैसे मिले उसको राज्यों को देनें में केंद्र अब तक विचार ही कर रहा है। खासकर छत्तीसगढ़ राज्य को तो कोविड-19 से लड़ने के लिए कोई आर्थिक मदद अब तक नहीं की गई है। चाईना का रैपिड टेस्ट की खुद हवा निकल गई। कोरिया की किट से जांच हुई जिसे खरीदना पड़ा है। विश्व बैंक से मिली मदद के बाद सीएम भूपेश बघेल ने कोरोना संक्रमण से लड़ने के लिए 30 हजार करोड़ के लिए दो बार पत्र भी लिख चुके हैं। लेकिन केंद्र सरकार है कि कान में जूं नहीं रेंग रही।

पीएम केयर फंड भी लबरेज...

बात करें तो कोरोना संक्रमण के लिए पीएम से लेकर सीएम केयर फंड में भी खूब दान आया है। तीन दिन पहले तक कोरोना के लिए पीएम केयर फंड में तकरीबन 60 हजार करोड़ रुपए तक जमा हो चुका था। केयर फंड और विश्व बैंक से मिले पैसों का पूरा हिसाब-किताब वॉशिंगटन पोस्ट की सुर्खियां भी बनीं। बावजूद इसके फंड और विश्व बैंक की राशि का कोरोना से जंग में कहां, कितना और कब किन राज्यों को दिया गया यह जवाब फिलहाल पुख्ता नहीं है। बातों ही बातों में आर्थिक गणितबाजों का कहना है कि इन राशियों का उपयोग कहीं आर्थिक लॉकडाउन से उबरने के लिए केंद्र न करें।

लोन का यह खामियाजा...

अब तक कोरोना से जंग का मतलब भारत में ताली, थाली, दिया-बाती ही थी। क्योंकि कोरोना का ईलाज तो दूर इसकी शिनाख्त तक करने का सहीं कारगर उपाय देश में नहीं था। पहले रैपिड टेस्ट किट सहारा बनीं और जल्द ही यह विवाद में पड़ गई। कोरिया से मंगवाई गई किट से जांच रिपोर्ट में वक्त लगा। अब विश्व बैंक से बतौर लोन मिली कोविड-19 से निपटने के लिए राशि का उपयोग भले ही केंद्र सरकार अपने तरीकों से करे। परंतु यह तो साफ हो गया है कि अब इस लोन के एवज में भारत सरकार को डब्ल्यूएचओ की शर्तें मानने के लिए बाध्य होना ही पड़ेगा। क्योंकि जिन कारणों के लिए मदद मिली है उसके बाद नियमतया डब्ल्यूएचओ के मुताबिक ही लॉक डाउन पालन के अलावा दिये गए टास्क पर ही काम करना होगा। इसी का नतीजा है कि टास्क के मुताबिक जांच शुरु होने के बाद ही केस की संख्या और मरने वालों की तादात देश में बढ़ गई है। मतलब पहले जो था वह सिर्फ ताली, थाली के मुताबिक चल रहा था।

राज्य का हिस्सा वाजिब है...

डब्ल्यूएचओ की गाइड लाइन को फॉलो करना ही पड़ेगा। लॉक डाउन की मियाद, जांच के तरीके, प्रभावितों को राशन से लेकर दवाएं तक उपलब्ध करवाने का निर्देश मानना केंद्र सरकार की बाध्यता है। राज्यों को भी कोरोना से निपटने के लिए बिना आर्थिक मदद के केंद्र सिर्फ गाइड लाइन फॉलो करवा रहा है। एसे में उन पैसों में राज्यों का भी हक बनता है। संक्रमणकाल में शराब बिक्री भी सेंट्रल गाइड लाइन के बाद ही राज्यों में शुरु हुई है। इतना ही नहीं केंद्र को यूएई से भी बल्क में जांच किट मुफ्त में मिली है जिसे वो उपयोग में ला रहा है। इस तरह हिंग लगे न फिटकरी वाली कहावत केंद्र सरकार की है। अरबों रुपए बाहरी मदद, देशवासियों का केयर फंड में करोड़ों रुपए का दान अब मुफ्त में यूएई के शेखों व्दारा भेजी गई जांच किट के अलावा सेंट्रल के खाद्य भंडारण में अनाज का बफर स्टॉक भी है। फिर भी राज्यों को न तो आर्थिक मदद, मुफ्त अनाज और जांच किट की सुविधा नहीं देना क्या सियासत है?

हेरिटेज सिटी के रूप में सिरपुर को विकसित करने की तैयारी

सिरपुर में विकास के लिए 56 करोड़ का प्रस्ताव तैयार

नव प्रदेश संवाददाता

विधायक की पहल पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने तैयार किया खाका

महासमुंद। पुरातात्विक व ऐतिहासिक नगरी सिरपुर को हेरिटेज सिटी के रूप में विकसित करने की तैयारी है। सिरपुर में विकास के लिए 56 करोड़ 15 लाख रुपए का प्रस्ताव बनाया गया है। विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर की पहल व प्रयास से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने इसके लिए खाका तैयार किया है। विधायक श्री चंद्राकर ने बताया कि सिरपुर के विकास के लिए राज्य शासन ने विशेष क्षेत्र प्राधिकरण का गठन किया है। इसके माध्यम से सिरपुर और आसपास के क्षेत्र को पुरातात्विक और पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने सिरपुर को हेरिटेज सिटी के रूप में विकसित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार किया गया है। करीब 56 करोड़ 15 लाख रुपए की लागत से विकास कार्यो के लिए खाका तैयार किया गया है। नेशनल हाईवे 53 के पास सिरपुर मार्ग में डेढ़ करोड़ की लागत से भव्य गेट व प्रवेश द्वार के निर्माण के साथ ही सर्वसुविधायुक्त म्यूजियम व प्रदर्शनी सेंटर, सर्वसुविधायुक्त कैफेरिया का निर्माण प्रस्तावित है। तीन फेज में यह कार्य पूरा करने की तैयारी है। पहले फेज में 19 करोड़ 35 लाख की लागत से सिरपुर के ओवरआल साइट में प्लांटिंग व प्लाजा, लक्ष्मण मंदिर के पास पार्किंग एरिया, इंटरप्रेटेशन सेंटर, लैंडस्कोप कोर्ट व पार्किंग, ओवरआल साइट में लाइटिंग सहित अन्य विकास कार्य कराने की योजना है। दूसरे फेज में 19 करोड़ 95 लाख की लागत से कार्ययोजना तैयार की गई है। जिसके तहत ओवरआल साइट में ट्रायल्स व प्लाजा, टाइलेट ब्लॉक, सेनकपाट तालाब का सौंदर्यीकरण, पार्किंग आदि का निर्माण कराया जाना है। वहीं तीसरे फेज के लिए 13 करोड़ 14 लाख रूपए की कार्ययोजना तैयार की गई है। जिसके तहत ओवरआल साइट में मोटर ट्रायल, सर्वसुविधायुक्त म्यूजियम का निर्माण किया जाना है। गौरतलब है कि सिरपुर प्रवास पर पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को विधायक श्री चंद्राकर ने सिरपुर के विकास की ओर ध्यानाकर्षित कराया था। जिसके बाद इसके लिए प्रोजेक्ट तैयार किया गया है।

प्रमुख सचिव सहित अफसरों ने लिया जायजा

सिरपुर को हेरिटेज सिटी के रूप में विकसित करने छत्तीसगढ शासन के प्रमुख सचिव आरपी मंडल सहित अफ्सरों की टीम ने शनिवार को सिरपुर पहुंचकर आवश्यक जानकारी ली। इस दौरान मौजूद विधायक श्री चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रोजेक्ट की ओर अफ्सरों का ध्यानाकर्षित कराया। साथ ही गंधेश्वनाथ मंदिर के पास महानदी तट पर तटबंध निर्माण, वाकिंग स्ट्रीट व रायकेरा तालाब सौंदर्यीकरण कराए जाने पर जोर दिया। जिस पर सीएस श्री मंडल ने कहा कि आने वाले दिनों में इसका काम शुरू कर दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने रेस्ट हाउस के सामने स्मारिका के आसपास अतिक्रमण को अन्यत्र शिफ्ट करने के निर्देश दिए। इस दौरान सचिव टूरिज्म अंबलगन पी, पीसीसीएफराकेश चतुर्वेदी, कलेक्टर सुनील जैन, एसपी प्रफुल्ल ठाकुर, डीएफओ मयंक पांडे आदि मौजूद थे।

गरीब जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पा रहा पीएम आवास योजना का लाभ

नव प्रदेश संवाददाता

लवन। केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी और गरीब जरूरतमंदों के लिए बनाई गई प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ अंचल के वास्तविक गरीब जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पा रहा है शासन के अनुसार 2011 के सर्वे अनुसार गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलना है। प्रधानमंत्री आवास योजना से हजारों घर बने हैं और हितग्राही लाभान्वित हुए हैं लेकिन वर्ष 2011 को छोड़कर भी बलौदाबाजार विकासखंड क्षेत्र में ऐसे कई गरीब परिवार हैं जिन्हें शासन की योजना का लाभ मिलना चाहिए लेकिन नहीं मिल पा रहा है। ऐसे ही एक परिवार जनपद पंचायत बलौदा बाजार क्षेत्र अंतर्गत मेन रोड पर स्थित आदर्श ग्राम मुंडा के सेवकराम रजक का है। जिसका नहीं के बराबर 50 डिसमिल जमीन है वही परिवार में सेवक के अलावा उनकी पत्नी एक लड़की दो लड़का सहित 5 लोग मिट्टी के बनाए हुए एक कमरे के कच्चे मकान में गुजर-बसर कर रहे हैं। पति पत्नी रोजी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण पक्की मकान तो दूर की बात है एक और कच्ची कमरा नहीं बना सकते हैं जिसके कारण 5 लोग एक ही कमरे में गुजर बसर करने को मजबूर है। दिनभर रोजी मजदूरी कार्य करने के बाद घर पर आराम करने का पर्याप्त स्थान नहीं है। इस दृष्टि से वे प्रधान मंत्री आवास योजना लिए पात्र हितग्राही होना चाहिए किंतु उन्हें अब तक पीएम आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। पीएम आवास के लिए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल विधायक शकुंतला साहू जिला कलेक्टर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और ग्राम पंचायत में कई बार आवेदन देने के बावजूद वर्ष 2011 के सर्वे सूची में नाम नहीं होने के कारण प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। यहां यह बात बताना भी लाजमी हो कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत दिए गए शौचालय को जमीन नहीं होने के कारण नहीं बनाया गया है इससे स्पष्ट जाहिर होता है कि शासन द्वारा गरीबों के उन्नयन के लिए तमाम प्रकार के योजना चलाया जा रहा है इसका सीधा लाभ गरीबों को नहीं मिल पा रहा है।

इस संबंध में सेवक राम रजक ने बताया कि 2011 में सर्वे हुआ था उस समय हम सभी घर में ताला लगाकर जीने खाने बाहर चले गए थे। गरीब होने के बावजूद शासन की योजना का लाभ हमें नहीं मिल पा रहे हैं तो ऐसे योजना का क्या औचित्य।

इस संबंध में ग्राम पंचायत के सचिव तीरथ कुमार पाठक ने कहा कि गरीब तो है लेकिन सर्वे सूची में नाम नहीं होने कारण आवास का लाभ नहीं मिल पा रहा हैं। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशुतोष पांडे ने बताया की पीएम आवास के पात्र हितग्राहियों के लिए 2011 की जनगणना सूची अनिवार्य है।

लॉकडाउन में नियमों का पालन करते हुए की गई शादी

नव प्रदेश संवाददाता

लवन। देशभर में कोरोना का कहर है। जहां कुछ लोग मनमानी करते हुए लाक डाउन की धज्जियां उड़ा रहे हैं तो वही समझदार लोग लॉक डाउन के नियमों का पालन कर रहे हैं। एक ऐसा ही मामला बलौदा बाजार विकासखंड के ग्राम लटुवा का सामने आया है जहां लॉक डाउन 3 में नियम व शर्तों के साथ शादी के लिए दी गई छूट का पालन करते हुए नव दंपति सात फेरों के साथ विवाह के बंधन में बंधे।

लटुवा निवासी नंदू रजक की बड़ी लड़की रानू रजक की शादी पेंड्री सुहेला निवासी रोहित निर्मलकर के पुत्र थनवार निर्मलकर के साथ 2 अप्रैल को तय हुई थी किंतु लॉक डाउन के कारण शादी नहीं हो पाई। लॉक डाउन 3 में नियम और शर्तों के साथ शादी के लिए दी गई छूट के बाद जिला कार्यालय से आदेश लेकर गत दिनों वर पक्ष से 5 लोग और वधू पक्ष से 5 लोग ग्राम गातापार में रजक समाज के राम जानकी मंदिर में उपस्थित होकर लॉक डाउन का पालन करते हुए हिंदू रीति रिवाज के साथ शादी की पूरी रस्म पूरी की गई। विवाहित जोड़े ने कहा कि हम लोगों ने लॉक डाउन का पालन करते हुए शादी की है यह भी जीवन में एक पहचान बनी रहेगी।

बिना मां के बच्चों को बिलखता देख भावुक हुईं विधायक, पिता को लाने भेजा बस

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। कोरोना के इस काल ने अच्छे अच्छों लोगों की परीक्षा ले लिया है। यह सच है कि सरकार अपने नागरिकों को लगातार महफूज रखने का प्रयास कर रही है। लेकिन यह भी सच है कि कोरोना काल में लोग बहुत निष्ठुर भी हो चले हैं। बाहर से आने वाले परिवार के सदस्यों के प्रति लोगों में बहुत अधिक उत्साहत नजर नहीं आ रहा है। बावजूद इसके सरकार अपनों को ढूंढ कर घर ला रही है। जिसकी हर तरफ तारीफ भी हो रही है

जैसा की सबको मालूम है कि आज के इस दिन को मदर्स डे के रूप में मनाया जाता है। लेकिन कोरोना और मौत के भय ने लोगों को तोड़कर रख दिया है। लोग किसी की आवाज सुनने को तैयार नहीं है। इस बीच रश्मि सिंह को जानकारी मिलती है कि बेलपान क्षेत्र निवासी एक महिला सीता बाई की लाकडाउन के समय इलाज के दौरान सिम्स में मौत हो गई। उसके तीन बहुत ही छोटे बच्चे हैं। जो इस समय अकेले रहने को मजबूर है। रह रहककर अपने पिता और मां को याद करते हैं। तीनों की हालत बहुत खराब हो चली है। पिता कृष्ण मणि कर्माकर होशंगाबाद मध्यप्रदेश में रोजी मजदूरी का काम करता है। लाकडाउन के चलते पत्नी की अंतिम संस्कार में भी शामिल नहीं हो सका। इस बीच कर्मकार की नौकरी भी चली गई। और फिर बच्चों से मिलने वह होशंगाबाद से पैदल ही तखतपुर के लिए निगल पड़ा। इस दौरान उसके साथ तखतपुर के और भी मजदूर परिवार साथ हो लिए।

मानवता सबसे बड़ा धर्म..मैं भी मां हूं- रश्मि सिंह

तखतपुर रश्मि सिंह ने बताया कि देश के कोने कोने में फंसे सभी मजदूरों को सरकार परिवहन की व्यवस्था कर घर ला रही है। लेकिन यहां मामला पूरी तरह मानवता और ममता का है। कृष्ण मणि करमाकर सरकार के प्रयास से जरूर घर पहुंचता। लेकिन यहां इस दौरान बच्चों की हालत बद से बदतर होती जा रही है। बच्चे अपने पिता को याद कर रहे हैं। पति बच्चों की मां के अंतिम संस्कार में शामिल नही हो सका। करमाकर घर का इकलौता कमाने वाला सदस्य है। ऐसी सूरत में उसे बच्चों के बीच रहना बहुत जरूरी है। बच्चों से मिलकर कलेजा छलनी हो गया है। इसलिए विशेष और निजी प्रयास से एक बस छिन्दवाड़ा भेजी हूं। प्रयास किया जा रहा है कि बस से अन्य प्रवासी भी घर लौट आए।

मामले की जानकारी तखतपुर विधायक रश्मि सिंह तक पहुंची। तत्काल अनाथ बच्चों से मिलने घर पहुंच गई। इस दौरान मासूम बच्चों को रोता विलखता देख रश्मि सिंह टूट गई। उन्हे जानकारी मिली कि पीड़ित बच्चों के पिता छिंदवाड़ा में फंसा है। उसके साथ तखतपुर के अन्य कई मजदूर परिवार कई छोटे बच्चों के साथ लगातार पैदल चल रहे हैं।

ज्ञात हो कि बेलपान क्षेत्र निवासी मजदूर परिवार का मुखिया कृष्ण मणि करमाकर और दउवा होशंगावाद स्थित एक फैक्ट्री में मजदूरी का काम करते हैं। गांव में करमाकर की पत्नी सीता बाई घर का काम काज के अलावा नन्हें बच्चों को पालन पोषण कर रही थी। लाकडाउन एक के दौरान सीता बाई की तबीयत बहुत खराब हो गयी। बिलासपुर स्थित सिम्स में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। मामले की जानकारी होशंगावाद में कृष्ण मणि करमाकर तक पहुंची। लेकिन अंतिम संस्कार में शामिल नही हो पाया। इस बीच फैक्ट्री भी बन्द हो गयी। बेरोजगार हो चुका करमाकर कुछ दिन इंतजार के बाद अपने साथियों के साथ बच्चों को याद कर पैदल ही तखतपुर के लिए निगल पड़ा। लेकिन छिंदवाड़ा पहुंचने तक धैर्य ने जवाब दे दिया।

स्थानीय लोगों के प्रयास से वह छिंदवाड़ा में रूका और लोगों के सहयोग से अपना संदेश छत्तीसगढ़ की राज्यपाल तक पहुंचाया। बताते चलें कि राज्यपाल अनुसुइया उइके छिंदवाड़ा की रहने वाली है। राज्यपाल ने सरकार को मामले से अवगत कराया। लेकिन इस बीच अन्य लोगों के माध्यम से जानकारी तखतपुर विधायक रश्मि सिंह तक भी पहुंची

ठीक मदर्स डे के दिन रश्मि सिंह बच्चों से मिलने घर पहुंच गई। बच्चों को रोता बिलखता देख विधायक मां का कलेजा जार जार हो गया। उन्होने मासूम बच्चों को विलखता देख ऐसा फैसला लिया जिसकी तत्काल उम्मीद लोगों को नहीं थी। यह जानते हुए भी सरकार की तरफ से प्रवासी मजदूरों को घर लाने का प्रयास सरकार कर रही है। बावजूद इसके उन्होने निजी व्यय पर बच्चों के खातिर पिता कृष्ण मणि कर्माकर को लेने एक बस छिंदवाड़ा के लिए रवाना कर दिया।

रश्मि सिंह ने बताया कि बच्चों की मां का निधन हो गया है। हालात ऐसे हैं कि बिना पिता के बच्चों की सेवा मुश्किल है। विशेष परमिशन से बच्चों के पिता को लाने बस की व्यवस्था की गयी है। हमने यह भी प्रयास किया है कि जब बस जा रही है तो लाकाउन में फंसे बिलासपुर के अन्य मजदूर भी साथ आ जाए।

न्यूज गैलरी

बीएसएनल ग्राहकों के लिए तोहफा, मुफ्त में मिल रहे 4जी सिम कार्ड

नई दिल्ली (वार्ता)। सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनल अपने 2 जी और 3जी नेटवर्क को 4जी में अपग्रेड करने जा रही है। बाकी कंपनियों के मुकाबले भले ही बीएसएनल करीब 5 साल बाद 4जी मार्केट में कदम रखने जा रही हो लेकिन ऐसा करके वह बाजार में प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा देगी। 4 जी नेटवर्क आ जाने के बाद बीएसएनल रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफोन जैसी कंपनियों के ग्राहकों को तोड़ने की कोशिश करेगी। अपने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कंपनी ने अभी से काम करना शुरू कर दिया है। टेलिकॉम टॉक की रिपोर्ट के मुताबिक, बीएसएनल अपने वर्तमान सिम कार्ड को मुफ्त में 4 जी सिम कार्ड में अपग्रेड कर रही है। हालांकि बता दें कि कंपनी का यह ऑफर सिर्फ 90 दिनों के लिए ही है।

हुंदै के चेन्नई कारखाने में परिचालन दोबारा शुरू

नई दिल्ली (वार्ता)। हुंदै मोटर इंडिया ने शनिवार को कहा कि उसके चेन्नई कारखाने में परिचालन फिर शुरू हो गया है। परिचालन शुरू करने के पहले दिन इस कारखाने में 200 कारों का उत्पादन हुआ। कंपनी ने श्रीपेरम्बदूर कारखाने में आठ मई को विनिर्माण गतिविधियां फिर शुरू की हैं। हुंदै मोटर इंडिया ने बयान में कहा कि कंपनी के विनिर्माण संयंत्र में सुरक्षा और सामाजिक दूरी (सोशल डिस्टैंसिंग) दिशानिर्देशों का 100 प्रतिशत अनुपालन किया जा रहा है। कंपनी ने कहा कि सरकार कोरोना वायरस की वजह से संकट में आई अर्थव्यवस्था को उबारने का प्रयास कर रही है। ऐसे में विनिर्माण परिचालन शुरू होने से कंपनी आर्थिक गतिविधियों में योगदान दे पाएगी। राष्ट्रव्यापी बंद के तीसरे चरण में अंकुशों में कुछ ढील मिलने के बाद कई उद्योगों ने चरणबद्ध तरीके से फिर परिचालन शुरू कर दिया है।

एयरटेल का धांसू ऑफर, एक प्लान को यूज कीजिए 5 लोग

नई दिल्ली (वार्ता)। एयरटेल अपने ग्राहकों को 749 रुपये से शुरू होने वाले 'फैमिली पोस्टपेड प्लान' की सुविधा दे रही है। इन प्लान्स में अनलिमिटेड कॉलिंग के साथ पर्याप्त डेटा मिलता है। इसके साथ ही ऐमजॉन प्राइम, ZEE5 और एयरटेल Xstream ऐप का सब्सक्रिप्शन मुफ्त में मिलता है। एयरटेल के इन प्लान्स का एक फायदा यह है कि परिवार के मेंबर्स को अलग-अलग प्लान लेने की जरुरत नहीं होती। पूरे परिवार के लिए एक ही पोस्टपेड प्लान काम करता है। कंपनी दावा करती है कि फैमिली पोस्टपेड प्लान के जरिए एयरटेल ग्राहक 20 फीसदी तक पैसे बचा सकते हैं। यह फैमिली पोस्टपेड प्लान का सबसे सस्ता पैक है।

कोरोना संकट में इस प्राइवेट बैंक की हुई चांदी, कमाए 1251 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक का बीते वित्त वर्ष 2019-20 की चौथी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 6.91 प्रतिशत बढ़कर 1,251 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. बैंक ने कोविड-19 महामारी के संभावित प्रभाव के लिए 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है. तिमाही के दौरान एकल आधार पर निजी क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े बैंक का शुद्ध लाभ 26 प्रतिशत बढ़कर 1,221 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 969 करोड़ रुपये था. पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में एकल आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ 135 प्रतिशत बढ़कर 7,930.81 करोड़ रुपये पर पहुंच गया.

संपत्ति के मोर्च पर बात की जाए, तो 31 मार्च, 2020 तक बैंक की सकल नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स कुल लोन का 5.53 प्रतिशत थीं. इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का सकल एनपीए 6.70 प्रतिशत था. दिसंबर तिमाही में यह 5.95 प्रतिशत के स्तर पर थीं. हालांकि, समीक्षाधीन तिमाही में बैंक के एनपीए में 5,300 करोड़ रुपये से अधिक के कुछ और मामले जुड़ गए.

आईसीआईसीआई बैंक के अध्यक्ष संदीप बत्रा ने कहा कि इससे पिछली तिमाही में बैंक को 4,300 करोड़ रुपये के कर्जों की वसूली अवरुद्ध हुई थी. एनपीए में आलोच्य तिमाही में बढ़ोतरी की वजह दो खाते हैं. इनमें एक पश्चिम एशिया की स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की कंपनी और सिंगापुर की एक व्यापार कंपनी का खाता है. दोनों ही मामलों में कर्ज लेने वालों ने बैंकों के सामने अपनी सही वित्तीय स्थिति नहीं रखी. बैंक ने दोनों खातों के लिए उल्लेखनीय प्रावधान किया है और भविष्य में इन खातों से और दबाव की संभावना नहीं है. कुल मिलाकर एकल आधार पर बैंक का प्रावधान बढ़कर 5,967 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जो एक साल पहले 5,451 करोड़ रुपये और इससे पिछली तिमाही के दौरान 2,083 करोड़ रुपये था. इसमें कोविड-19 के प्रभाव के लिए किया गया 2,725 करोड़ रुपये का प्रावधान शामिल है.

बैंक ने कहा कि कोविड-19 के लिए प्रावधान संभावित दबाव के लिए किया है. यह रिजर्व द्वारा बैंक द्वारा सुझाए गए 600 करोड़ रुपये के प्रावधान से कहीं अधिक है. बत्रा ने कहा कि चुनौतीपूर्ण समय के बावजूद बैंक को वृद्धि के अवसर दिख रहे हैं. बैंक डिजिटल विकल्पों पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगा. इस वित्तवर्ष के लिए बैंक ने ऋण में वृद्धि का कोई लक्ष्य तय नहीं किया है. समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज-आय 17 प्रतिशत बढ़कर 8,927 करोड़ रुपये पर पहुंच गई. बैंक ने कहा कि तिमाही के दौरान उसका शुद्ध ब्याज मार्जिन 3.87 प्रतिशत रहा. इस दौरान शुल्कों से प्राप्त आय में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. बैंक का ऋण कारोबार तिमाही के अंत में 6.45 लाख करोड़ रुपये के स्तर का था.

लॉकडाउन में कल से इस भाव पर सोना बेचेगी मोदी सरकार

नई दिल्ली (वार्ता)। अगर आप लॉकडाउन में घर बैठे सोना खरीदना चाहते हैं तो मोदी सरकार आपके लिए एक खास स्कीम लेकर आई है. सरकार 11 मई से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड 2020-21 सीरीज-II जारी करेगी. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की किस्त के लिये इश्यू प्राइस 4,590 रुपये प्रति ग्राम तय किया गया है. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2020-21 की सीरीज-2 सब्सक्रिप्शन के लिए 11 मई 2020 से 15 मई 2020 तक खुली रहेगी. पहली सीरीज का इश्यू प्राइस 4,639 रुपये प्रति ग्राम था. आरबीआई ने पिछले महीने कहा था कि सरकार 20 अप्रैल से सितंबर तक, छह चरणों में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड जारी करेगी.

50 रुपये की मिलेगी छूट

भारत सरकार की ओर से ये बॉड रिजर्व बैंक जारी करेगा. भारत सरकार ने ऑनलाइन आवेदन करने वाले और डिजिटल माध्यम से भुगतान करने वाले निवेशकों को निर्गम मूल्य में 50 रुपये ग्राम प्रति ग्राम की छूट देने का निर्णय लिया है. ऐसे निवेशकों के लिये स्वर्ण बांड की कीमत 4,540 रुपये प्रति ग्राम होगी.

क्या है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम?

इस योजना की शुरुआत नवंबर 2015 में हुई थी. इसका मकसद फिजिकल गोल्ड की मांग में कमी लाना तथा सोने की खरीद में उपयोग होने वाली घरेलू बचत का इस्तेमाल वित्तीय बचत में करना है. घर में सोना खरीद कर रखने की बजाय अगर आप सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करते हैं, तो आप टैक्स भी बचा सकते हैं.

कितना खरीद सकते हैं सोना?

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम के निवेश करने वाला व्यक्ति एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम 500 ग्राम सोने के बॉन्ड खरीद सकता है. वहीं न्यूनतम निवेश एक ग्राम का होना जरूरी है. कोई भी व्यक्ति या HUF एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम 4 किलो ग्राम सोने का बॉन्ड खरीद सकता है. कुल मिलाकर व्यक्तिगत तौर पर बॉन्ड खरीदने की सीमा 4 किलो है वहीं ट्रस्ट या संगठन के लिए 20 किलोग्राम तय की गई है. इस योजना की परिपक्वता अवधि 8 साल है. लेकिन अगर फिर भी बॉन्ड बेचना चाहते हैं तो कम से कम 5 साल का इंतजार करना होगा.

एसबीआई ने फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में किया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज दर में कटौती की है। बैंक ने तीन साल तक के लिए एफडी के लिए ब्याज दरों में 0.20त्न की कटौती की है, जबकि इससे 3-10 साल की अवधि के लिए ब्याज दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। फिक्स्ड डिपॉजिट की नई दरें 12 मई से लागू हो जाएंगी।

एसबीआई ने एक बयान में कहा, एसबीआई ने सिस्टम के साथ-साथ बैंक में लिक्विडिटी बरकरार रखने के लिए तीन साल तक की अवधि के एफडी पर ब्याज दर में 0.20 प्र. की कटौती की है। प्रस्तावित ब्याज दर ताजा डिपॉजिट्स तथा मच्योरिंग डिपॉजिट्स के रिन्यूअल्स पर डिपॉजिट पर लागू होगी।

महंगी हुई भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली हीरो स्प्लेण्डर प्लस

नई दिल्ली (वार्ता)। काफी वर्षों से होण्डा एक्टिवा के साथ एक झगड़े में है। हालांकि, कई बार यह मॉडल होण्डा एक्टिवा से बिक्री के मामले में पीछे छूट जाता है। स्प्लेण्डर को भारतीय बाजार में हीरो होण्डा ने साथ मिलकर उतारा और फिर इसके बाद इस मोटरसाइकिल ने हीरो मोटोकार्प को अच्छी पकड़ में रखा। खासकर आप इसके डिजाइन में पिछले 20 वर्षों से ज्यादा कुछ बदलाव नहीं देखे होंगे।

इनोवा से सस्ती गाड़ी लाने के लिए टोयोटा और मारुती सुजुकी ने मिलाया हाथ

नई दिल्ली (वार्ता)। टोयोटा और सुजुकी दो नए प्रॉडक्ट्स बनाने पर काम कर रही हैं. इनमें से एक नई मिड साइज की एसयूवी और एक C-Segment एमपीवी है. बता दें कि टोयोटा और सुजुकी ने भारतीय बाजार के साथ-साथ ग्लोबल मार्केट्स के लिए नई कारें, प्लैटफॉर्म और टेक्नॉलजी डिवेलप करने की खातिर हाथ मिलाया है. टोयोटा ने साल 2019 में बलेनो पर बेस्ड Glanza हैचबैक लॉन्च की और अब कंपनी साझेदारी के तहत री-बैज्ड विटारा ब्रेजा के रूप में दूसरा प्रॉडक्ट लाने की तैयारी में है. इसके अलावा, टोयोटा और सुजुकी का संयुक्त उपक्रम (JV) 2 नए प्रॉडक्ट्स पर काम कर रहा है.

MPV की सेल 2023 में शुरू होगी

ये दो नए प्रॉडक्ट्स ऑल-न्यू मिड साइज्ड SUV और ऑल-न्यू C-Segment MPV हैं. नई मिड-साइज्ड SUV साल 2022 में लॉन्च होगी. जबकि टोयोटा-सी सेगमेंट MPV की सेल 2023 में शुरू होगी. इन दोनों प्रॉडक्ट्स को टोयोटा के बिदादी प्लांट में तैयार किया जाएगा. सी-सेगमेंट MPV के दो वेरियंट होंगे.

बड़ी राहत | **ब्याज दरों में 0.15 फीसद तक की कटौती**

एसबीआई, आईओबी के बाद एक और सरकारी बैंक ने सस्ता किया लोन

नई दिल्ली (वार्ता)। एसबीआई, बैंक ऑफ महाराष्ट्र , आईओबी के बाद अब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स आधारित ब्याज दरों में पांच से 15 आधार (0.05प्र.-0.15प्र.) अंकों की कटौती करने की घोषणा की है। क ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह कटौती एमसीएलआर से जुड़े सभी ऋण के लिए है। ओवरनाइट एमसीएलआर को 15 आधार अंक घटाकर 7.15 प्रतिशत, 1 महीने की एमसीएलआर को 10 आधार अंक घटाकर 7.25 प्रतिशत, 3 महीने और 6 महीने के एमसीएलआर को पाँच आधार अंक कमकर 7.40 प्रतिशत और 7.55 प्रतिशत कर दिया गया है। बैंक ने कहा कि नयी दरें 11 मई से प्रभावी होंगी।

लॉकडाउन के बीच एसबीआई ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट्स (MCLR) में 15 बेसिस अंकों यानी 0.15त्न की कटौती की घोषणा की है। इससे MCLR लिंक्ड होम लोन की ब्याज दर 7.40 प्र. से घटकर 7.25 प्र. हो जाएगी। नई ब्याज दर 10 मई से लागू होंगी। यह बैंक द्वारा MCLR में लगातार 12वीं और वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी कटौती है। एमसीएलआर ही पर्सनल, ऑटो और होम लोन जैसे कर्ज के लिए प्रमुख आधार दर होती है।

इंडियन ओवरसीज बैंक

वहीं इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) और बैंक आफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने एमसीएलआर में कटौती की घोषणा कर चुके हैं। आईओबी ने कहा है कि एक साल की अवधि के कोष की सीमांत लागत आधारित कर्ज की ब्याज दर को 0.10 प्रतिशत घटाकर 8.15 प्रतिशत कर दिया गया है। घटी दर कल यानी 10 मई से लागू होंगी। तीन माह की अवधि के लिए ब्याज दर को मौजूदा 8.10 प्रतिशत से घटाकर 8.05 प्रतिशत और छह माह की अवधि पर ब्याज दर को मौजूदा 8.15 से घटाकर 8.10 प्रतिशत कर दिया जाएगा। बैंक ने कहा है कि एक वर्ष की अवधि के कर्ज पर ब्याज दर 8.25 प्रतिशत से घटाकर 8.15 प्रतिशत, वहीं दो साल की अवधि के लिए इसे 8.30 प्रतिशत से घटाकर 8.20 प्रतिशत किया जाएगा।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र

बैंक आफ महाराष्ट्र ने भी एक साल की अवधि की एमसीएलआर आधारित ब्याज दर को 0.10 प्रतिशत घटकर 7.90 प्रतिशत कर दिया। बैंक ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा है कि रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के तहत बैंक ने अपनी ब्याज दरों की समीक्षा की है, जिसके बाद बैंक ने सात मई से अपनी एमसीएलआर दर को कम करने का फैसला किया है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने कहा है कि एक दिन से लेकर छह माह की अवधि के कर्ज पर एमसीएलआर दर 7.40 से लेकर 7.70 प्रतिशत तक होगी। वहीं केनरा बैंक ने अपनी एमसीएलआर को अपरिवर्तित रखा है। बैंक की एक साल की एमसीएलआर दर 7.85 प्रतिशत पर यथावत रखी गई है।

स्टेट बैंक ने ग्राहकों से कहा –

एलन मस्क के बेटे के नाम की तरह पासवर्ड रखें यूनीक

नई दिल्ली (वार्ता)। टेक्नॉलजी क्षेत्र के दिग्गज एलन मस्क और उनके नवजात बेटा इन दिनों सुर्खियों में हैं। वजह है मस्क के बेटे का यूनीक नाम X Æ A-vw Musk। सोशल मीडिया यूजर्स ने इस अनोखे नाम को लेकर हैरान जताई तो मीम भी खूब बने। हालांकि, देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने इस नाम से यूजर्स को बड़ा संदेश दिया है।

एसबीआई ने एक ट्वीट के जरिए अपने ग्राहकों को इस नाम की तरह इंटरनेट बैंकिंग का पासवर्ड भी यूनीक रखने को कहा है। साथ ही यह भी ध्यान रखने को कहा कि वह परिवार के सदस्यों का नाम ना हो, क्योंकि इससे आपके अकाउंट की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। एसबीआई ने ट्वीट में कहा, हम अपना पासवर्ड मजबूत और बच्चे का नाम यूनीक पसंद करते हैं। इसमें एलन मस्क के बच्चे का नाम X Æ A-vw Musk पासवर्ड के रूप में दिखाया गया है। स्टेट बैंक ने कहा, पासवर्ड अपडेट करने के लिए आपको याद दिला दें और यह अपने परिवार के सदस्यों का नाम ना रखें। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क के घर नन्हा मेहमान आया है। एलन मस्क की प्रेमिका और कनाडाई गायिका ग्रिम्स ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है। लेकिन ये गुड न्यूज सोशल मीडिया यूजर्स के लिए हैरानगी वाली खबर तब बन गई है जब एलन मस्क ने ट्विटर पर अपने बच्चे का नाम ट्वीट किया।

आज का भविष्यफल

मेषः आज व्यापार में नई योजनाओं का शुभारंभ हो सकता है। यह समय पैसे और वित्त संबंधी मामलों में अच्छा रहेगा, इस अवधि के दौरान आर्थिक लाभ की उम्मीद कर सकते हैं।

वृषभः इस अवधि के दौरान आप भागीदारी और सहयोग के कार्य अच्छी तरह से करेंगे, नौकरी में किए गए कार्य फलीभूत होंगे।

मिथुनः आप ठंडी हवा तथा सर्दी से अपना ध्यान रखें। संक्रमण से बचाव के लिए समय पर दवा का सेवन करें, पिता से मनमुटाव हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आएगी।

कर्कः अगर आप मेहनत करें तो आज तरक्की की नई राहें खुल सकती हैं। आपका कुछ धन स्वास्थ्य और दवा पर खर्च हो सकता है। सामाजिक कार्यों से सुयश मिलेगा।

सिंहः आपको विदेश अथवा किसी दूर स्थान पर रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। आज किया गया आर्थिक निवेश लाभदायक रहेगा, धार्मिक आस्था बढ़ेगी।

कन्याः यह समय पैसों के संबंध में उतार-चढ़ाव वाला और अप्रत्याशित रूप लिए साबित हो सकता है। आज आपके रास्ते में कुछ व्यवधान आएंगे, लेकिन आप उनसे पार पा लेंगे।

तुलाः विद्यार्थियों को अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है, अपनी बुद्धिमानी से स्थिति सुदृढ़ बना सकेंगे। संतान उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होगी।

वृश्चिकः बदलता मौसम सेहत खराब कर सकता है, माता- पिता से अनबन होने की संभावना है। अनावश्यक क्रोध न करें। मानसिक दृढ़ता से निर्णय लेकर काम करें।

धनुः सोच-समझकर बोलें और इस बात का ध्यान रखें की आपकी वाणी से कोई आहत न हो। यदि आप अपने शब्दों पर नियंत्रण नहीं रखेंगे तो आप अच्छे अवसर खो सकते हैं।

मकरः आज रुका हुआ धन वापस आ सकता है। हालांकि संतान पक्ष की ओर से कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कुल मिलाकर यह एक मिश्रित समय है।

कुंभः आय के नए स्रोत खुलेंगे, आपका शांत चित्त आपको कई परेशानियों से बचाएगा। इसके अलावा यश और मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मीनः आज आपकी व्यापारिक स्थिति आशाजनक रहेगी। किसी नए उत्पाद या सेवा को शुरू करने में सफल हो सकते हैं। कारोबार का विस्तार करने के लिए समय अनुकूल है।

सू- दोकू क्र.018

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिनमें ... वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.17 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

शब्द सामर्थ्य -018

बाएं से दाएं
1. सम्पत्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे
1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबास, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थित प्रसिद्ध जेल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 17 का हल

देशव्यापी लॉक डाउन में भी छत्तीसगढ़ का हौसला अप

प्रथम खरीफ वर्ष में 80.37 लाख मीट्रिक टन तथा द्वितीय खरीफ वर्ष में 82.80 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का कीर्तिमान

सर्वाधिक लगभग 19 लाख किसानों से धान खरीदी का कीर्तिमान

2500 रु. प्रति क्विंटल पर धान खरीदी का निभाया वादा

'राजीव गांधी किसान न्याय योजना' के तहत किसानों को फसलों का उचित दाम एवं मेहनत का समुचित सम्मान दिलाने के लिए 5300 करोड़ रुपए का प्रावधान। यह राशि समर्थन मूल्य तथा 2500 रु. के मध्य अंतर की भरपाई करेगी।

17 लाख 5 हजार किसानों को 8 हजार 818 करोड़ रु. कृषि ऋण माफी

244.18 करोड़ रुपए की सिंचाई कर माफी

कृषि भूमि के विकास कार्यों के लिए अधिग्रहण की स्थिति में मुआवजा राशि दो से बढ़ाकर चारगुना

उद्योग लगाने के लिए अधिग्रहित कृषि भूमि का उपयोग नहीं होने पर तथा आदर्श पुनर्वास कानून का पालन नहीं करने पर लोहण्डीगुड़ा में 1707 आदिवासी किसानों की 4200 एकड़ जमीन वापस।

छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों, कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देकर हर संकट से मुकाबले के लिए किया तैयार.....

- व्याज मुक्त कृषि ऋण वितरण भी राज्य के इतिहास में सर्वाधिक राशि तथा सर्वाधिक किसानों को लाभ, राज्य में कृषि ऋण वितरण पहली बार 4 हजार करोड़ रूपए से अधिक
- 5 लाख से अधिक किसानों को पात्रता अनुसार निःशुल्क एवं सस्ती बिजली प्रदाय का इंतजाम
- 22 लाख किसानों को 'किसान क्रेडिट कार्ड' जारी
- लॉक डाउन के दौरान फसल बीमा तथा प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत राज्य शासन की विशेष पहल से 900 करोड़ रूपए किसानों के खातों में अंतरित
- कृषि विभाग द्वारा 'वॉटरशेड मिशन' के तहत कार्यों से 25 लाख मानव दिवस रोजगार के सृजन का इंतजाम
- जल संसाधन विभाग द्वारा निविदा वाले 250 करोड़ रूपए लागत के निर्माण कार्यों की शुरूआत।
- छत्तीसगढ़ मण्डी अधिनियम तथा उपविधि के तहत जो किसान अपनी फसल कृषि उपज मण्डी प्रांगण तक विक्रय हेतु नहीं ला पाते, उसके लिए आपसी सौदा के आधार पर सौदा पत्रक से विक्रय की व्यवस्था।
- लॉक डाउन के दौरान किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु जिलावार हेल्प लाइन नम्बर जारी।
- फसल कटाई के दौरान फिजिकल दूरी बनाए रखने के लिए दिशा-निर्देश जारी।
- आगामी खरीफ फसलों के लिए 9.08 लाख क्विंटल बीज की मांग को देखते हुए राज्य के सभी जिलों में अब-तक 1.70 लाख क्विंटल धान बीज तथा 755 क्विंटल सोयाबीन बीज का भण्डारण प्रक्रिया केन्द्र एवं समितियों में कराया गया।
- कृषि उत्पादों के राज्य में ही वेल्यूएडीशन के लिए पूरे राज्य में फूडपार्क की स्थापना हेतु विभिन्न कार्यों में प्रगति।
- नई उद्योग नीति वर्ष 2019-24 में राज्य में उत्पादित हर फूल, सब्जी, हार्टिकल्चर, लघुवनोपज, कृषि उत्पाद प्रसंस्करण, जैव ईंधन, इथेनाल की रिफाइरिंग जैसे कार्य नई उच्च प्राथमिकता श्रेणी में।
- लॉक डाउन के दौरान कृषि तथा उद्यानिकी उत्पादन के परिवहन हेतु कोविड स्पेशल मालगाड़ी की व्यवस्था।
- किसान अपने उत्पाद सब्जी, फल, मछली, चिकन, अण्डा, अनाज एवं कृषि उत्पादनों को विक्रय के लिए अन्य स्थानों में मालगाड़ी द्वारा भेजने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा निर्धारित मार्ग एवं समय की जानकारी प्रिंसिपल चीफ कमर्शियल मैनेजर मोबाइल नंबर 9752475950 एवं चीफ कमर्शियल मैनेजर मोबाइल 9752475903 दक्षिणी पूर्वी मध्य रेलवे बिलासपुर, छत्तीसगढ़ से सम्पर्क कर सकते हैं। इसके अलावा परिवहन के संबंध में अधिक जानकारी के लिए दक्षिणी-पूर्वी मध्य रेलवे के हेल्प लाइन नम्बर 138 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है। परिवहन में लगने वाले राशि की गणना दूरी एवं वजन के अनुसार है
- कृषि विभाग द्वारा आगामी खरीफ सीजन में दलहन के रकबे में 28 फीसदी तथा तिलहन के रकबे में 33 फीसदी की वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है।
- आगामी खरीफ सीजन में 37 लाख हेक्टेयर धान की बुआई का लक्ष्य है।
- मक्का के रकबे को 2 लाख 5 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर 2 लाख 38 हजार हेक्टेयर तथा अन्य अनाज की फसलों के रकबे को 76 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर 90 हजार हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखा गया है। अरहर के रकबे में 34 हजार हेक्टेयर, उड़द के रकबे में 25 हजार हेक्टेयर, अन्य दलहनी के रकबे में 21 हजार हेक्टेयर की वृद्धि का लक्ष्य है।
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत राज्य के 4 लाख 55 हजार 795 किसानों को 634 करोड़ 13 लाख 13 हजार रूपए का दावा भुगतान किया गया है। इस साल रबी सीजन में मौसम की खराबी, आंधी-तूफान एवं ओलावृष्टि की वजह से रबी फसलों को नुकसाल पहुंचा है। रबी फसलों के बीमा के एवज में किसानों को लगभग 350 करोड़ रूपए का दावा भुगतान होना संभावित है।
- आरबीसी 6-4 के तहत प्रभावित कृषकों को अतिरिक्त राशि मिलेगी। रबी फसलों के दावा भुगतान की शुरूआत भी राज्य में की जा चुकी है। अब तक मुंगेली, कबीरधाम, बलरामपुर जिले के 2666 किसानों को 2.59 करोड़ रूपए का दावा भुगतान किया जा चुका है।

सुराजी ग्राम योजना के तहत, ग्रामीण संस्कृति और अर्थव्यवस्था को समवेत करते हुए हमने 'नरवा, गरवा, घुरवा, बारी' के जरिये अपनी चिन्हारी को बचाने का बीड़ा उठाया।

नरवा

2 हजार से अधिक जलाशयों के वैज्ञानिक ढंग से विकास का लक्ष्य है, जिसमें से 1207 नालों का डीपीआर तैयार।

गरवा

- 5 हजार गौठानों के विकास का लक्ष्य, 1905 गौठान निर्मित तथा 2700 चिन्हांकित। 1703 चारागाह निर्माण की स्वीकृति, 718 का कार्य पूर्ण।
- 5 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में गौठानों का विकास किया जा रहा है, जिसमें से प्रत्येक विकासखंड में एक 'मॉडल गौठान' बनाया जा रहा है।
- गौठानों में गोबर और मिट्टी का उपयोग सिर्फ जैविक खाद के लिए ही नहीं किया जा रहा है बल्कि दिए, मूर्तियाँ और हस्तकला के बेहतरीन नमूने भी इन गौठानों में बन रहे हैं। ये हस्तशिल्प हमारे शहरों में ही नहीं बल्कि महानगरों में भी बेचे जा रहे हैं।

घुरवा

- 4 हजार गांवों में 5 लाख टन से अधिक जैविक खाद तैयार तथा विक्रय।
- लगभग 3 लाख 14 हजार मीट्रिक टन जैविक खाद का निर्माण और उपयोग किया गया है। अब यह कार्यक्रम आंदोलन का रुप ले रहा

बारी

- 4500 गांवों में 1 लाख 45 हजार बारियों का उन्नयन।
- धान को बारिश से बचाने के लिए मनरेगा के माध्यम से चबूतरे तथा मंडी बोर्ड के माध्यम से शेड बनाने के निर्देश।
- मुख्यमंत्री की पहल पर लॉकडाउन के बाद अप्रैल माह में मनरेगा के कार्य व पुराने कार्यों को मिलाकर 548.41 करोड़ रु. का मजदूरी व सामग्री मद में 210 करोड़ रु. का भुगतान।
- 1.23 करोड़ मानव दिवस रोजगार सृजन, 19.85 लाख श्रमिकों को रोजगार देने से बढ़ी ग्रामीणों की क्रय शशि।

रिजर्व बैंक ने सराहा-छत्तीसगढ़ का आर्थिक विकास

अपनी एक ताजा रिपोर्ट में भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि लॉक डाउन के बावजूद, छत्तीसगढ़ राज्य में आर्थिक क्षेत्र में तेजी से वृद्धि देखी गई जो कि देश में सुखद वातावरण बनाता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि, पिछले तीन हफ्तों में, घरेलू विकास पर कुछ आंकड़े जारी किए गए हैं, लेकिन वे अर्थव्यवस्था की स्थिति में व्यापक मूल्यांकन करने के लिए बहुत निराश करते हैं। इन सबके बावजूद छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, ओडिशा, असम, कर्नाटक जैसे राज्य तालाबंदी के बावजूद बुवाई गतिविधि में अग्रणी हैं। खाद्यान्न और बागवानी के उत्पादन में, कृषि और संबद्ध गतिविधियों के सभी कार्य में निरंतर तेजी बनी रहने के कारण इन राज्यों में देश के अन्य विकसित राज्यों के मुकाबले आर्थिक विकास की दर काफी अच्छी है।

- भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

किसानों के लिए जिलावार हेल्पलाइन

रायपुर	1800-233-1850 टोल फ्री नं. 0771 -2445785	कोरबा	07759-221096
बलौदाबाजार	07727-222054	सरगुजा	1800-233-2637 टोल फ्री नं. 07774-222722
गरियाबंद	07706-241288	सूरजपुर	07775-266173
महासमुंद	07723-223305	बलरामपुर	1800-233-2663 टोल फ्री नं. 07831-273072
धमतरी	07722-232458	कोरिया	07836-232214
दुर्ग	0788-2323755	जशपुर	07763-220571
बालोद	07749-223950	जगदलपुर	07782-223122
बेमेतरा	07824-222103	कोण्डागांव	07786-242075
राजनांदगांव	07744-224109	दंतेवाड़ा	07856-252360
कबीरधाम	07741-232609	बीजापुर	07853-220023
बिलासपुर	07752-250084	सुकमा	07864-284012
मुंगेली	07755-264180	नारायणपुर	07781-252214
जांजगीर-चांपा	07817-222215	कांकेर	07868-241550
रायगढ़	07762-223750	गौरेला-पेंड्रा-मरवाही	07751-220223

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ है तैयार, कोरोना की ही होगी हार